



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 280]

नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 1, 1979/भाद्र 10, 1901

No. 280]

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 1, 1979/BHADRA 10, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 सितम्बर, 1979

सं० का० नि० 523(अ).—केन्द्रीय सरकार भारतीय विस्फोटक अधि-  
नियम, 1884 (1884 का 4) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का  
प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के भूतपूर्व अम विभाग के दिनांक 28 सितम्बर,  
1938 की अधिसूचना में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

कथित अधिसूचना में—

- (1) "गैसीय या द्रवित अवस्था" शब्दों के स्थान पर "गैसीय, द्रवित  
या विषीन अवस्था" शब्द रखे जाएंगे।
- (2) परन्तुक का लोप किया जाएगा।

[सं० 2(11)/78-एम०आई०]

भारतीय विस्फोटक अधिनियम, 1884 (1884 का 4) की  
धारा 17 के अधीन भारत सरकार के अम विभाग द्वारा  
शारी की गई अधिसूचना सं० एम-1272(1), दिनांक 28 सितम्बर,  
1938 द्वारा किसी गैस को, जब वह किसी वातु-वाक में गैसीय, द्रवित  
या विषीन अवस्था में है, उक्त अधिनियम के धर्म में विस्फोटक घोषित  
कर दिया गया है। अतः, केन्द्रीय सरकार निम्नलिखित नियमों का प्राक्य,  
विस्फोटक अधिनियम, 1884 (1884 का 4) की धारा 5, 7 और 8  
द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग और गैस सिलेण्डर नियम, 1940 को

अधिकार्य करते हुए, उक्त अधिनियम की धारा 18 की उपधारा (1) की  
अपेक्षानुसार उससे सम्भवतः प्रभावित होने वाले सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित करती है और यह सूचना देती है कि उक्त प्राक्य पर, राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की समाप्ति के पश्चात् विचार किया जाएगा।

उक्त प्राक्य के बारे में इस प्रकार विनिश्चित तारीख के पूर्व जो भी सुझाव या आपत्तियां किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे, उन पर केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

प्राक्य—गैस सिलेण्डर नियम, 1977

अध्याय 1—प्रारम्भिक

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:

इन नियमों का नाम गैस सिलेण्डर नियम, 1979 है।

2. परिभाषाएं:

इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो—

- (1) "अधिनियम" से, भारतीय विस्फोटक अधिनियम, 1884 (1884 का 4) अभिप्रेत है;
- (2) "मुख्य नियंत्रक" से, मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, भारत सरकार अभिप्रेत है;
- (3) "सक्षम व्यक्ति" से, मुख्य नियंत्रक द्वारा सक्षम व्यक्ति के रूप में मान्यताप्राप्त व्यक्ति, या वह व्यक्ति अभिप्रेत है जिसके पास उस कार्य में सक्षमता का, जिसमें कि सक्षमता अपेक्षित है, मुख्य नियंत्रक द्वारा इस निमित्त मान्यताप्राप्त संस्था का प्रमाणपत्र है;

- (4) "संपीकृत गैस" से कोई स्वाधी गैस, द्रवित गैस या दाब के अधीन द्रव में विलीन गैस या गैस मिश्रण अभिप्रेत है, जो एक अन्य गैस सिलेण्डर में जो या तो  $+15^{\circ}$  सेंटीग्रेड पर 2.5 के जो एक 1 वर्ग सेंटीमीटर ए बी एस (1.5 केजी एक गेज) से अधिक  $+50^{\circ}$  सेंटीग्रेड पर 3 के जो एक 1 वर्ग सेंटीमीटर ए बी एस 2 के जो एक 1 वर्ग सेंटीमीटर गेज दाब का प्रयोग करती है।

स्पष्टीकरण :

हाइड्रोजन, पसोराइड संपीकृत गैस के अन्तर्गत आती है, मजबूत इसका वाष्प दाब  $50^{\circ}$  सेंटीग्रेड पर 1.7 से 1.8 वायुमानी गेज होता है;

- (5) किसी पत्तन के संबंध में "संरक्षक" के अन्तर्गत, भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 7 के अधीन पत्तन के संरक्षक के रूप में नियुक्त अधिकारी या व्यक्ति निकाय के प्राधिकार के अधीन कार्य करने वाला व्यक्ति भी है;
- (6) "निबंधक" विस्फोटक के अन्तर्गत उप-मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, उप-विस्फोटक निबंधक और सहायक विस्फोटक निबंधक भी है;
- (7) "क्रांतिक तापमान" से वह तापमान अभिप्रेत है जिसके ऊपर गैस केवल दाब लगाने से द्रवित नहीं की जा सकती है;
- (8) "विलीन एसिटिलीन सिलेण्डर" से सुरक्षा युक्त सहित या इसके बिना तथा वास्तव में एक ऐसा कोई सिलेण्डर अभिप्रेत है जिसमें सरंज द्रव्यमान, विलीन एसिटिलीन के भण्डारण के लिए विलायक और वायुमयक दाब तथा  $+15^{\circ}$  सेंटीग्रेड के तापमान पर विलायक को संतृप्त करने के लिए कम से कम पर्याप्त एसिटिलीन समाविष्ट है;

स्पष्टीकरण :

एसिटोन या उपयोग में लाया जाने वाला कोई विलायक, एसिटिलीन गैस या सरंज पदार्थ या सिलेण्डर या वास्तव की धातु के साथ रासायनिक क्रिया के योग्य नहीं होगा।

- (9) "विलीन गैस" से ऐसी कोई गैस अभिप्रेत है जो दाब के अधीन किसी विशिष्ट गैस, जैसे एसिटोन में एसिटिलीन या पानी में धमोनिया, के लिए उपयुक्त किसी तरल विलायक में घुस जाती है;
- (10) "जिला प्राधिकारी" से अभिप्रेत है,—
- (क) पुलिस आयुक्त या उपायुक्त, पुलिस आयुक्त बाने नगरों में,
- (ख) किसी अन्य स्थान में, जिला मजिस्ट्रेट;
- (11) "जिला मजिस्ट्रेट" के अन्तर्गत, अपर जिला मजिस्ट्रेट भी है तथा पंजाब और हरियाणा राज्यों में और पाकिस्तानी संघ राज्यक्षेत्र के कराकल, माहे और मेनम क्षेत्रों में, उपजम्ह मजिस्ट्रेट भी है;
- (12) "भरण दाब" से,  $+15^{\circ}$  सेंटीग्रेड पर संपरिचित अधिकतम अनुमेय गेज दाब अभिप्रेत है जिस पर स्थायी गैस और दाब के अधीन विलीन गैस, गैस सिलेण्डर में भरी जा सकती है;
- (13) "भरण अनुपात" से, सिलेण्डर में प्रविष्ट द्रवित गैस के भार और  $+15^{\circ}$  सें. ग्रे. पर सिलेण्डर में समाने वाले पानी के भार के बीच अनुपात अभिप्रेत है;
- (14) "ज्वलनशील गैस" से ऐसी कोई गैस अभिप्रेत है जो या तो (आयतन में) 13 प्रतिशत या कम वायु के साथ मिश्रण

से ज्वलनशील मिश्रण बनाती है या वायु के साथ जिसकी ज्वलनशीलता सीमा निम्न सीमा का अंश दिए बिना, 12 प्रतिशत से अधिक है और ये सीमाएं वायुमयक दाब पर अवधारित की जाएंगी।

स्पष्टीकरण :

"ज्वलनशीलता सीमा" से वायु के साथ गैस का जो ज्वलनशील मिश्रण बनाता है उसमें आयतन की दृष्टि से गैस के निम्नतम एवं उच्चतम प्रतिशत के बीच अंतर अभिप्रेत है;

- (15) "प्रपत्र" से अनुसूची 5 में दिया गया प्रपत्र अभिप्रेत है;
- (16) "गैस सिलेण्डर" (या सिलेण्डर) से संपीकृत गैस के भण्डारण एवं परिवहन के लिए प्राकृतिक कोई अन्य धातु प्राधान अभिप्रेत है जो किसी विशेष परिवहन या प्रयोग से जोड़े जाने के लिए अभिकल्पित नहीं है और जिसका आयतन 500 मिलीलिटर से अधिक है किन्तु 1000 लिटर से अनधिक है;
- (17) "उच्चदाब द्रवित गैस" से  $0^{\circ}$  सेंटीग्रेड से अधिक किन्तु  $+70^{\circ}$  सेंटीग्रेड से अधिक क्रांतिक तापमान वाली द्रवित गैस अभिप्रेत है।
- (18) "द्रवस्थैतिक प्रतिबल जांच" से, सिलेण्डर को उसके परीक्षण दाब के बराबर द्रवस्थैतिक दाब के अधीन करना एवं सिलेण्डर द्वारा लीने गए स्वामी प्रतिबल का अभिलेख तैयार करना अभिप्रेत है।
- (19) "द्रवस्थैतिक परीक्षण" से कोई परीक्षण अभिप्रेत है जिसमें कि सिलेण्डर को उसके परीक्षण दाब के बराबर उसके द्रवस्थैतिक दाब के अधीन रखा जाता है;
- (20) "घात" से भारत में स्वतः, सड़क या वायु मार्ग से लाना अभिप्रेत है;
- (21) "निरीक्षण प्राधिकारी" से ऐसा कोई व्यक्ति अभिप्रेत है जो गैस सिलेण्डरों की अभिकल्पना, विनिर्माण एवं परीक्षण में भाग लेता है तथा व्यापक अनुभव प्राप्त है और जिसे मुख्य निरीक्षक द्वारा गैस सिलेण्डरों के निरीक्षण एवं प्रमाणन के लिए मान्यता दी गई है;
- (22) "अधिष्ठापन" से कोई ऐसा परितर अभिप्रेत है, जिसमें किसी स्थान को, सिलेण्डरों में संपीकृत गैस के विनिर्माण (भरण) या भण्डारण के लिए, विशेष रूप से तैयार किया गया है;
- (23) "द्रवणीय गैस" से ऐसी कोई गैस अभिप्रेत है जो  $0^{\circ}$  सेंटीग्रेड पर द्रवित हो सकती है किन्तु  $30^{\circ}$  सेंटीग्रेड पर सामान्य वायुमयक दाब (760 मि.मी. एच.जी.) के समुलन में वाष्पित हो जाती है;
- (24) "निम्न दाब द्रवणीय गैस" से  $70^{\circ}$  सेंटीग्रेड से अधिक क्रांतिक तापमान वाली द्रवणीय गैस अभिप्रेत है;
- (25) "गैस विनिर्माण" से सिलेण्डर को किसी संपीकृत गैस से भरना अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत एक सिलेण्डर से दूसरे सिलेण्डर को संपीकृत गैस का अंतरण भी है;
- (26) "स्थायी गैस" से ऐसी गैस अभिप्रेत है जिसका क्रांतिक तापमान  $0^{\circ}$  सेंटीग्रेड से अधिक नहीं होता है, अर्थात् ऐसी गैस जो  $0^{\circ}$  सेंटीग्रेड से अधिक तापमान पर किसी भी दाब के अधीन, द्रवित नहीं होगी।
- (27) "अनुसूची" से इन नियमों से उपाखण्ड अनुसूची अभिप्रेत है;
- (28) (i) एसिटिलीन सिलेण्डर के संबंध में, "प्राथम्य भार" से कोई स्थायी तौर पर उपाखण्ड किटिंगों सहित सिलेण्डर का भार "अभिप्रेत है तथा इसके अन्तर्गत है वास्तव, किसी सुरक्षा दृष्टि, सरंज द्रव्यमान, एसिटिलीन को ढोलने के लिए विलायक की अवशिष्ट मात्रा और वायुमयक दाब तथा  $15^{\circ}$  सेंटीग्रेड के

तापमान पर बिनायक को संतुष्ट बनाने वाली एसिटिलीन गैस का भार भी है;

- (ii) द्रवणीय गैस सिलेण्डर के संबंध में "प्राथम्य भार" से, उससे स्थायी तौर पर उपाबद्ध किसी फिटिंग सहित सिलेण्डर का भार अभिप्रेत है और उसके अन्तर्गत बाल्ब का भार भी है;
- (iii) स्थायी गैस सिलेण्डरों के संबंध में "प्राथम्य भार" से उससे स्थायी तौर पर उपाबद्ध फिटिंग सहित उसका भार अभिप्रेत है।
- (29) "परीक्षण दाब" से, सिलेण्डर के द्रवस्थैतिक परीक्षण या द्रवस्थैतिक प्रतिबल परीक्षण के लिए अपेक्षित आन्तरिक दाब अभिप्रेत है जो निम्नानुसार है:

- (i) स्थायी एवं उच्च दाब द्रवणीय गैस  
इसकी गणना निम्नलिखित से की जानी चाहिए:—

$$200 टी आर ई$$

पी एच —————

$$1.25 (डी ओ-टी)$$

जहाँ

पी एच = के जी एक 1 बर्ग सेंटीमीटर में परीक्षण दाब  
टी = सिलेण्डर कबच की न्यूनतम परिकलित,  
मि०मी० में, दीबाज की मोटाई।

आर ई = सिलेण्डर की सामग्री का न्यूनतम पराभव सामर्थ्य। सामास्यीकृत सिलेण्डरों के मामले में तनन सामर्थ्य के न्यूनतम मूल्य का 75 प्रतिशत एवं शक्ति तथा पानी चढ़ाए हुए सिलेण्डरों के मामले में तनन सामर्थ्य के न्यूनतम मूल्य का 85 प्रतिशत, परन्तु परीक्षण दाब का मूल्य पराभव सामर्थ्य के 80 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।

- (ii) निम्न दाब द्रवणीय गैस के लिए:
- 65° सेंटीग्रेड पर गैस के संतुष्ट वाष्प दाब का डेढ़ गुना।
- (30) "परिवहन" से किसी संपीकृत गैस से भरे सिलेण्डरों का एक स्थान से दूसरे स्थान को ले जाना अभिप्रेत है;
- (31) "जल क्षमता" से 15° सेंटीग्रेड पर सिलेण्डर द्वारा धारण किए जाने वाले पानी का आयतन, लिटरों में, अभिप्रेत है;
- (32) "निम्न दाब द्रवणीय गैस के लिए कार्यकरण दाब" से 65° सेंटीग्रेड पर संतुष्ट वाष्प दाब अभिप्रेत है;

स्वच्छीकरण:

बिभिन्न गैसों के संतुष्ट वाष्प दाब के लिए भा०मा० 3710 देखें;

- (33) "स्थायी गैस के लिए कार्यकरण दाब" से 15° सेंटीग्रेड पर सिलेण्डर में गैस का आन्तरिक दाब अभिप्रेत है;
- (34) "पराभव सामर्थ्य" से तन्य परीक्षण में मूल गेज सम्बाई के स्थायी तनाव के 0.2 प्रतिशत के अनुरूप प्रतिबल अभिप्रेत है। व्यवहारिक उद्देश्यों के लिए इसे ऐसे प्रतिबल के रूप में लिया जा सकता है जब तनन परीक्षण में भार में बिना वृद्धि हुए प्रथम दैर्घ्य वृद्धि होती है।

अध्याय—2

साधारण उपबन्ध

3 सिलेण्डरों का भरण, कब्जा, आयात एवं परिवहन:

- (1) कोई भी व्यक्ति, किसी सिलेण्डर में संपीकृत गैस तब तक नहीं भरेगा या ऐसे भरे गए या भरे जाने के लिए आशयित किसी

सिलेण्डर को तब तक आयात नहीं करेगा, कब्जे में नहीं रखेगा या उसका परिवहन नहीं करेगा जब तक कि—

- (क) ऐसे सिलेण्डर और उसके बाल्ब को, अनुसूची I में विनिर्दिष्ट मानक एवं किस्म का नहीं बनाया गया है;
- (ख) सिलेण्डरों और उसके बाल्बों के संबंध में निरीक्षण प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया परीक्षण और निरीक्षण प्रमाणपत्र, मुख्य नियंत्रक को उपलब्ध नहीं कर दिया गया है और उक्त प्राधिकारी का पूर्ण अनुमोदन प्राप्त नहीं कर लिया गया है।
- (2) अनुमोचित अभिकल्पना और विनियमों या कोड के अनुसार निर्मित और प्रमाणित सिलेण्डर एवं बाल्बों के संबंध में निरीक्षण प्राधिकारी से प्राप्त अपेक्षित परीक्षण एवं निरीक्षण प्रमाणपत्र में अनुसूची II में दी गई जानकारी दी जाएगी।
- (3) सिलेण्डरों, बाल्बों और अन्य फिटिंगों को बनाने का इच्छुक कोई भी व्यक्ति, मुख्य नियंत्रक को, अनुसूची III में दी गई विनिर्दिष्टियां देगा।
- (4) उपनियम (1) में किसी बात के होते हुए भी, ऐसे सिलेण्डरों में, जो अनुसूची I में विनिर्दिष्ट विनियमों के अनुरूप नहीं हैं और भारत में भरकर मूल देश के लिए लवाई करने या भारतीय बन्दरगाह को स्थान करते हुए विदेश जा रहे जलयान को प्रदाय करने के लिए आयात किए गए हैं, ऐसी गैस को भरा जा सकता है, परन्तु यह तब जब कि,—
- (क) सिलेण्डर की, यथास्थिति, द्रववालीय या द्रवस्थैतिक परीक्षण, इन नियमों में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर कर लिया जाए तथा परीक्षण के दौरान सगाया गया दाब, सिलेण्डर पर अंकित परीक्षण दाब होगा।
- (ख) सिलेण्डर में—
- (i) भा०मा० 3710 में विनिर्दिष्ट भरण अनुपात से अधिक द्रवणीय गैस;
- (ii) जिस दाब के लिए सिलेण्डर की अभिकल्पना की गई है, उस दाब से अधिक पर किसी स्थायी गैस, न भरी जाए।
- (ग) भरण स्टेशन पर सिलेण्डर के परीक्षण और भरण का असंग-अलग अभिलेख रखा जाए;
- (घ) भरे हुए सिलेण्डर भरण स्टेशन से हटाकर यथासंभव शीघ्र पोत पर लाव दिए जाएं।

4. बाल्ब:

- (1) गैस सिलेण्डरों में लगे बाल्ब, निम्नलिखित विनियमों की पूर्णतया पूर्ति करेंगे, यर्थात्:—
- (क) औद्योगिक गैस सिलेण्डरों के संबंध में, भा०मा० 3724;
- (ख) चिकित्सीय गैस सिलेण्डरों के संबंध में, भा०मा० 3745; या 5 लिटर से अधिक जल क्षमता वाले सिलेण्डरों के लिए भा०मा० 3724;
- (ग) रक्तन साधन के साथ प्रयोग में लाए जाने वाले सिलेण्डरों के लिए, समय-समय पर यथासंशोधित भा०मा० 7302;

परन्तु यदि मुख्य नियंत्रक की यह राय हो कि अनहित में ऐसा करना आवश्यक है तो वह, जो बाल्ब विनियमों के अनुरूप नहीं है, उनके प्रयोग की अनुमति दे सकता है।

- (2) कार्बन डाइप्रोक्साइड सिलेण्डरों में लगे वाल्वों की बाड़ी में एक नरम किए गए तांबे की डिस्क से बना सुरक्षा मोचन इस प्रकार लगा होगा कि वह 183 घोर 200 कि०मी०/घंटे सेंटीमीटर के बीच दाब पर फट जाए।
- (3) फ्लेमशील गैसों वाले सिलेण्डरों के लिए वाल्वों में, जिनको भा.सा. 3224 में सूचीबद्ध नहीं किया गया है, पाइपो या अन्य संयोजकों के लिए बाईं ओर पेंच बूझी जाने निर्णय लने होंगे।
- (4) प्रत्येक अन्य वाल्व में दाहिनी ओर घूमने वाले पेंच बूझियों वाले निर्णय होंगे।
- (5) वाल्व सिलेण्डर को गैसन में पेंच द्वारा, न कि किसी स्थायी सम्बन्धन या बीच में अनुकूलक (एडेप्टर) लगाकर, लगाया जाएगा।
- (6) स्पिंडल (तुंडु) प्रचालित वाल्वों की अधिकल्पना, इस प्रकार की होगी कि जब इसे सिलेण्डर में लगाए, तुंडु को सामान्य प्रचालन शर्तों के अधीन निकालना संभव नहीं होगा।

#### 5. सुरक्षा मोचन युक्तियाँ :

- (1) यदि भारत में विनिर्मित सिलेण्डरों की बाड़ी में सुरक्षा मोचन युक्तियाँ लगी हुई हैं तो ऐसी सुरक्षा युक्तियाँ भा०सा० 5903 के अनुरूप विनिर्मित की और रखी जाएंगी।
- (2) घुणित या विवेकी गैसों से भरे सिलेण्डरों में सुरक्षा युक्ति नहीं लगी होगी।

स्पष्टीकरण:

इस उपनियम के प्रयोजन के लिए, "घुणित या विवेकी गैसों" के अंतर्गत हैं कार्बन मोनोप्रोक्साइड, हाइड्रोसल्फ्यूरिक एसिड, हाइड्रोजन क्लोराइड, हाइड्रोजन ब्रोमाइड, हाइड्रोजन फ्लोराइड, सल्फर डाइप्रोक्साइड, क्लोरीन, मिथिल ब्रोमाइड, नाइट्रोजन टैट्रोप्रोक्साइड, नाइट्रोसील, क्लोराइड गैस, हाइड्रोजन सल्फाइड, कार्बोनील क्लोराइड, (फॉसजीन), सायनोजीन, सायनोजीन क्लोराइड, फ्लोरी और कार्बन डाक्सीक्लोराइड सम्मिलित हैं।

- (3) यदि इन देश में प्रयोग के लिए अनुमोदित और विदेशों में विनिर्मित सिलेण्डरों में सुरक्षा मोचन युक्ति लगी है तो ये युक्तियाँ उन विनिर्देशों की, जिनके अनुसार वे मूलतः बनी हैं, अपेक्षाओं के अनुसार रखे जायेंगे।

#### 6. सिलेण्डरों पर चिह्नीकरण :

- (1) साधारण चिह्नीकरण :

(क) प्रत्येक गैस सिलेण्डर को—

- (i) उसके स्कंध पर, जो गढ़ाई या अन्य साधन द्वारा प्रदर्शित किया जाएगा, या
- (ii) उसके ऐसे भाग पर, जो सिलेण्डर से घबिच्छेव रूप में बद्ध है और जो सिलेण्डर के भीतर की गैस दाब के प्रतिबल से प्रभावित नहीं होता है या सगण्यतः प्रभावित होता है,

स्टाम्प लगाकर, उत्कीर्णन द्वारा या अन्य किसी रूप में चिह्नीकृत किया जाएगा।

- (ख) यदि संक्षारण या भंगुरता की जोखिम है तो सिलेण्डर पर नाम पट्टिका झालकर नहीं लगाई जाएगी।

- (ग) मूल चिह्नीकरण के साथ ही नियतकालिक निरीक्षण के समय प्राप्त परीक्षण आंकड़ों की मोहर लगाने के लिए स्थान छोड़ा जाएगा।

- (घ) चिह्नीकरण इस प्रकार किया जाएगा और प्रयोग में लाए जाने वाले अंक और अक्षर ऐसे प्रकार एवं माप के होंगे कि चिह्नीकरण को स्पष्टतया और आसानी से पढ़ा जा सके और उसमें कोई गवनी न हो।

- (2) स्थायी एवं द्रवणीय गैस सिलेण्डरों पर चिह्नीकरण :

(क) प्रत्येक सिलेण्डर पर निम्नलिखित चिह्नीकरण किया जाएगा अर्थात् :—

- (i) विनिर्माता, स्वामी और निरीक्षक के चिन्ह और कम संख्यांक (इन चिह्नीकरणों को मुख्य नियंत्रक के पास रजिस्ट्रीकृत कराया जाएगा);
- (ii) विनिर्देश, जिसके अनुसार सिलेण्डर बना है;
- (iii) विनिर्माण के दौरान या मरम्मत के पश्चात् किए गए ऊष्मा उपचार (जैसे सामान्यीकरण जमन या परिष्करण) की प्रकृति की दशानि वाला संकेत;
- (iv) यथास्थिति, द्रवस्थैतिक परीक्षण, या द्रवस्थैतिक बुद्धि परीक्षण की तारीख तथा उस व्यक्ति की जिसके द्वारा तथा उस स्थान को, जहाँ परीक्षण किया गया है, अगले परीक्षण के लिए नियत वर्ष को बताने वाला संकेत चिन्ह/संकेत चिन्ह मुख्य नियंत्रक के पास रजिस्ट्रीकृत कराया जाएगा। द्रवित पैट्रोलियम गैस सिलेण्डरों के मामले में, उसके घीरा घेरे पर या स्कंध पर परीक्षण के विमास तथा वर्ष की दाबत प्रतिरिक्त चिह्नीकरण किया जाएगा;

(v) कार्यकरण दाब तथा परीक्षण दाब;

(vi) खाली भार ;

स्पष्टीकरण :

द्रवणीय गैस सिलेण्डरों के मामले में, खाली भार में सिलेण्डरों में लगे वाल्वों का भार भी सम्मिलित होगा। वाल्व का भार प्रलग से दर्शाया जाएगा।

(vii) जल क्षमता;

(ख) विनिर्माता के चिह्नीकरण के सिवाय, जो आधार पर लगे हो सकते हैं, सभी चिह्नीकरण, सिलेण्डर की गर्दन के सिरे पर किया जाएगा।

#### 7. वाल्वों पर चिह्नीकरण :

सिलेण्डरों में लगे वाल्वों पर, स्टाम्प लगाकर, उत्कीर्णन या समान प्रक्रिया द्वारा सुस्पष्टतया एवं स्थायी तौर पर निम्नलिखित चिह्नीकृतियाँ दी जाएंगी, अर्थात् :—

(i) वाल्वों का विनिर्देश.

(ii) विनिर्माण का वर्ष एवं विमास ;

(iii) विनिर्माता का संकेत ;

(iv) कार्यकरण दाब;

(v) जिस गैस के लिए वाल्व का प्रयोग किया जाना है, उसके नाम और रासायनिक संकेत ;

(vi) निर्णय द्वार को पेंच बूझी का प्रकार, प्रवाह, बाण हाथ वाली (बा०हा०) या दाहिने हाथ वाली (दा०हा०);

(vii) निरीक्षक की स्टाम्प ;

(viii) जहाँ ज़िप ट्यूब दी गई है, वहाँ वाल्व और सिलेण्डर के बीच में लगे वाल्व या ब्रेज पर सुस्पष्ट एवं स्थायी चिह्नीकरण द्वारा विशेष निर्देश दिए जाएंगे। ट्यूब की मिसीमीटर में कुल लम्बाई भी दर्शाई जाएगी।

#### 8. पहचान रंग :

- (1) किसी सिलेण्डर में कोई संयोजित गैस भरने वाला प्रत्येक व्यक्ति, उसके भण्डारण या प्रेषण के पूर्व यह देखेगा कि सिलेण्डर को, औद्योगिक सिलेण्डरों की दशा में भा०सा० 4379 और विकिरणीय सिलेण्डरों की दशा में भा०सा० 3933 में विनिर्दिष्ट यथोचित पहचान रंगों से पेंट कर दिया गया है।

- (2) नई गैस तथा गैस निबन्धा के लिए अनुसूचित सिलेण्डर को, जिसके लिए पहचान रंग उपनियम (1) में नहीं दिए गए हैं, निम्नलिखित सारणी में दर्शाए गए रंगों में पेंट किया जाएगा :—

सिलेण्डरों में भरी गैस का नाम	सिलेण्डर के गैस का रंग	सिलेण्डर का गर्दन के निचे का रंग
प्रचलनशील और अधिवैली	सफेद	—
प्रचलनशील किन्तु विषैली	सफेद	पीला, भा०मा० मानक रंग सं० 358
एल०पी०जी० को छोड़कर, प्रचलनशील किन्तु अधिवैली	सफेद	लाल भा०मा० मानक रंग सं० 537
प्रचलनशील और विषैली	सफेद	लाल और पीला भा०मा० मानक रंग सं० 537 और 356

#### स्पष्टीकरण :

गैस मिश्रण के लिए आशयित सिलेण्डरों को "गैस मिश्रण" या "मिश्रित गैस" से चिह्नित किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त यदि सिलेण्डर किसी विशिष्ट गैस मिश्रण के लिए स्थायी रूप में प्रयुक्त होते हैं तो सिलेण्डरों को मिश्रण के संघटकों के नाम (संकेत यदि हों तो) स्टाम्प लगाकर और यदि सिलेण्डरों विशिष्ट गैस मिश्रण के लिए यदाकदा प्रयुक्त होता है तो पेंट लगाकर चिह्नित किया जाएगा।

- (3) कोई भी व्यक्ति किसी भी प्रकार गैस सिलेण्डर पर पेंट किए गए रंग में हस्तक्षेप नहीं करेगा :

परन्तु इस उपनियम की किसी भी बात से यह नहीं समझा जाएगा कि वह सिलेण्डर के अनुरक्षण के लिए आवश्यक होने पर इन नियमों के अनुसार उस पर बड़ी पहचान रंग, जो ऊपर पहले से पेंट है, पुनः पेंट करने या सिलेण्डर को एक गैस सेवा से दूसरी गैस सेवा के लिए परिवर्तित करने के लिए उस पर अन्य पहचान रंग पुनः पेंट करने को प्रतिबन्धित करता है।

#### 9. सिलेण्डरों पर लेबल लगाना :

- (1) प्रत्येक सिलेण्डर पर गैस के नाम और उस व्यक्ति के नाम तथा पते का जिसके द्वारा सिलेण्डर में गैस भरी गई थी, लेबल लगाया जाएगा।
- (2) स्थायी या द्रवणीय गैस से भरे प्रत्येक सिलेण्डर से निम्नलिखित चेतावनी संलग्न की जाएगी :—

"चेतावनी"

गैस सिलेण्डर नियम, 1977

- (i) इस सिलेण्डर का रंग न बदलिए।
- (ii) इस सिलेण्डर में अधीन जो गैस भरी है, उससे भिन्न कोई गैस भरी नहीं जानी चाहिए।
- (iii) इस सिलेण्डर के एकदम आसपास या उसी कमरे में जहाँ यह रखा है, कोई भी ज्वलनशील सामग्री का भण्डारण नहीं किया जाना चाहिए।
- (iv) इस सिलेण्डर के बाइको या अन्य फिटिंगों पर कोई भी तेल या तत्समान स्नेहक का प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए।
- (v) कृपया परीक्षण की प्रयत्नी नारीखें। यह सिलेण्डर पर चिह्नित है और यदि वह नारीख बीज भूकी है तो सिलेण्डर स्वीकार न करें।

#### 10. सिलेण्डरों के परिवहन या प्रेषण पर निर्बन्धन :

- (1) कोई भी व्यक्ति भारत में किसी ऐसे अन्य व्यक्ति को, जो इस प्रकार की संयोजित गैस सिलेण्डर रखने के लिए अनुमतिधारी या उसका प्राधिकृत अधिकारी नहीं है, संयोजित गैस से भरे सिलेण्डरों का परिवहन या प्रेषण तब तक नहीं करेगा जब तक कि उसे इन नियमों के अधीन बिना अनुमति के ऐसे संयोजित गैस सिलेण्डर रखने के लिए छूट नहीं मिली हुई है।
- (2) उपनियम (1) के अधीन किसी व्यक्ति द्वारा परिदत्त या प्रेषित गैस सिलेण्डर, उस प्रकार के होंगे जिसके लिए उसे अनुमति दी गई है तथा ऐसे परिदत्त या प्रेषित गैस सिलेण्डरों की संख्या उस संख्या से अधिक नहीं होगी जिसे रखने के लिए इन नियमों के अधीन वह व्यक्ति जिसे ऐसा परिवहन या प्रेषण किया गया है, प्राधिकृत है।
- (3) उपनियम (1) एवं (2) की कोई बात रखा बलों, पत्तन प्राधिकारियों और रेल प्रशासन को परिदत्त या प्रेषित किए जाने वाले गैस सिलेण्डरों को लागू नहीं होगी।

#### 11. सीबन रहित गैस सिलेण्डरों की उपयोग के दौरान मरम्मत।

कोई भी व्यक्ति किसी सीबन रहित गैस सिलेण्डर में रिसन की न तो मरम्मत करेगा या कराएगा।

#### 12. बैलिड/पीतल से झाले हुए सिलेण्डरों की मरम्मत :

- (1) बैलिड या पीतल से झाले हुए सीबन के सिवाय किसी भी स्थान पर पीतल से झाले या रिसने वाले सिलेण्डरों की मरम्मत नहीं की जाएगी और उसे अप्रयोज्य ठहरा दिया जाएगा।

- (2) बैलिड/पीतल से झाले सीबन वाले सिलेण्डरों में गीण दोषों की मरम्मत, उदाहरणार्थ छोटे बैल्ड जेक, पिन छिद्र, दात छिद्र, बैल्डन में अक्षोर्तन, बैल्ड में रिसन (आधुनिक द्रवस्थैतिक जांच में दर्शित) अनुज्ञात की जा सकती है किन्तु यह तब जब कि—

- (i) प्रेषण, तण्टन, गर्तन या अन्य अनुमोदित विधियों द्वारा कूटियाँ दूर कर दी गई हों ;

- (ii) मुख्य नियंत्रक द्वारा मान्यता प्राप्त सिलेण्डरों के विनिर्माता के परिसरों में सक्षम व्यक्ति के पर्यवेक्षण के अधीन प्रमाणित बैल्डर द्वारा निम्नलिखित रूप में मरम्मत की गई हो, अर्थात :—

- (क) बैल्डर द्वारा, यदि प्रारम्भिक सीबन बैल्ड कर दी गई है ;

- (ख) पीतल से ब्रसाई द्वारा, यदि प्रारम्भिक सीबन पीतल से झाले दी गई हैं ;

- (iii) मरम्मत के पश्चात् सिलेण्डर ठीक ढंग से उच्चोपचारित किए जाते हैं ;

- (iv) सिलेण्डरों की बैलिड या पीतल से झाली हुई सीबन रेडियोग्राफ की गई हो यदि इसके विनिर्माण के पश्चात् सिलेण्डर को मूलतः रेडियोग्राफ किया जाना अपेक्षित था ;

- (v) मरम्मत और उच्चोपचार के पश्चात्, सिलेण्डर की उसी बारीय और द्रवस्थैतिक या द्रवस्थैतिक प्रतिबल जांच के अधीन रखा जाता है, जैसा कि विनिर्माण के समय किया गया था।

- (3) मरम्मत के पूर्व, बैलिड, या पीतल से झाले हुए सिलेण्डर पूर्णतः साफ किए जाएंगे या गैस मुक्त किए जाएंगे या अन्यथा तत्पक्ष कार्य पूरा करने के लिए सुरक्षित रूप में तैयार किए



जाएँ और सक्षम व्यक्ति द्वारा लिखित रूप में यह प्रमाणित किया जाएगा कि सिलेण्डर को इस प्रकार तैयार किया गया है। प्रमाणपत्र तीन मास तक परिरक्षित रखा जाएगा और मांग को जाने पर मुख्य नियंत्रक के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

- (4) कोई भी व्यक्ति किसी सिलेण्डर में, जिसकी उपनियम (2) के अधीन मरम्मत की गई है, कोई गैस पुनः तब तक नहीं भरेगा जब तक कि सिलेण्डर की बाबत की गई मरम्मत और परीक्षण की पूरी रिपोर्ट, मरम्मत करने वाले के परीक्षण प्रमाणपत्र के साथ मुख्य नियंत्रक को प्रस्तुत नहीं कर दी जाती और उसके पुनर्भरण के लिए उसकी अनुज्ञा प्राप्त नहीं कर ली जाती।

#### 13. बालकों और मत्त व्यक्तियों के नियोजन का प्रतिषेध :

छठारह वर्ष की आयु से कम का कोई बालक तथा कोई मत्त व्यक्ति, संपीडित गैस सिलेण्डर की लदाई, उताराई या परिवहन कार्य में, या इन नियमों के अधीन अनुज्ञप्त किसी परिसर में, नियोजित नहीं किया जाएगा।

#### 14. धूम्रपान, भाग, प्रकाश तथा बलतराक पदार्थों का प्रतिषेध :

- (1) किसी भी समय ऐसे स्थान के निकट, जहाँ ज्वलनशील गैसों के लिए सिलेण्डर का भरण, भण्डारण या घरा-उठाई की जाती है, कोई व्यक्ति धूम्रपान नहीं करेगा और मरम्मत के लिए धमन पाइप ज्वाला के सिवाय या ज्वलनशील प्रकृति की या स्वतः प्रज्वलित होने वाली या भाग या बिस्फोट पैदा करने या लगाने वाली वस्तु या पदार्थ अनुज्ञात नहीं होंगे।
- (2) किसी ऐसे स्थान में या उसके पास, जहाँ ज्वलनशील गैसों से भरे सिलेण्डर भरे जाते हैं, भण्डारण किए जाते हैं, या उनकी घरा उठाई की जाती है, कोई भी व्यक्ति कोई माचिस पकड़ या अन्य साधन, चिगारी उत्पन्न करने के लिए या बिस्फोट के लिए, अपने कब्जे में नहीं रखेगा।

#### 15. सामान्य पूर्वावधानियाँ :

- (1) बाल्वों और निनिश्चित अन्य फिटिंग सहित सिलेण्डर और इन नियमों के अधीन पहचान रंग हमेशा अच्छी हालत में रखे जाएँगे।
- (2) किसी बाल्व या सिलेण्डर की अन्य फिटिंग में कोई तेल या समान स्नेहक का प्रयोग नहीं किया जाएगा।
- (3) नियम 11 एवं 40 में जैसा उपबन्धित है उसे छोड़कर, किसी भी सिलेण्डर का उष्मोपचार नहीं किया जाएगा या उष्ण तापमान या धूप में नहीं रखा जाएगा या अन्य किसी ज्वलनशील या बिस्फोटक सामग्री के साथ उसका भण्डारण नहीं किया जाएगा।
- (4) संपीडित गैस से भरे प्रत्येक सिलेण्डर का बाल्व भली प्रकार बंद रखा जाएगा जिससे कि रिसन को रोका जा सके। द्रवित पेट्रोलियम गैस और अत्यन्त विषैली गैसों, जैसे बोरन, ट्राइक्लोराइड, कार्बन मोनो-फ्लोराइड, फ्लूओरिन, हाइड्रोजन क्लोराइड, साइनोजन क्लोराइड, क्लोरीन ट्राइफ्लोराइड, हाइड्रोजन साइनाइड, हाइड्रोजन फ्लोओराइड, हाइड्रोजन सल्फाइड, मिथिल बोमाइड, नाइट्रोजन टेट्राफ्लोराइड, क्लोरीन, अमोनिया या सल्फर डाइफ्लोराइड से भरे सिलेण्डरों में लगे बाल्व के निर्गम द्वार पर गैस के रिसन को रोकने के लिए सहायक साधन के रूप में कार्य करने के लिए सुरक्षा (सिक्युरिटी) नट लगा होगा।
- (5) यदि बाल्व से रिसन को, तर्जु (स्पिडल) के द्रधि (ब्लेंड) नट को ढकने से भी रोका न जा सके तो सिलेण्डर को ऐसे खुले स्थान में ले जाया जाएगा जहाँ जनजीवन व सम्पत्ति

को न्यूनतम खतरा ही तथा भरणकर्ता को रक्षित किया जाएगा।

#### 16. कुर्बटना से बचाव के लिए विशेष पूर्वावधानियाँ :—

- (1) किसी ऐसे स्थान में या उसके पास, जहाँ दाब के अधीन गैस का, सिलेण्डर में भण्डारण, घरा उठाई या परिवहन किया जाता है, कोई व्यक्ति ऐसा कोई कार्य नहीं करेगा या करने का प्रयत्न नहीं करेगा जिससे भाग लग सके या बिस्फोट हो सके।
- (2) संपीडित गैस सिलेण्डरों का भण्डारण करने वाला और ऐसे गैस सिलेण्डरों के भण्डारण, उताराई या घरा उठाई और परिवहन का प्रभारी या उसमें लगा हुआ प्रत्येक व्यक्ति सभी समर्थों पर—
- (क) इन नियमों के उपबन्धों का और उसके संबंध में किसी अनुज्ञप्ति की शर्तों का अनुपालन करेगा;
- (ख) भाग या बिस्फोट से कुर्बटना की रोकथाम के लिए सभी पूर्वावधानियाँ बरेगा; और
- (ग) उपनियम (1) में निश्चित कोई कार्य करने से हर व्यक्ति को निवारित करेगा।

#### 17. सक्षम, व्यक्ति ही संनिस्तवाओं के प्रभारी होंगे :

इन नियमों के अधीन मंजूर की गई अनुज्ञप्ति को धारण करने वाला या कार्य करने वाला प्रत्येक व्यक्ति, जब भी सिलेण्डर भरे जाते हैं, लादे जाते हैं, उतारे जाते हैं, उनकी परीक्षा या जांच की जाती है, इन नियमों के उपबन्धों के अनुसार किसी भी उक्त संक्रिया को देखने हेतु किसी सक्षम एवं अनुभवी व्यक्ति को उक्त संक्रियाओं के दौरान उपस्थित रहने और इन नियमों के उपबन्धों के अनुसार ऐसी संक्रियाओं का संचालन करने के लिए प्रतिनिवृत्त करेगा।

#### 18. घरा-उठाई व प्रयोग :

- (1) घरा-उठाई के दौरान सिलेण्डरों को पर्याप्ततः संभाला जाएगा।
- (2) सिलेण्डरों को हटाते समय यथा संभव पर्याप्त मजबूत ट्रायियाँ और जैकल का प्रयोग किया जाएगा।
- (3) सिलेण्डरों की घरा-उठाई सावधानी-पूर्वक की जाएगी और वे एक दूसरे पर गिरने नहीं दिए जाएँगे या अन्यथा उन्हें अनावश्यक धक्का नहीं लगने दिया जाएगा।
- (4) सिलेण्डरों को मरफाना, गिराना, उनसे खिलवाड़ करना प्रतिषिद्ध है।
- (5) द्रवित पेट्रोलियम गैस सिलेण्डर और द्रवणीय गैस से भरे सिलेण्डर हमेशा सीधे रखे जाएँगे और उन्हें इस प्रकार रखा जाएगा कि वे एक दूसरे पर न गिरें।
- (6) अनुप्रत्य रूप में प्रयुक्त सिलेण्डरों को इस प्रकार रखा जाएगा कि वे लुढ़कें नहीं।
- (7) वेल्डिंग, काटने और गर्म करने के समय प्रयोग में लाए जाने वाले सिलेण्डरों के निवाय, किसी भी सिलेण्डर के आसपास खुली लौ, प्रकाश, भाग जलाना, वेल्डिंग और धूम्रपान प्रतिषिद्ध है।
- (8) अनुज्ञप्ति के प्रयोजन के लिए कार्य स्थलों को भण्डारण स्थान के रूप में वर्गीकृत नहीं किया जाएगा।

#### 19. भरण पर निर्बंधन :

- (1) वेल्डित सिलेण्डर में कोई स्थायी उष्ण दाब द्रवणीय गैस या अत्यन्त विषाक्त गैसों, जैसे, बोरन, ट्राइक्लोराइड, कार्बोनील क्लोराइड, (फॉस्फीन), क्लोरीन ट्राइक्लोराइड, सायनोजन क्लोराइड, हाइड्रोजन सायनाइड, हाइड्रोजन क्लोराइड, हाइड्रोजन सल्फाइड नहीं भरी जाएगी।

- (2) कोई भी सिलेण्डर, जिसका प्रयोग एक बार कोयला गैस के भण्डारण और परिवहन के लिए किया जा चुका है, अन्य किसी गैस के लिए प्रयोग में नहीं लिया जाएगा।
- (3) किसी भी सिलेण्डर में ऐसी कोई गैस नहीं रहेगी जिसका रासायनिक तौर पर सिलेण्डर में संयोजन हो सकता है और इस प्रकार उसकी प्रयोग्यता में खतरा उत्पन्न हो सकता है।

#### 20. सिलेण्डरों का भण्डारण :

- (1) सिलेण्डरों का भण्डारण ठंडे, शुष्क, आन्ध्रादिन, भूनी प्रकार संवर्तित स्थलों में, बाधजनों, खुली ली, बाध्य पाइपों या किसी ताप के विभव उद्गम से दूर रखा जाएगा और ऐसे भण्डारण के स्थानों तक सरलता से जाया जा सके।
- (2) भण्डार-कक्ष और शेड, तापरोधी निर्माण होंगे।
- (3) पतली दीवार वाले सिलेण्डर, जैसे द्रवित पेट्रोसियम गैस सिलेण्डर और फ्लूइन गैस सिलेण्डर लिटा कर नहीं रखे जाएंगे।
- (4) ज्वलनशील और विषैली गैसों से भरे सिलेण्डर एक दूसरे से अलग रखे जायेंगे और अन्य प्रकार की गैसों वाले सिलेण्डरों से पर्याप्त दूरी पर या उपयुक्त विभाजक दीवार द्वारा अलग रखे जाएंगे।
- (5) सिलेण्डर ऐसी परिस्थितियों में नहीं रखे जाएंगे कि वे संक्षारित हो सकें।
- (6) सिलेण्डरों का वाह्य सामग्री के साथ भण्डारण नहीं किया जाएगा।
- (7) खाली सिलेण्डरों को भरे सिलेण्डरों से अलग रखा जाएगा और ध्यान यह रखा जाएगा कि सभी वास्तव कस कर बंद कर दिए जाएं।

#### 21. विद्युत अग्निप्रदापन :

सिलेण्डर में ज्वलनशील गैसों के भरण व भण्डारण के परिस्तरों में समस्त विद्युत मीटर वितरण बोर्ड, स्विच, फ्यूज प्लग और साकेट, विद्युत स्विचलैम्प, बुझाहूय हेड लैम्प और मीटरों, भारतीय मानक विनिर्देशों या मुख्य नियंत्रक द्वारा अनुमोदित अन्य विनिर्देशों के अनुरूप तथा ज्वालासह प्रकार के होंगे और उन्हें प्रभावी तौर पर भूसंपर्कित किया जाएगा।

#### 22. गैस की शुद्धता :

- (1) संपीड़ित गैस ऐसी प्रशुद्धताओं से मुक्त होगी जो सिलेण्डर की धातु को संक्षारित कर सकती है या जो उसके साथ विस्फोटक पदार्थ बना सकती है या जो गैसों को अपघटित या विस्फोटित कर सकती है।
- (2) गैस यथासंभव शुष्क रहेगी और जल द्रवित गैस को  $0^{\circ}$  सेंटीग्रेड तक ठंडा किया जाए तो जलीय प्रवस्था के अलग होने की कोई संभावना न हो।
- (3) किसी सिलेण्डर में गैस, जैसे कार्बन मोनोऑक्साइड, कोयला गैस, हाइड्रोजन या मिथेन, भरने के पूर्व गैस को हाइड्रोजन सल्फाइड और अन्य गंधशील प्रशुद्धियों से यथा साध्य मुक्त रखा जाएगा। गैस के सामान्य ताप और दाब पर आद्रता 0.02 घन ग्राम मीटर से कम होगी।

#### 23. अग्नि प्रभावित सिलेण्डर :

अग्नि प्रभावित सिलेण्डर का उपयोग तब तक नहीं किया जाएगा जब तक कि उसकी उचित परीक्षा और द्रवीय/द्रवस्थैतिक प्रतिबल की जांच न की हो गई हो। यदि यह डर है कि अग्नि के ताप क्रिया के कारण सामग्री में हानिकर संरचनात्मक परिवर्तन हो गए हैं, तो सिलेण्डर का अचित्त उद्घोषाचार किया जाएगा और उसके बाद सिलेण्डर का उपयोग में लाने के पूर्व, द्रवस्थैतिक जांच या द्रवस्थैतिक प्रतिबल जांच की जाएगी।

#### 24. सिलेण्डर का स्वाभित्त :

संपीड़ित गैस से भरे सिलेण्डर का परिवहन तब तक नहीं किया जाएगा जब तक कि उसे सिलेण्डर के स्वामी ने या उसकी सहमति से न भरा गया हो।

#### 25. सिलेण्डरों की पुनः-परीक्षण :

सिलेण्डरों की, जिसके नियतकालिक पुनःपरीक्षण का समय आ गया है, तब तक भरा नहीं जाएगा और उसका परिवहन नहीं किया जाएगा जब तक कि ऐसा पुनःपरीक्षण ठीक ढंग से नहीं कर लिया जाता।

#### 26. स्वामी का अभिलेख :

सिलेण्डर का स्वामी सिलेण्डर की प्राप्ति पर्याप्त प्रत्येक सिलेण्डर की भाषा निम्नलिखित जानकारी का अभिलेख रखेगा:—

- (1) सिलेण्डर के विनिर्माता का नाम और पूर्ण संज्ञा;
- (2) विनिर्देश संज्ञांक, जिसके अनुसार सिलेण्डर का विनिर्माण हुआ है;
- (3) मूल द्रवस्थैतिक जांच/द्रवस्थैतिक प्रतिबल जांच की तारीख;
- (4) सिलेण्डर विनिर्माता का जांच एवं निरीक्षण प्रमाणपत्र;
- (5) मुख्य नियंत्रक द्वारा अनुमत अनुमोदन पत्र का संज्ञांक और तारीख।

#### 27. सिलेण्डरों का कवास्तरण :

विशिष्ट गैस से भरे जाने के लिए अभिकल्पित और अनुमोदित गैस सिलेण्डर, किसी अन्य गैस के भरने के लिए उपयोग में तब तक नहीं लाए जाएंगे जब तक कि मुख्य नियंत्रक का विशेष अनुमोदन प्राप्त न कर लिया जाए।

#### अध्याय-3

#### सिलेण्डरों का आयात

#### भाग-I

#### साधारण

#### 28. गैस सिलेण्डरों के आयात के लिए अनुज्ञप्ति :

कोई भी व्यक्ति संपीड़ित गैस भरने या भरे जाने के लिए प्राप्त किसी सिलेण्डर का इन नियमों के अधीन अनुज्ञात अनुज्ञप्ति की शर्तों के अधीन और उनके अनुसार के विधाय आयात नहीं करेगा।

#### भाग-II

#### समुद्र मार्ग से आयात

#### 29. जलयान के मास्टर द्वारा या जलयान के अधिकर्ता द्वारा घोषणा :

- (1) भारत में आयात के लिए संपीड़ित गैसों से भरे सिलेण्डरों का यहन करने वाला प्रत्येक जलयान का मास्टर या ऐसे जलयान का अधिकर्ता, पत्तन पर उसके प्राप्तित आगमन से कम से कम 48 घंटे पूर्व पत्तन के संरक्षक को सूचना देगा।
- (2) ऐसे सिलेण्डरों का यहन करने वाले प्रत्येक जलयान का मास्टर किसी पत्तन में प्रवेश के पूर्व, स्व-हस्ताक्षरित एक लिखित घोषणा प्रारूप "क" में देगा :

परन्तु यदि ऐसे जलयान का अधिकर्ता उपनियम (1) में उल्लिखित स्व-हस्ताक्षरित लिखित घोषणा दे देता है तो जलयान के मास्टर द्वारा ऐसी घोषणा नहीं की जाएगी।

- (3) पाइलट उपनियम (2) के अधीन प्रदत्त प्रत्येक घोषणा, अखिल पत्तन के संरक्षक को सीप देगा और संरक्षक समस्त प्राप्त घोषणाएं पत्तन के सीमा शुल्क कलक्टर को यथाशीघ्र भेज देगा।

## 30. आयात के लिए अनुज्ञप्ति का पेश किया जाना :

प्रत्येक व्यक्ति जो, संपीड़ित गैस से भरे या भरने के लिए आशियत, सिलेण्डरों का आयात करना चाहता है, व्यक्तिगत तौर पर या अपने अधिकार के माध्यम से, सीमा शुल्क कलक्टर को ऐसे गैस सिलेण्डरों के आयात के लिये अपनी अनुज्ञप्ति पेश करेगा।

## 31. सीमा शुल्क कलक्टर की अनुज्ञा :

- (1) आयात किया गया सिलेण्डर, सीमा शुल्क कलक्टर की अनुज्ञा के बिना उतारा नहीं जाएगा।
- (2) यदि सीमा शुल्क अधिकारी का समाधान हो जाता है कि गैस सिलेण्डरों का विधितः आयात किया जा सकता है तो वह उसकी उतराई की अनुज्ञा प्रदान करेगा।
- (3) इस नियम की कोई बात सीमा शुल्क कलक्टर की, तत्समय प्रवृत्त किसी विधि के अधीन, गैस सिलेण्डरों को रोक रखने की शक्ति पर प्रभाव नहीं डालती है।

## भाग III

## भूमार्ग से आयात

## 32. भूमार्ग से आयात :

संपीड़ित गैस से भरे गैस सिलेण्डरों का भूमार्ग से आयात सभी किया जाएगा जब कि प्रत्येक मामले में केन्द्रीय सरकार ने पूर्ण मंजूरी दे दी हो और आयात ऐसी शर्तों तथा निबन्धनों के अधीन किया गया हो जो वह अधिरोपित करे।

## भाग IV

## वायुमार्ग से आयात

## 33. वायुमार्ग से आयात

संपीड़ित गैस से भरे सिलेण्डर का वायुमार्ग से आयात सभी किया जाएगा जब प्रत्येक मामले में, भारत के अन्तर्राष्ट्रीय विमान पत्तन प्राधिकरण ने पूर्ण मंजूरी दे दी हो।

## अध्याय—IV

## सिलेण्डरों का परिवहन

## 34. यात्रा द्वारा सिलेण्डरों का परिवहन :

- (1) किसी संपीड़ित गैस से भरे सिलेण्डर बायसिकल या अन्य दो पहियों वाले यांत्रिक यान द्वारा परिवहन नहीं किए जाएंगे।
- (2) सिलेण्डरों का इस प्रकार परिवहन किया जाएगा कि वे यानों के जिसमें उनका परिवहन किया जा रहा है, क्षितिज समतल में, पार्श्व या छोरों के बाहर न निकलें।
- (3) यान के अंदरी भाग में कोई तीव्र प्रक्षेप नहीं होगा।
- (4) सिलेण्डरों को यान में पर्याप्ततः सुरक्षित रूप में रखा जाएगा जिससे कि वे यान से न तो गिरें और न उनकी बुरी तरह चला उठाई हो, न उन्हें अत्यधिक धक्के लगें और न उन पर स्थायी प्रतिबल लगे।
- (5) यान में परिवहन किए जा रहे सिलेण्डर अवरुद्ध रखे जायेंगे या पीतल से ढाके जाएंगे और इस प्रकार सुरक्षित रखे जाएंगे कि इन्हें हिलने, एक दूसरे पर आघात करने या गिरने से बचाया जा सके।
- (6) संपीड़ित गैस से भरे सिलेण्डरों का परिवहन, ज्वलनशील या संशारक प्रकृति की किसी अन्य वस्तु के साथ नहीं किया जाएगा।

## 35. परिवहन पर निर्बंधन :

- (1) ज्वलनशील गैसों से भरे सिलेण्डरों का परिवहन, किसी अन्य प्रकार की संपीड़ित गैस से भरे सिलेण्डरों के साथ नहीं किया जाएगा।

- (2) विषैली और संशारक गैस से भरे सिलेण्डरों का परिवहन किसी बाह्य पार्श्व के साथ नहीं किया जाएगा।

## 36. परिवहन के लिए लंबाई और उतराई :

- (1) संपीड़ित गैस से भरे सिलेण्डरों की लंबाई या उतराई में कोई उत्पादन घुमक का प्रयोग नहीं किया जाएगा।
- (2) यदि ऐसे किसी कार्य को त्रेल या फांफू लिफ्ट ट्रक द्वारा किया जाता है तो खैन या तार-रस्सी स्विंगों का प्रयोग किया जाएगा।

## 37. परिवहन के दौरान बाह्यों की सुरक्षा :

- (1) परिवहन करते समय संपीड़ित गैस से भरे प्रत्येक सिलेण्डर का, बाल्व, उपनियम (2) और (3) में बताए गए अनुसार क्षति से बचाए जाएंगे किन्तु तब नहीं जब उन्हें पेटी में या क्रेट में सुरक्षित रूप में पैक कर दिया गया हो।
- (2) जहां सिलेण्डर को डिजाइन में सिलेण्डर की सतह से पूर्णतः नीचे बाल्व नहीं दिया गया है वहां मुख्य नियंत्रक द्वारा अनुमोदित धातु की एक मजबूत टोपी, धातु के ढक्कन या सुरक्षारमक धातु की रिंग या ग्रिल की व्यवस्था की जाएगी। डिजाइन इस प्रकार की होगी, कि टोपी या ढक्कन या रिंग या ग्रिल कहीं भी बाल्व या बाल्विंग के आसपास न हो।
- (3) जहां अत्यन्त विषैली गैसों से, जैसे हाइड्रोजन साइनाइड, फॉसजीन साइनाइड, साइनाइड क्लोराइड गैसों के सिवाय अन्य गैसों से भरे सिलेण्डरों से भिन्न सिलेण्डरों में धातु के ढक्कन या धातु टोपी की गई है, वहां उसमें ऐसे आकार के निकास की व्यवस्था की जाएगी कि जिससे टोपी या ढक्कन के अन्दर गैस-दाब को रोका जा सके।
- (4) अत्यन्त विषैली गैसों से, जैसे हाइड्रोजन साइनाइड, फॉसजीन, साइनाइड, साइनाइड क्लोराइड गैसों से, भरे सिलेण्डरों के बाल्व गैसरोधी धातु की टोपियों या ढक्कनों से सुरक्षित रखे जाएंगे।
- (5) चिकित्सीय प्रयोजनों के लिए 5 लिटरों से अधिक जल क्षमता वाले फ्रांसीजन या नाइट्रस ऑक्साइड से भरे सिलेण्डरों में उपनियम (1), (2) और (3) की कोई बात लागू नहीं होगी।

## 38. रिसने वाले सिलेण्डर :

- (1) कोई भी व्यक्ति रिसने वाले सिलेण्डर को न तो पेश करेगा, और न उसका परिवहन करेगा।
- (2) यदि ज्वलनशील या विषैली गैस से भरा सिलेण्डर, परिवहन के दौरान रिसने लगता है तो उसे तुरन्त ऐसे किसी भ्रमण वाले स्थान में ले जाया जाएगा जहां भ्रमण लग जाने की कोई संभावना न हो, और परिवहन के लिए जिम्मेदार व्यक्ति, यथास्थिति, सिलेण्डर भरने वाले या प्रेषक से सलाह के लिए संपर्क स्थापित करेगा।

## अध्याय 5

## सिलेण्डरों की परीक्षा और जांच

## 39. सिलेण्डरों की परीक्षा एवं जांच का आबर्तन :

- (1) कोई भी व्यक्ति, किसी सिलेण्डर में संपीड़ित गैस तब तक नहीं भरेगा जब तक कि भारतीय मानक संस्थान द्वारा जारी की गई संहिता में विनिर्दिष्ट या मुख्य नियंत्रक द्वारा लिखित रूप में अनुमोदित अवधि के भीतर सिलेण्डर की परीक्षा और यथास्थिति, त्रिवर्षीय जांच या त्रिवर्षीय वृद्धि जांच तथा इस अध्याय में दी गई अन्य जांच नहीं की जा चुकी है।
- (2) कोई भी जांच स्टेशन जो सिलेण्डरों की नियतकालिक जांच और परीक्षा करने के लिए मान्यता प्राप्त करना चाहता है, अनुसूची 4 में दी गई सुविधाओं की व्यवस्था करेगा।



## 40. जांच के लिए सिलेंडरों की दशा :

जांच के लिए सिलेंडरों को पहले खाली किया जाएगा। सिलेंडर की गैस की प्रकृति से सम्बद्ध खतरों को ध्यान में रखते हुए, सिलेंडर की अन्तर्वस्तु को सुरक्षित ढंग से खाली किया जाएगा। जिन सिलेंडरों में विषैली या हानिकर गैसें भरी हैं या जो उनसे संसृपित हो चुके हैं, उन्हें विशिष्ट प्रकार की गैस को संभालने के लिए उचित रूप से सज्जित और पर्याप्त: अनुभवी जांच स्टेशन ही खाली करेंगे।

## 41. द्रवस्थैतिक और द्रवस्थैतिक प्रतिबल जांच करने के पूर्व सिलेंडरों का निरीक्षण :

- (1) द्रवस्थैतिक और द्रवस्थैतिक प्रतिबल जांच करने के पूर्व प्रत्येक सिलेंडर को, वाष्पीय सफाई द्वारा या अनुमोचित विलायकों द्वारा भली प्रकार साफ किया जाएगा। यदि सिलेंडरों का आन्तरिक भाग जंग या अन्य बाहरी वस्तु से प्रभावित हो गया है तो उसे निम्नलिखित किसी एक ढंग से साफ किया जाएगा, अर्थात् :—

- (क) अनुमोचित स्कोटन, धूर्ण तार से ब्रश करना ;
- (ख) भट्टी में 300° सेंटीग्रेड से अनधिक तापमान पर, एक घंटे से अनधिक अवधि के लिए, पूर्णज्वलन उपचार जिसके पश्चात् निकले सभी जंग या बाहरी अव्य वस्तु को वाष्पीय सफाई या अनुमोचित विलायकों से धोकर हटा दिया जाएगा।

- (2) सफाई के बाद सिलेंडरों के मतही दोषों के लिए उनकी बाहरी और यथासाध्य आन्तरिक जांच भारतीय मानक संस्थान द्वारा जारी किए गए प्राचरण संहिता या मुख्य नियंत्रक द्वारा लिखित रूप में अनुमोचित संहिता के अनुसार की जाएगी।

## 42. द्रवस्थैतिक द्रवस्थैतिक वृद्धि जांच :

- (1) स्थायी गैसों, उच्च दाब द्रवणीय गैसों और समस्त संक्षारक गैसों के लिए उपयोग ले में लाए जाने वाले सिलेंडरों के लिए :

- (i) भा० मा० 5844 के अनुसार सिलेंडरों की द्रवस्थैतिक वृद्धि जांच की जाएगी। सिलेंडर में लगाया गया जांच दाब, कम से कम 30 सैकंड तक बनाया रखा जाएगा।
- (ii) जांच दाब लगाए जाने से सिलेंडर में हुई स्थायी वृद्धि में कमी निम्नलिखित सीमाओं से अधिक नहीं होगी, अर्थात् :—

- (क) असंक्षारक गैसों के लिए 20 जांच के दौरान हुई कुल वृद्धि का 10 लिटर से कम जल धारिता वाले प्रतिशत।

सिलेंडरों के मामले में।

- (ख) अन्य मामलों में— जांच के दौरान हुई कुल वृद्धि का 10 प्रतिशत या सिलेंडर के मूल आयतन का 1/5000वां भाग, इनमें से जो भी कम हो।

## (2) निम्नदाब असंक्षारक द्रवणीय गैसों वाले सिलेंडरों के लिए :

- (i) सिलेंडरों की भा० मा० 5844 के अनुसार नाम जैकट ढंग से द्रवस्थैतिक जांच की जाएगी किन्तु जांच के दौरान आयतनों, परिवर्तनों की माप आवश्यक नहीं है।

- (ii) जांच दाब कम से कम 30 सैकंड के लिए बनाए रखा जाएगा यदि ऐसी अवधि के दौरान दाब में किसी कमी का या किसी रिमन का या दृश्य उभार या

विकृति का पता लगता है तो उसे जांच में असफलता का मामला माना जाएगा।

- (3) जैसे ही जांच पूरी हो जाए, सिलेंडर को अन्दर से पूर्णतः शुष्क कर दिया जाएगा और गले के छोर पर ऐसे चिन्हों और अंकों की स्टाम्प लगा दी जाएगी जिससे जांच करने वाले व्यक्ति और जांच की तारीख का पता लग सके। जिस व्यक्ति के द्वारा जांच की जाएगी उसका कोई चिन्ह मुख्य नियंत्रक के पास रजिस्ट्रीकृत रहेगा।

## 43. सिलेंडरों को नष्ट करना :

- (1) यदि कोई सिलेंडर नियताकालिक परीक्षा या जांच में असफल हो जाता है या जिसका खाली वजन 5 प्रतिशत कम हो जाता है या जो किसी अन्य दोष के कारण उपयोग के लिए अनुपयुक्त पाई जाती है तो उसे चरटीकरण के द्वारा पुनः नष्ट कर दिया जाएगा या उसके इस ढंग से टुकड़े कर दिए जाएंगे कि टुकड़े की बैठ करके या अव्यया जोड़कर पुनः सिलेंडर न बनाया जा सके।
- (2) सिलेंडर नष्ट करने के पूर्व उसके सभी चिन्हांकन विकृत कर दिए जाएंगे।
- (3) ऐसे सिलेंडरों का इतिवृत्त बन्द कर दिया जाएगा और एक वर्ष के लिए अभिलेख में रखा जाएगा। ऐसे बंद किए गए इतिवृत्त काडों के विवरण को रिपोर्ट मुख्य नियंत्रक को लिखित रूप में प्रत्येक वर्ष जनवरी, अप्रैल, जुलाई और अक्टूबर की एक तारीख को भेजी जाएगी।
- (4) जिस सिलेंडर को किसी गैस के जनन से या भण्डारण, परिवहन और संपीड़ित गैस के उपयोग से, भिन्न किसी प्रयोजन के लिए उपयोग में लाया जाता है तो इन नियमों के अर्थ में उसे इस प्रकार प्रयोग के लिए नष्ट कर दिया गया और अनुपयुक्त समझा जाएगा।

## 44. जांच का अभिलेख :

किसी जांच स्टेशन पर, परीक्षण एवं जांच किए गए सिलेंडरों का पूरा अभिलेख रखा जाएगा जिसमें निम्नलिखित व्योरा दिया जाएगा, अर्थात् :—

- (क) सिलेंडर के विनिर्माता और स्वामी का नाम ;
- (ख) धूर्ण संख्यांक ;
- (ग) विनिर्देश जिसके अनुरूप सिलेंडर है ;
- (घ) मूल द्रवस्थैतिक/द्रवस्थैतिक वृद्धि जांच की तारीख ;
- (ङ) विनिर्माता द्वारा प्रस्तुत जांच रिपोर्ट और प्रमाणपत्र, यदि उपलब्ध हैं ;
- (च) जांच दाब ;
- (छ) उच्चतम कार्यकरण दाब ;
- (ज) जल धारिता ;
- (झ) खाली वजन ;
- (ञ) सिलेंडर पर अंकित खाली वजन में हुआ परिवर्तन, यदि कोई है और वास्तविक खाली वजन ;
- (ट) सिलेंडर गैल की दशा ;
- (ठ) गैस का नाम ;
- (ड) फिट किए गए वाल्व का प्रकार, और
- (ढ) टिप्पणी, यदि कोई है।

उपरोक्त व्योरों से प्रत्येक सिलेंडर का इतिवृत्त काड बनाया जाएगा और उसमें समय-समय पर होने वाले समस्त परिवर्तनों को दर्शाया जाएगा।

## अध्याय-6

## मिलीन एसिटिलीन गैस सिलेण्डर

## 45. वि० ए० सिलेण्डरों के लिए अतिरिक्त अपेक्षाएं :

मिलीन एसिटिलीन गैस सिलेण्डरों के संबंध में निम्नलिखित अतिरिक्त अपेक्षाओं की पूर्ति होनी चाहिए, यर्थात् :—

- (1) सिलेण्डर को जिसमें एसिटिलीन संपीड़ित की जाती है, संरंघ पदार्थ यथा संभव पूर्णतः भर दिया जाएगा ।
- (2) पदार्थ की संरंघता किसी भी मामले में 92 प्रतिशत से अधिक और 75 प्रतिशत से कम नहीं होगी ।
- (3) उपयोग में लाए जाने वाले किसी विलायक की एसिटिलीन गैस या संरंघ पदार्थ या सिलेण्डर की धातु से रासायनिक क्रिया संभव न हो ।
- (4) यदि एसिटिलीन विलायक के रूप में उपयोग में लाई जाती है तो वह भा० मा० 170 की अपेक्षाओं के अनुरूप होनी चाहिए । शील में गैस सहित एसिटिलीन की मात्रा इतनी होगी कि सिलेण्डर भा० मा० 7312 में विनिर्दिष्ट अतिरिक्त जांचों की अपेक्षाओं की पूर्ति करती हो ।

सिलेण्डर में भरी जाने वाली एसिटिलीन की अधिकतम मात्रा, संरंघ पदार्थ के संरंघता और सिलेण्डरों के आयतन की धारिता के अनुपात में निम्नलिखित रूप में होगी :—

संरंघता प्रतिशत	आयतन के हिसाब से सिलेण्डर की जल धारिता में अधिकतम एसिटिलीन अंश का प्रतिशत	
	9 लिटर से अधिक अंकित जल धारिता वाले सिलेण्डरों के लिए	9 लिटर से अधिक अंकित जल धारिता वाले सिलेण्डरों के लिए
75 से अधिक किन्तु 80 से कम	34.8	36.2
80 से अधिक किन्तु 83 से कम	37.1	38.6
83 से अधिक किन्तु 87 से कम	38.5	40.0
87 से अधिक किन्तु 90 से कम	38.5	42.0
90 से अधिक किन्तु 92 से कम	41.8	43.4

- (5) सिलेण्डर के वाल्वों के संघटकों में 80 प्रतिशत से अधिक तात्वा नहीं होगा ।
- (6) 15° सेंटीग्रेड के तापमान पर, सिलेण्डर में दाब 16 के० जी० एफ० / सें० मी०<sup>2</sup> से अधिक नहीं होगी ।
- (7) संरंघ पदार्थ के भरे जाने से पूर्व 60 के० जी० एफ० / सें० मी०<sup>2</sup> से अनुरूप के दाब पर प्रत्येक सिलेण्डर की जांच की जाएगी । इस दाब को 53 के० जी० एफ० / सें० मी०<sup>2</sup> तक हटाया जा सकता है, यदि सिलेण्डर में संलग्न प्लग लगा है । कोई भी सिलेण्डर, जो द्रवस्थैतिक वृद्धि की जांच के दौरान कुल वृद्धि के 7-1/2 प्रतिशत से अधिक स्थायी वृद्धि दर्शाता है, अनुज्ञात नहीं किया जाएगा ।
- (8) यदि सुरक्षा मोचन युक्तियां लगी हैं, तो वे 53 के० जी० एफ० / सें० मी०<sup>2</sup> से अनुरूप के दाब पर या 105° सेंटीग्रेड + 5° सेंटीग्रेड के तापमान पर प्रचालित होंगी ।
- (9) प्रत्येक सिलेण्डर पर या उस पर सोल्डर की गई पीतल की प्लेट पर विनिर्माता का नाम और "संरंघ पदार्थ में ठीक से

संपीड़ित एसिटिलीन" शब्द और निम्नलिखित चिह्नांकन स्थायी और सहजदृश्य रूप में चिह्नित किए जाएंगे, यर्थात् :—

- (क) विनिर्माताओं का क्रमांक तथा पहचान चिह्न ;
- (ख) मानक का संख्यांक ;
- (ग) जांच दाब ;
- (घ) द्रवस्थैतिक वृद्धि जांच की तारीख तथा जहां जांच की गई है उस स्थान का कोड चिह्न ;
- (ङ) संरंघ पदार्थ के भरण की तारीख ;
- (च) जल धारिता ;
- (छ) उष्मोपचार की प्रकृति को बराने वाला संकेत चिह्न ;
- (ज) संरंघ पदार्थ की पहचान ;
- (झ) खाली वजन ;
- (झ) निरीक्षक का शासकीय चिह्न ; और
- (ट) अधिकतम गैस धारिता ।

## 46. वि० ए० (डो० ए०) सिलेण्डरों के भरण पर निर्बंधन :

कोई भी व्यक्ति किसी सिलेण्डर में एसिटिलीन तब तक नहीं भरेगा जब तक कि उसके पास ऐसे सिलेण्डर का पूरा विवरण और पूर्व इतिवृत्त नहीं है और अन्यथा उसने अपने आपको इस बाबत आश्वस्त नहीं कर लिया है कि सिलेण्डर इन नियमों की अपेक्षाओं के अनुरूप है ।

## 47. वि० ए० (डो० ए०) सिलेण्डरों को भरने से पूर्व परीक्षा :

सिलेण्डर में एसिटिलीन भरने से पूर्व उसे देखकर उसकी पूर्णतः परीक्षा की जाएगी, किन्तु यह तब जब सिलेण्डर का इतिवृत्त यह दर्शाता है कि उसकी पिछले दो वर्षों में इस प्रकार की परीक्षा नहीं हुई है और उसी समय बाल्व हटा दिए जाएंगे और सिलेण्डर की ग्रीवा पर संरंघ पदार्थ की स्थिति सुनिश्चित की जाएगी । यदि सिलेण्डरों में शिथिल संरंघ पदार्थ भरा जाना है तो नियतकालिक परीक्षा की यह अवधि एक वर्ष होगी ।

## 48. एसिटिलीन के संपीड़न के लिए अनुज्ञापति :

मुख्य नियंत्रक द्वारा अनुज्ञापति परिसरों में ही एसिटिलीन का संपीड़न किया जाएगा ।

## 49. वि० ए० (डो० ए०) सिलेण्डरों का अभिलेख :

सिलेण्डरों में एसिटिलीन भरने वाली प्रत्येक फर्म अपने द्वारा भरे गए प्रत्येक सिलेण्डरों का अभिलेख रखेगी । अभिलेख में निम्नलिखित जानकारी होगी, यर्थात् :—

- (क) सिलेण्डर के प्रत्येक भरण की तारीख ;
- (ख) विलायक डाले जाने की तारीख ;
- (ग) वह तारीख जिसको नियम 47 में दिए अनुसार सिलेण्डर की पूर्णतः परीक्षा हुई है, ऐसी प्रत्येक परीक्षा के परिणाम और ऐसी परीक्षाएं करने वाले व्यक्ति का नाम और प्रथम बार फर्म द्वारा जारी किए गए सिलेण्डरों के मामले में, संरंघ पदार्थ और एसिटिलीन या अन्य विलायक सहित सिलेण्डर का टैपर वजन ; विलायक की प्रकृति और सिलेण्डर में अनुज्ञात अधिकतम दाब ।

अभिलेख मुख्य नियंत्रक और विस्फोटक नियंत्रक के निरीक्षण के लिए खुले रहेंगे ।

## 50. वि० ए० (डो० ए०) सिलेण्डरों पर लेबल लगाया :

नियम 10 के उपनियम (2) में दी गई दिशिक्षियों के अतिरिक्त प्रत्येक मिलीन एसिटिलीन सिलेण्डर पर एक चेंनावनी पत्र लगाया जाएगा जिसमें निम्नलिखित अतिरिक्त दिशिक्षियां दी जाएंगी, यर्थात् :—

- (क) वह तारीख जिसको सिलेण्डर में गैस अंतिम बार भरी गई है ; और]
- (ख) भरी गई गैस क. वजन ।

## अध्याय 7

## भरण और कब्जा

## 51. भरण और कब्जे के लिए अनुज्ञप्ति :

- (1) इन नियमों के अधीन अनुदत्त अनुज्ञप्ति के अधीन और उसकी शर्तों के अनुसार पर के सिवाय कोई व्यक्ति किसी सिलैण्डर में न तो संपीड़ित गैस भरेगा और न संपीड़ित गैस से भरा सिलैण्डर अपने कब्जे में रखेगा ।
- (2) अनुज्ञप्ति परिसरों में, सिलैण्डरों के भरण और कब्जे से संबंधित संक्रियाओं के लिए अनुज्ञप्तिधारी जिम्मेदार होगा ।

## 52. कुल मामलों में भरण और कब्जे के लिए अनुज्ञप्ति की आवश्यकता न होना :

नियम 51 में किसी बात के होते हुए भी, निम्नलिखित के लिए अनुज्ञप्ति आवश्यक नहीं होगी, अर्थात् :—

- (क) किसी प्रयोग या जांच या श्रमन के प्रयोजन के लिए एक सिलैण्डर से दूसरे सिलैण्डर में थोड़ी संपीड़ित गैस भरने के लिए ;
- (ख) इन नियमों के उपबन्धों के अनुसार बहन के प्रयोजन के लिए संपीड़ित गैस से भरे किसी सिलैण्डर को बाह्य या अन्य व्यक्ति द्वारा कब्जे में रखे जाने के लिए ;
- (ग) निम्नलिखित से भरे सिलैण्डरों को कब्जे में रखने के लिए अर्थात् :—
  - (1) द्रवित गैस, जब गैस की कुल मात्रा किसी एक समय में 100 कि० ग्रा० से अधिक नहीं है ;
  - (2) कोई अन्य ज्वलनशील किन्तु अविषैली गैस जब कि किसी एक समय में ऐसी गैस से भरे सिलैण्डरों की कुल संख्या 15 से अधिक नहीं है या गैस का कुल वजन 125 किलोग्राम से अधिक नहीं है, इनमें से जो भी कम है ;
  - (3) कोई अज्वलनशील अविषैली गैस, जब किसी एक समय में, ऐसे सिलैण्डरों की कुल संख्या 50 से अधिक नहीं है ;
  - (4) कोई विषैली गैस, जब ऐसे सिलैण्डरों की कुल संख्या किसी एक समय में 5 से अधिक नहीं है ।

## 53. भरण पर निबंधन :

कोई भी व्यक्ति किसी सिलैण्डर में कोई संपीड़ित गैस तब तक नहीं भरेगा जब तक कि सिलैण्डर और उसका बाह्य या अन्य फिटिंग—

- (क) नियम 3 के अनुसार अनुमोदित प्रकार और मानक की नहीं है और भरण के लिए मुख्य नियंत्रक द्वारा विनिर्दिष्ट अनुमोदित नहीं है ;
- (ख) नियम 41 और 42 में विनिर्दिष्ट परीक्षा एवं जांच में ठीक पाए गए हैं ;
- (ग) नियम 4, 5, 6, 7 और 8 के उपबन्धों के अनुरूप हैं ।

## 54. कार्यकरण बाब और भरण अनुपात :

- (1) स्थायी गैस से भरे किसी सिलैण्डर में कार्यकरण और आन्तरिक बाब, जांच बाब के दो तिहाई से अधिक नहीं होगा ।
- (2) द्रवणीय गैसों से भरे सिलैण्डर, था० मा० 3710 में विनिर्दिष्ट भरण अनुपात से अधिक नहीं भरे जाएंगे ।

## 55. अनुज्ञप्ति के लिए प्रस्तावित परिसर के विनिर्देशों और रेखाओं का पूर्वनिर्माण :

- (1) किसी संपीड़ित गैस को किसी सिलैण्डर में भरने और भण्डारण की अनुज्ञप्ति अभिप्राप्त करने का दृष्टिकोण प्रत्येक व्यक्ति मुख्य नियंत्रक को निम्नलिखित प्रस्तुत करेगा,—
  - (i) विनिर्देश और पैमाने पर खींचे गए रेखांक तीन प्रतियों में होंगे जिनमें निम्नलिखित बातों का स्पष्टतः उल्लेख किया जाएगा :—
    - (क) वह ढंग जिसमें इन नियमों में विहित उपबन्धों का पालन किया जाएगा ;
    - (ख) अनुज्ञप्ति के लिए प्रस्तावित परिसर, जिसका क्षेत्रफल रंग द्वारा या चिन्हांकन द्वारा स्पष्टतः दर्शाया जाएगा ;
    - (ग) जिन सुविधाओं के लिए अनुज्ञप्ति का प्रस्ताव है, उनके आसपास चारों ओर 100 मीटर क्षेत्र ।

- (ii) 50 रूपए संवीक्षा शुल्क, जो नियम 72 में विहित ढंग में संवत् की जाएगी ।

- (2) विनिर्देशों और रेखाओं की संवीक्षा करने के पश्चात् और ऐसी जांच करने के पश्चात् जैसी वह ठीक समझे, यदि मुख्य नियंत्रक का यह समाधान हो जाता है कि प्रस्तावित परिसरों में इन नियमों के उपबन्धों के अनुसार संपीड़ित गैस का भरण और भण्डारण किया जाएगा तो वह आवेदक को समस्त विनिर्देशों और रेखाओं की एक-एक प्रति हस्ताक्षर करके वापस कर देगा और अपनी मंजूरी ऐसी शर्तों पर जैसी कि वह विनिर्दिष्ट करे, सूचित करेगा ।

## 56. अनुज्ञप्ति अनुज्ञप्त करना :

अनुसूची 5 में विनिर्दिष्ट फीम संदत्त करने पर इन नियमों के अधीन मुख्य नियंत्रक अनुज्ञप्ति अनुदत्त कर सकेगा ।

## 57. अनुज्ञप्ति के लिए आवेदन :

इन नियमों के अधीन अनुज्ञप्ति अभिप्राप्त करने या नवीकरण का दृष्टिकोण प्रत्येक व्यक्ति मुख्य नियंत्रक को एक लिखित आवेदन—

- (क) यदि वह प्ररूप "ब" से सम्बन्धित अनुज्ञप्ति के लिए है, प्ररूप "ख" में देगा; और
- (ख) यदि वह प्ररूप "क" या प्ररूप "ग" से सम्बन्धित अनुज्ञप्ति के लिए है, प्ररूप "ग" में देगा ।

## 58. वह अवधि जिसके लिए अनुज्ञप्ति की जा सकती है या उतारना पुनः नवीकरण किया जा सकता है :

- (1) संपीड़ित गैस के भरण या भरण के लिए आशयिन सिलैण्डरों के आयात के लिए प्ररूप "घ" में अनुज्ञप्ति उतनी अवधि के लिए अनुदत्त की जा सकती है जो मुख्य नियंत्रक आवश्यक समझे किन्तु वह अवधि अधिक से अधिक एक वर्ष की होगी ।
- (2) संपीड़ित गैसों के भरण और भण्डारण के लिए क्रमशः प्ररूप "क" या प्ररूप "ख" में अनुज्ञप्ति, जो इन नियमों के अधीन अनुदत्त की जाए या नवीकृत की जाए, उस वर्ष के मार्च के इक्कीसवें दिन पर्यन्त प्रवृत्त रहेगी जिस वर्ष तक के लिए अनुज्ञप्ति अनुदत्त की गई है या नवीकृत की गई है, किन्तु ऐसी अवधि अधिक से अधिक तीन वर्ष की होगी ।
- (3) उपनियम (2) में किसी बात के होते हुए भी, जहां मुख्य नियंत्रक का यह समाधान हो जाता है कि अनुज्ञप्ति किसी विनिर्दिष्ट कार्य के लिए अपेक्षित है जिसके उस वर्ष के, जिस वर्ष तक के लिए अनुज्ञप्ति अनुदत्त की गई है, या नवीकृत

की गई है, 31 मार्च तक चलने की सम्भावना नहीं है, तो वह उतनी अवधि के लिए जितनी आवश्यक हो, अनुज्ञप्ति अनुवृत्त कर सकता है या नवीकृत कर सकता है।

#### 59. अनुज्ञप्ति की विनिर्दिष्टियाँ :

- (1) इन नियमों के अधीन अनुवृत्त प्रत्येक अनुज्ञप्ति, उसमें विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन होगी और उसमें वे सब विनिर्दिष्टियाँ होंगी जो इन नियमों के अधीन विनिर्दिष्ट प्ररूप में अपेक्षित है।
- (2) अनुज्ञप्त परिसर के लिए रेखांक या रेखांकों की एक प्रति, जिस पर अनुज्ञापन प्राधिकारी के अनुमोदन के प्रतीकस्वरूप उसके हस्ताक्षर होंगे, अनुज्ञप्ति के साथ संलग्न की जाएगी और वह ऐसी अनुज्ञप्ति का भागरूप होगी, और वैसे ही एक प्रति अनुज्ञापन प्राधिकारी के कार्यालय में अभिलेख के लिए फाइल की जाएगी।

#### 60. अनुज्ञप्ति परिसरों में फेरफार के लिए पूर्व अनुमोदन आवश्यक :

- (1) अनुज्ञप्त परिसरों में कोई फेरफार तब तक नहीं की जाएगी जब तक कि ऐसी फेरफार को दर्शित करने वाले रेखांक को अनुज्ञापन प्राधिकारी ने लिखित रूप में, अनुमोदित न कर दिया हो।
- (2) अनुज्ञप्त परिसरों में फेरफार करने का इच्छुक व्यक्ति अनुज्ञापन प्राधिकारी को,—
  - (i) अनुज्ञप्त परिसर के समुचित रूप से आरेखित रेखांक की तीन प्रतियाँ देगा, जिनमें कि प्रस्थापित फेरफार को धलंग रंग में दिखाया गया हो, तथा फेरफार के कारणों का उल्लेख किया गया हो।
  - (ii) संवीक्षा शुल्क की बाबत दस रुपए देगा जो नियम 72 में विहित ढंग से संदत्त किए जाएंगे।
- (3) यदि प्रस्थापित फेरफार दर्शाने वाले रेखांक की संवीक्षा करने के पश्चात् और ऐसी जाच करने के पश्चात् जैसी वह ठीक समझे, मुख्य नियंत्रक का यह समाधान हो जाता है कि प्रस्थापित फेरफार किए जा सकते हैं तो वह अनुज्ञप्तिधारी को रेखांक की एक प्रति हस्ताक्षर करके, वापिस कर देगा और उसे अपनी मंजूरी ऐसी शर्त या शर्तों के अधीन रखते हुए, जैसी वह विनिर्दिष्ट करे, सूचित करेगा।
- (4) जैसे ही मंजूर की गई फेरफार कर दी जाती है, अनुज्ञप्तिधारी अनुज्ञापन प्राधिकारी को अनुज्ञप्ति में संशोधन के लिए आवेदन करेगा।
- (5) मुख्य नियंत्रक द्वारा मंजूर की गई किसी अभिवृद्धि या फेरफार को तब तक, उपयोग में नहीं लाया जाएगा जब तक कि अनुज्ञप्तिधारी को सम्यक्तः संशोधित अनुज्ञप्ति प्राप्त नहीं हो जाती।

#### 61. अनुज्ञप्ति का संशोधन :

- (1) इन नियमों के अधीन अनुवृत्त की गई अनुज्ञप्ति मुख्य नियंत्रक द्वारा संशोधन की जा सकती है।
- (2) अनुज्ञप्ति में संशोधन के लिए फीस दस रुपए होगी तथा उसके अतिरिक्त उतनी रकम और देनी होगी जितनी कि अनुज्ञप्ति के लिए मूलतः संदत्त फीस से उस दशा में अधिक होती जब अनुज्ञप्ति मूलतः ही ऐसे संशोधित रूप में जारी की जाती।
- (3) अनुज्ञप्ति में संशोधन का इच्छुक अनुज्ञप्तिधारी मुख्य नियंत्रक को निम्नलिखित प्रस्तुत करेगा, अर्थात्:—
  - (i) यदि अनुज्ञप्ति संपीड़ित गैस सिलेंडरों के आयात के लिए अनुवृत्त की गई है तो प्ररूप "ग" में, और यदि

अनुज्ञप्ति सिलेंडरों में संपीड़ित गैस के भरण और भण्डारण के लिए अनुवृत्त की गई है तो प्ररूप "ग" में, सम्यक् रूप से भरा गया तथा हस्ताक्षरित एक आवेदन;

- (ii) संशोधन के लिए आशयित अनुज्ञप्ति और साथ ही उससे संलग्न अनुमोदित रेखांक;
- (iii) जहाँ अनुज्ञप्त परिसर में कोई फेरफार कर दिया गया है वहाँ नियम 60 के अधीन मुख्य नियंत्रक द्वारा मंजूर की गई फेरफार को दर्शित करने वाले समुचित रूप से आरेखित रेखांक की तीन प्रतियाँ;
- (iv) अनुज्ञप्ति में संशोधन के लिए, उपनियम (2) में यथा विनिर्दिष्ट फीस।

#### 62. अनुज्ञप्ति का नवीकरण :

- (1) अनुज्ञप्ति का नवीकरण मुख्य नियंत्रक द्वारा किया जा सकता है।
- (2) इन नियमों के अधीन प्ररूप "ड" और प्ररूप "ख" में अनुवृत्त की गई प्रत्येक अनुज्ञप्ति तीन वित्तीय वर्षों के लिए नवीकृत की जा सकती है किन्तु यह तब जबकि अधिनियम या उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबन्धों का या इस प्रकार नवीकृत अनुज्ञप्ति की किसी शर्त का कोई उल्लंघन नहीं हुआ है।
- (3) यदि कोई अनुज्ञप्ति, जो एक वर्ष से अधिक के लिए नवीकृत की गई है, ऐसी अवधि की समाप्ति के पूर्व अभ्यर्पित कर दी जाती है तो अनुज्ञप्ति की अनवसित अवधि के लिए संवत् नवीकरण फीस अनुज्ञप्तिधारी को वापिस कर दी जाएगी, परन्तु किसी ऐसे वित्तीय वर्ष के लिए नवीकरण फीस लौटाई नहीं जाएगी जिसके दौरान मुख्य नियंत्रक अभ्यर्पण के लिए नवीकृत अनुज्ञप्ति प्राप्त करता है।
- (4) अनुज्ञप्ति के नवीकरण के लिए प्रत्येक आवेदन के साथ वह अनुज्ञप्ति, जिसका नवीकरण होना है तथा अनुज्ञप्ति से संलग्न अनुमोदित रेखांक और नवीकरण फीस सम्बद्ध की जाएगी।
- (5) अनुज्ञप्ति के नवीकरण के लिए प्रत्येक आवेदन, इस प्रकार किया जाएगा कि यह अनुज्ञापन प्राधिकारी के पास उस तारीख से, जिसको वह समाप्त होनी है, कम से कम 30 दिन पूर्व पहुँच जाए और यदि आवेदन इस प्रकार किया जाता है तो अनुज्ञप्ति उस तारीख तक, प्रवृत्त रही समझी जाएगी जिसको मुख्य नियंत्रक अनुज्ञप्ति का नवीकरण करता है या आवेदक को यह सूचित किया जाता है कि अनुज्ञप्ति के नवीकरण से इन्कार कर दिया गया है।
- (6) यदि अनुज्ञप्ति के नवीकरण से इन्कार कर दिया जाता है तो नवीकरण के लिए संवत् फीस में से अनुपाततः उतनी फीस काटकर, जितनी कि उस तारीख से जिससे कि अनुज्ञप्ति नवीकृत की जाती थी, आरम्भ होने वाली और उस तारीख को जिसको अनुज्ञप्ति के नवीकरण से इन्कार किया जाता है, समाप्त होने वाली अवधि के लिए है, शेष फीस अनुज्ञप्तिधारी को वापिस कर दी जाएगी।
- (7) प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए अनुज्ञप्ति के नवीकरण के लिए उतनी ही फीस ली जाएगी जितनी कि उसके अनुवृत्त के लिए ली जाती है:

परन्तु—

- (i) यदि उपनियम (4) के अधीन अपेक्षित संलग्नकों के साथ आवेदन उपनियम (5) में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर प्राप्त नहीं होता है तो अनुज्ञप्ति साधारणतया

अ देय फीस से दुगुनी रकम का संशय करने पर ही नवीकृत की जाएगी;

- (ii) यदि मुख्य नियंत्रक को संलग्नकों सहित आवेदन, अनुज्ञप्ति की अवधि की समाप्ति की तारीख के पश्चात् किन्तु ऐसी तारीख से तीस दिन के भीतर प्राप्त हो जाता है तो अनुज्ञप्ति, किसी अन्य ऐसी कार्यवाई पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना जो इस निमित्त की जा सकती है साधारणतया देय फीस की दुगुनी रकम का संशय किए जाने पर नवीकृत की जा सकती है:

परन्तु यह और कि यदि एक बार में एक वित्तीय वर्ष से अधिक की अवधि के लिए अनुज्ञप्ति के नवीकरण के लिए आवेदन किया जाता है तो प्रथम परन्तुक के अधीन विहित फीस, यदि देय है तो, केवल नवीकरण के प्रथम वित्तीय वर्ष के लिए दी जाएगी।

- (8) यदि मुख्य नियंत्रक को, अनुज्ञप्ति के नवीकरण के लिए आवेदन उमकी समाप्ति से तीस दिन पश्चात् प्राप्त होता है तो अनुज्ञप्ति का नवीकरण नहीं किया जाएगा।

#### 63. अनुज्ञप्ति से इन्कार :

- (1) यदि मुख्य नियंत्रक अनुज्ञप्ति अनुदत्त करने, नवीकृत करने या अन्तरित करने या उसमें कोई संशोधन करने से इन्कार करता है तो वह ऐसे इन्कार के कारण लेखबद्ध करेगा।
- (2) ऐसे इन्कार के कारणों वाले आदेश का एक प्रति, आवेदक को नियम 72 में विहित ढंग से फीस के पांच रुपए संवत् किए जाने पर दी जाएगी।

#### 64. अनुज्ञप्ति का निलम्बन और रद्दकरण:

- (1) इन नियमों के अधीन अनुदत्त प्रत्येक अनुज्ञप्ति को, अधिनियम या उसके अधीन बनाए गए नियमों या ऐसी अनुज्ञप्ति की किसी शर्त के किसी उल्लंघन के कारण मुख्य नियंत्रक के आदेश से, या यदि किसी गमय अनुज्ञप्तिधारी के पास अनुज्ञप्ति का बना रहना आपत्तिजनक समझा जाता है तो केन्द्रीय सरकार के आदेश से निलम्बित या रद्द किया जा सकता है।

परन्तु—

- (i) इस नियम के अधीन किसी अनुज्ञप्ति को निलम्बित या रद्द करने से पूर्व अनुज्ञप्तिधारक को सुनवाई का अवसर दिया जाएगा;
- (ii) निलम्बन की अधिकतम अवधि तीन मास से अधिक नहीं होगी; और
- (iii) अनुज्ञप्ति निलम्बित हो जाने से अनुज्ञप्तिधारी, नियम 62 के उपबन्धों के अनुसार उसके नवीकरण के लिए आवेदन करने से विवाजित नहीं होगा।
- (2) उपनियम (1) में किसी बात के होने हुए भी, निम्नलिखित दशाओं में अनुज्ञप्तिधारी को उसकी अनुज्ञप्ति निलम्बित या रद्द करने से पूर्व सुनवाई का अवसर देना आवश्यक नहीं होगा, अर्थात्—
- (i) जहाँ अनुज्ञप्ति अधिनियम या इन नियमों के उपबन्धों में से किसी के या ऐसी अनुज्ञप्ति में सम्मिलित किन्हीं शर्तों के अतिक्रमण के कारण मुख्य नियंत्रक द्वारा अन्तरिम उपाय के रूप में, निलम्बित कर दी जाती है या इस कारण निलम्बित कर दी जाती है कि उसकी राय में ऐसे अतिक्रमण से जनता को आसन्न खतरा होने की सम्भावना है।

परन्तु यदि अनुज्ञप्ति इस प्रकार निलम्बित कर दी जाती है तो मुख्य नियंत्रक अनुज्ञप्तिधारक को निलम्बन का आदेश पुष्ट करने के पूर्व, सुनवाई का अवसर देगा;

- (ii) जहाँ अनुज्ञप्ति केन्द्रीय सरकार द्वारा इस कारण निलम्बित या रद्द की जाती है कि वह समझती है कि लोकहित में या राज्य की सुरक्षा के हित में ऐसा अवसर नहीं दिया जाना चाहिए।

- (3) उपनियम (1) के अधीन अनुज्ञप्ति को निलम्बित या रद्द करने वाला मुख्य नियंत्रक या केन्द्रीय सरकार ऐसा करने के कारणों का लेखबद्ध करेगी।

#### 65. अनुज्ञप्ति की समाप्ति, निलम्बन या रद्दकरण की दशा में प्रक्रिया :

संपीड़ित गैस के भरण या अणुकारण के लिए अनुज्ञप्ति व्यक्ति, ऐसी अनुज्ञप्ति की समाप्ति, निलम्बन या रद्दकरण की दशा में, मुख्य नियंत्रक को अपने कक्षाधीन संपीड़ित गैस के वर्ग और मात्रा की सूचना तुरन्त देगा और उन निदेशों का पालन करेगा जो मुख्य नियंत्रक उसके निपटारे के लिए दे।

#### 66. अपीलें :

- (1) अनुज्ञप्ति के अनुदान या संशोधन या उसके नवीकरण से इन्कार करने या अनुज्ञप्ति के रद्दकरण या निलम्बन के विरुद्ध अपील,—

(i) यदि आदेश मुख्य नियंत्रक ने पारित किया है तो केन्द्रीय सरकार को की जाएगी;

(ii) यदि आदेश विस्फोटक नियंत्रक ने पारित किया है तो मुख्य नियंत्रक को की जाएगी।

- (2) प्रत्येक अपील लिखित रूप में होगी और उसके साथ उस आदेश की एक प्रति होगी जिसके विरुद्ध अपील की जा रही है और यदि अपील केन्द्रीय सरकार को की जाती है तो ऐसे आदेश के पारित होने से साठ दिन के भीतर और सभी अन्य मामलों में तीस दिन के भीतर, पेण की जाएगी।

#### 67. अनुज्ञप्तिधारी की मृत्यु या निःशक्तता की दशा में प्रक्रिया :

- (1) यदि अनुज्ञप्तिधारी की मृत्यु हो जाती है या वह विवालिया हो जाता है या मानसिक रूप से असमर्थ हो जाता है या अन्यथा निःशक्त हो जाता है तो ऐसे अनुज्ञप्तिधारी का कारोबार चलाने वाला व्यक्ति उस अवधि के दौरान, जो उस व्यक्ति के लिए अपने नाम में उतनी अवधि के लिए जितनी कि उस वर्ष के सम्बन्ध में जिसमें कि अनुज्ञप्तिधारी की मृत्यु हो जाती है या वह विवालिया हो जाता है या मानसिक रूप से असमर्थ हो जाता है, नई अनुज्ञप्ति लेने के लिए, आवेदन करने के लिए, अनुज्ञा देने के लिए युक्तियुक्त रूप से अपेक्षित है, अनुज्ञप्तिधारी को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने के कारण अधिनियम या इन नियमों के अधीन किसी शास्ति का या अधिहरण का भागी नहीं होगा।

परन्तु इस उपनियम की कोई बात अनुज्ञप्ति की अवधि की समाप्ति के पश्चात् किसी व्यक्ति द्वारा इस उपनियम के अधीन किसी शक्ति का प्रयोग प्राधिकृत करने वाली नहीं समझी जाएगी।

- (2) मूल अनुज्ञप्ति की शेष अवधि के लिए, इन नियम के अधीन आवेदन करने वाले किसी व्यक्ति को अनुदान की गई अनुज्ञप्ति के लिए पांच रुपए फीस प्रभारित की जाएगी जो नियम 72 में विहित ढंग में संदत्त की जाएगी।



**68. अनुज्ञप्ति खो जाना :**

जहाँ इन नियमों के अधीन अनुदत्त अनुज्ञप्ति खो जाती है या दुर्घटना-वगन नष्ट हो जाती है वहाँ उस रेखांक या रेखाओं की, जो अनुज्ञप्ति से संलग्न किए गए रेखांक या रेखाओं के समरूप हैं, प्रतियाँ प्रस्तुत किए जाने पर और नियम 72 में विहित ढंग से दस रुपए फीस संदत्त किए जाने पर एक दूसरी प्रति अनुदत्त की जा सकती है।

**69. मांग की जाने पर अनुज्ञप्ति का पेश किया जाना :**

(1) इन नियमों के अधीन अनुदत्त अनुज्ञप्ति को धारण करने वाला या उसके अधीन कार्य करने वाला प्रत्येक व्यक्ति, नियम 77 में विनिर्दिष्ट किसी प्राधिकारी द्वारा मांग की जाने पर, उस स्थान पर, जिसे अनुज्ञप्ति लागू है, अनुज्ञप्ति अथवा उसकी प्राधिकृत प्रति पेश करेगा;

(2) इस नियम के प्रयोजन के लिए, किसी अनुज्ञप्ति की प्रतियाँ—  
(क) प्रत्येक प्राधिकृत प्रति के लिए नियम 72 में विहित ढंग में पांच रुपए फीस संदत्त कर दिए जाने पर,

(ख) अनुज्ञप्ति से संलग्न अनुमोदिन रेखांक या रेखाओं के समरूप रेखांक या रेखाओं की प्रति या प्रतियाँ पेश कर दी जाने पर,

उस प्राधिकारी द्वारा प्राधिकृत की जा सकती है जिसने कि अनुज्ञप्ति अनुदत्त की है।

**70. प्रतिसंघन की रिपोर्ट प्राप्त होने पर प्रक्रिया :**

यदि अधिनियम या इन नियमों के अतिरिक्त के सम्बन्ध में मुख्य नियंत्रक जिला प्राधिकारी को कोई रिपोर्ट करता है तो कोई जिला प्राधिकारी उस बाबत अपने द्वारा की गई कार्रवाई की जानकारी मुख्य नियंत्रक को देगा।

**71 प्राधिकारियों पर कार्यपालक नियंत्रण :**

इस अध्याय के अधीन कार्य करने वाला, केन्द्रीय सरकार से भिन्न प्रत्येक प्राधिकारी, अपने कर्तव्यों का निर्वहन केन्द्रीय सरकार के नियंत्रण के अधीन रहने हुए करेगा:

परन्तु इस नियम की कोई भी बात मुख्य नियंत्रक की अपने अधीनस्थ कर्मचारियों पर नियंत्रण रखने की कार्यपालक शक्ति पर प्रभाव डालने वाली नहीं समझी जाएगी।

**72. फीस का संशय :**

इन नियमों के अधीन वेय सभी फीसों का भुगतान, लेखा अधिकारी, भुगतान एवं लेखा कार्यालय, विस्फोटक विभाग, नागपुर के नाम पर ग्राह-रित (झा) किया हुआ किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक के मांग ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए और जहाँ वेय रकम 100 (एक सौ रुपए) से अधिक नहीं है वहाँ संशय नगद, धनादेश (मनीऑर्डर) पोस्टल ऑर्डर या स्थानीय बैंक पर ग्राह-रित (झा) चेक द्वारा किया जा सकता है।

**73. छूट देने की शक्ति :**

यदि मुख्य नियंत्रक का समाधान हो जाता है कि किसी सिलेण्डर या सिलेण्डरों के वर्ग या किसी प्रवहण पद्धति के सम्बन्ध में इन नियमों की किन्हीं भी अपेक्षाओं को निरापद रूप में निलम्बित या परिवर्तित किया जा सकता है तो वह ऐसी अवधि और ऐसी शर्तों के अधीन, जैसी वह ठीक समझे, इस प्रकार का निलम्बन या परिवर्तन प्राधिकृत कर सकता है। ऐसे किसी आवेग को किसी भी समय प्रतिसंहत किया जा सकता है।

**अध्याय 9****दुर्घटना और जांच****74. दुर्घटना और जांच की सूचना :**

(1) किसी दुर्घटना की सूचना, जो अधिनियम की धारा 8 की उपधारा (1) के अधीन दी जानी अपेक्षित है,—

(i) मुख्य नियंत्रक की दृष्ट तार द्वारा (तार की पता—विस्फोटक नागपुर) दी जाएगी और उसके चौबीस घंटे के भीतर घटना के घ्योरे की बाबत एक पत्र भेजा जाएगा; और

(ii) निकटतम पुलिस थाने के प्रभारी अधिकारी को शीघ्रतम रूप में दी जाएगी।

(2) मुख्य नियंत्रक या उसके प्रतिनिधि के आने तक या मुख्य नियंत्रक से यह अनुदेश मिलने तक कि वह आगे कोई अनुवेदन या जांच नहीं करना चाहता है, सभी ध्वस्त मामूली और मलबा, भिदाय उनके जिसका उठाया जाना ग्राहम व्यक्तियों के बचाव के लिए और दुर्घटना से मरने वाले किन्हीं व्यक्तियों के शव को निकालने के लिए, या रेसों की वण में, संचार व्यवस्था को पुनः स्थापित करने के लिए, आवश्यक है, उद्यों का य्यों छोड़ दिया जाएगा।

**75. दुर्घटना की जांच :**

(1) यदि अधिनियम की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन जिला मजिस्ट्रेट, पुलिस आयुक्त या जिला मजिस्ट्रेट का अधीनस्थ मजिस्ट्रेट (जिसे इसमें आगे मजिस्ट्रेट कहा गया है) कोई जांच करता है तो वह उसे तब तक के लिए स्थगित कर देगा जब तक कि मुख्य नियंत्रक या उसके द्वारा नामित अधिकारी कार्यवाही पर निगरानी रखने के लिए उपस्थित नहीं होता या मजिस्ट्रेट को मुख्य नियंत्रक से लिखित रूप में यह सूचना प्राप्त नहीं हो जाती कि वह प्रतिनिधि भेजना नहीं चाहता है।

(2) मजिस्ट्रेट स्थगित जांच को पुनः प्रारम्भ करने से कम से कम चौदह दिन पूर्व मुख्य नियंत्रक को स्थगित जांच के होने के समय व स्थान की लिखित सूचना देगा।

(3) जहाँ दुर्घटना में जनजीवन की क्षति हुई है, मजिस्ट्रेट उपनियम (1) के अधीन जांच स्थगित करने के पूर्व शवों की पहचान करने के लिए साक्ष्य ले सकता है तथा नजरबन्दी का आदेश दे सकता है।

(4) मुख्य नियंत्रक या उसका प्रतिनिधि, ऐसी किसी जांच में किसी साक्षी की परीक्षा कर सकेगा।

(5) मुख्य नियंत्रक या उसके द्वारा नामित अधिकारी मौजूद नहीं है, यदि जांच में ऐसी अपेक्षा का साक्ष्य दिया जाता है जिसके कारण या जिसके सहयोग से विस्फोट या दुर्घटना हुई है या किसी अधिष्ठापन या यान में या उसके आसपास या उसके सम्बन्ध में कोई ऐसी खराबी हुई है जिसका मजिस्ट्रेट या जूरी उपचार करना चाहता है तो मजिस्ट्रेट मुख्य नियंत्रक को ऐसी उपेक्षा या दोष की लिखित सूचना देगा।

**76. अधिक गंभीर दुर्घटनाओं की जांच :**

(1) यदि अधिनियम की धारा 9-क के अधीन कोई जांच की जाती है तो जांच करने वाले व्यक्ति, खुले न्यायालय में ऐसे दंग एवं ऐसी शर्तों के अधीन जांच करेंगे जो वे दुर्घटना के कारणों तथा परिस्थितियों का पता लगाने के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण समझे तथा इस नियम के अधीन रिपोर्ट देने में उन्हें समर्थ करें:

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार ऐसा निदेश दे तो जांच बन्द कमरे में की जा सकती है।

(2) जांच न्यायालय के समक्ष हाजिर होने वाले साक्षियों को ऐसा ध्याय अनुज्ञात किया जाएगा जो उस स्थान में, जहाँ जांच की जानी है, अधिकारिता रखने वाले उच्च न्यायालय के अधीनस्थ सिविल न्यायालय में हाजिर होने वाले साक्षी को अनुज्ञात

होता है और यदि अनुज्ञात रकम के सम्बन्ध में कोई विवाद उत्पन्न होता है तो प्रश्न स्थानीय मजिस्ट्रेट को निर्दिष्ट किया जाएगा, जो जांच अधिकारी द्वारा निवेदन किए जाने पर ऐसे खर्च की उचित रकम अधिनियमित करेगा और उसे प्रमाणित करेगा।

- (3) इस नियम के अधीन की गई जांच या अन्वेषण में या उसके सम्बन्ध में उपगत सभी व्यय भारतीय विस्फोटक अधिनियम, 1884 के निष्पादन के लिए विस्फोटक विभाग द्वारा किए गए व्यय का भाग समझा जाएगा।

#### अध्याय 10

#### शक्तियाँ

#### 77. निरीक्षण, तलाशी, अभिग्रहण, निरोध तथा हटाने की शक्तियाँ :

- (1) निम्नलिखित सारणी के प्रथम स्तम्भ में विनिर्दिष्ट कोई भी अधिकारी अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) में विनिर्दिष्ट शक्तियों का प्रयोग उन क्षेत्रों में कर सकता है जो उसी सारणी के दूसरे स्तम्भ में तत्स्थानी प्रविष्टियों में विनिर्दिष्ट हैं।

अधिकारी	क्षेत्र
1. मुख्य नियंत्रक, उपमुख्य नियंत्रक, नियंत्रक, उपनियंत्रक एवं विस्फोटक सहायक नियंत्रक	सम्पूर्ण भारत में
2. सभी जिला मजिस्ट्रेट	उनके अपने-अपने जिले में
3. जिला मजिस्ट्रेट के अधीनस्थ सभी मजिस्ट्रेट	उनकी अपनी-अपनी अधिकारिता में
4. पुलिस आयुक्त तथा निरीक्षक से अनिम्न पंक्ति के सभी पुलिस अधिकारी	उनके प्रेजिडेंसी नगरों या उनके उपनगरों में
5. उप निरीक्षक से अनिम्न पंक्ति के सभी पुलिस अधिकारी	संबन्धित क्षेत्र जिन पर उनका प्राधिकार है

परन्तु उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) के अधीन किसी मजिस्ट्रेट या पुलिस अधिकारी द्वारा हटाए जाने और नष्ट करने संघन्धी अधिकारों का प्रयोग मुख्य नियंत्रक, उपमुख्य नियंत्रक, नियंत्रक, उप-नियंत्रक या सहायक नियंत्रक, विस्फोटक के अनुदेशों के अधीन और उनके अनुसार के विना नहीं किया जाएगा।

- (2) उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट अधिकारियों को, यह मुनिश्चिन करने के लिए कि इन नियमों का सम्यक पालन हो रहा है, प्रत्येक सुविधा दी जाएगी।

#### अनुसूची-1

(नियम 3(1) देखें)

#### सिलेण्डरों और वाहनों के प्रातर और मानक

#### क. सिलेण्डर

#### 1. रास्ट्रियार्थ मूल:—

मैसर्स जोसेफ होजर आफ फ्रास्टिया द्वारा विनिर्मित सीवनहीन इस्पात सिलेण्डर यूरो वेरिटाज द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित विनिर्देश बी एस 399, बी एस : 400, बी एस : 1045 के अनुरूप, होम आफिस

“एस” और “टी”, डी ओ टी : 3 ए : 1800 और अधिक स्थायी गैसों के लिए और डी ओ टी : 3 ए ए : 1800 और अधिक तथा द्रवणीय गैसों के लिए बी एस : 401, बी एस : 1287, बी एस : 1288, डी ओ टी : 3 ए डी ओ टी : 3 ए ए।

#### 2. चेकोस्लोवाकियाई मूल :—

मैसर्स विट्कोविके जेलेजनों कलेमेन्टा कोहुवाल्डा आफ चेकोस्लोवाकिया द्वारा विनिर्मित सीवनहीन इस्पात सिलेण्डर, इस्पैक्टर प्रमा द्वारा निरीक्षित व प्रमाणित, स्थायी गैसों के लिए विनिर्देश बी एस : 399 के और द्रवणीय गैसों के लिए बी एस : 401, बी एस : 1287 और स्थायी उच्च दाब द्रवणीय गैसों के लिए इस्पात सहित सी एस एन विनिर्देश सी एस एन 13-1426 के अनुरूप और निम्न दाब द्रवणीय गैस के लिए इस्पात सहित 11-353.1 के अनुरूप।

#### 3. हंगेरियन मूल :—

सेफल स्टील एण्ड मेटल वर्क्स, बुडापेस्ट द्वारा विनिर्मित स्टील सिलेण्डर, बायलर कमिशनरी चीफ, ऑरिजिनी और तकनीकी ऊर्जा सुरक्षा के लिए शासकीय पर्यवेक्षण विभाग, बुडापेस्ट द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित, विनिर्देश एम एस जेड-2665-53 के अनुरूप, स्थायी और द्रवणीय गैसों के लिए क्रोम मिश्र धातु इस्पात के साथ, क्रोमियम : 135 के रूप में अभिहित नामित अर्धव्यास 200 मि०मी० न्यूनतम दीवाल की मोटाई 5 मि०मी० के साथ।

#### 4. भारतीय मूल

(क) श्री अंबिका सिलेण्डर मैन्युफैक्चरिंग कम्पनी ; अहमदाबाद, अप्पीजे स्ट्रक्चरल्स लिमिटेड, राजबंद, जिला बरवान (पश्चिमी बंगाल), भारत पंप्स एण्ड कम्प्रेसर्स लिमिटेड, नैनी, इलाहाबाद, गेनोन, डंकरली एण्ड कम्पनी लिमिटेड, मुम्बई, हिन्दुस्तान जनरल इंडस्ट्रीज लिमिटेड, मांगलोई, दिल्ली-41, हैदराबाद आलविन मेटल वर्क्स लिमिटेड, हैदराबाद, आयडीयल इंजीनियर्स, हैदराबाद प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद, इण्डियन गैस सिलेण्डर, फरीदाबाद, कोसन मेटल प्राइवेट प्राइवेट लिमिटेड, मुम्बई, माटिन बर्न प्राइवेट लिमिटेड, कलकत्ता द्वारा विनिर्मित बेल्डिड इस्पात सिलेण्डर—भा० मा० सं० या मुख्य नियंत्रक द्वारा अनु-मोदिन कोई अन्य युक्तियुक्त प्राधिकारी द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित निम्न दाब द्रवणीय गैस सेवा के लिए भा० मा० 3196, भा० मा० 7142, भा० मा० : 7180 और भा० मा० : 7681 के अनुरूप।

(ख) स्थायी और उच्च दाब द्रवणीय गैसों के लिए सीवनहीन मैंगनीज इस्पात सिलेण्डर भा० मा० : 7285 के अनुरूप तथा भारत पंप्स एण्ड कम्प्रेसर्स लिमिटेड, नैनी, इलाहाबाद द्वारा विनिर्मित—भा० मा० सं० द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित।

#### 5. इटालियन मूल

मैसर्स एक्सीरिया ई० ट्युविफिमिओं डाइबेस्किया द्वारा विनिर्मित इस्पात सिलेण्डर यूरो वेरिटाज द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित, स्थायी गैसों के लिए विनिर्देश डी ओ टी : 3 ए ए : 1800 और अधिक तथा द्रवणीय गैसों के लिए डी ओ टी : 3 ए ए के अनुरूप।

#### 6. जापानी मूल :

(क) मैसर्स शोवा कोटसु कोम्यो क० लिमिटेड द्वारा विनिर्मित इस्पात सिलेण्डर—कम्पनी के स्वयं के निरीक्षक या क० एच० क० या लायड के या यूरो वेरिटाज द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित—विनिर्देश डी० एस० : 399, बी एस : 400, बी एस : 1045 के अनुरूप होंम “एम” और “टी” स्थायी गैस के लिए डा ओ टी : 3 ए : 1800 और अधिक, डी ओ टी : 3 ए ए : 1800 और

अधिक, मंगनीज इस्पात से संबंधित, जे प्राय एस बी 8241—1968 और द्रवणीय गैसों के लिए बी एस : 401, बी एस : 1287, बी एस : 1288, डी ओ टी : 3 ए/डी ओ टी : 3 ए के अनुरूप।

(ख) मेसर्स सुमिकिन किफो कंपनी लिमिटेड। सुमिटोमो धातु इंडस्ट्रीज लिमिटेड या निहान कोटैस योकी द्वारा विनिर्मित इस्पात सिलेण्डर—के एच के या लायंड के या ब्यूरो बेरिटाज द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित। बी एस : 399, बी एस : 400, बी एस : 1045 विनिर्देशों के अनुरूप, गृह कार्यालय “एस” और “टी”, स्थायी गैसों के लिए डी ओ टी : 3 ए : 1800 और अधिक, डी ओ टी : 3 ए ए : 1800 और अधिक, मंगनीज इस्पात से सम्बन्धित से प्राय एस बी 8241—1968 और द्रवणीय गैसों के लिए बी एस : 401, बी एस : 1287, बी एस : 1288, डी ओ टी : 3 ए/डी ओ टी : 3 ए ए।

(ग) मेसर्स टाट शुका उच्च दाब गैस सिलेण्डर कम्पनी, टोकियो, जापान, कोटो कोटसु योकी विनिर्माण कम्पनी, लिमिटेड, जापान और टोकी उच्च दाब सिलेण्डर कंपनी लिमिटेड जापान द्वारा विनिर्मित इस्पात सिलेण्डर—के एच के या लायंड के या ब्यूरो बेरिटाज द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित। स्थायी गैसों के लिए विनिर्देश डी ओ टी : 3 ए : 1800 और अधिक और डी ओ टी : 3 ए ए : 1800 और अधिक द्रवणीय गैसों के लिए डी ओ टी : 3 ए/डी ओ टी : 3 ए ए के अनुरूप।

#### 7. पोलिश मूल:

मेसर्स हुटा मिलोवाइस प्राफ पोलेण्ड द्वारा पी एन : 69222 के अनुसार विनिर्मित इस्पात सिलेण्डर—विनिर्देश बी एस : 1045 की आवश्यकताओं की पूर्ति करने वाला, स्थायी गैसों के लिए पोलिश सरकार निरीक्षण प्राधिकारी द्वारा निरीक्षित व प्रमाणित और बी एस एस : 1288 के अनुरूप और द्रवणीय गैसों के लिए ब्यूरो बेरिटाज द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित।

#### 8. जर्सी मूल:

सं सो० सो० ग० (यू० एस० एस० प्रार०) में अनुमोचित विनिर्माताओं द्वारा विनिर्मित इस्पात सिलेण्डर—योग्य प्राधिकारी द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित, स्थायी और द्रवणीय के लिए विनिर्देश जी ओ एस टी : 947—57 और जी ओ एस टी : 949—73 के अनुरूप।

#### 9. ब्रिटिश मूल:

(क) मेसर्स चेस्टर फील्ड ट्यूब कम्पनी लिमिटेड प्राफ यू० के० द्वारा विनिर्मित इस्पात सिलेण्डर—कम्पनी के स्वयं के या लायंड के निरीक्षण द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित, स्थायी गैसों के लिए विनिर्देश बी एस एस : 399, बी एस : 400, बी एस : 1045 के अनुरूप, गृह कार्यालय “एस” और “टी” और द्रवणीय गैसों के लिए बी एस : 401, बी एस : 1287, बी एस : 1288 के अनुरूप।

(ख) मेसर्स लुक्जफर लिमिटेड द्वारा एलुमिनियम मिश्र धातु सिलेण्डर नेशनल बुल्कन इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज ग्रुप लिमिटेड द्वारा निरीक्षित प्रमाणित, आरेखण सं० 102017/जे ए डी 1591, 102034/जेड ए डी 583, 152048/जेड ए डी 585, 152068/जेड ए डी 586 और 176012/जेड ए डी 2038 के अनुसार एच ओ ए एटम-3 विनिर्देशों के अनुरूप।

#### 10. अमेरिकन मूल:

अमेरिका में विनिर्मित इस्पात सिलेण्डर—योग्य प्राधिकारी द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित, स्थायी और द्रवणीय गैसों के लिए विनिर्देश डी ओ टी : 3 ए. 3 ए ए के अनुरूप।

#### 11. पश्चिम जर्मनी मूल:

पश्चिम जर्मनी के मेन्सेसमेन द्वारा विनिर्मित इस्पात सिलेण्डर—लायंड या ब्यूरो बेरिटाज द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित। स्थायी गैसों के लिए विनिर्देश बी एस : 1045, गृह कार्यालय “एस” और “टी” और द्रवणीय गैसों के लिए बी एस : 401, बी एस : 1287, बी एस : 1288 के अनुरूप।

#### 12. यूगोस्लाविया मूल:

स्लावोस्की पाटिजन, स्लावोस्की ब्राड प्राफ यूगोस्लाविया द्वारा विनिर्मित इस्पात सिलेण्डर—यूगोस्लावियाई राज्य प्राधिकारी यथा-वाष्प बायजर निरीक्षण प्राधिकारी या लायंड द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित स्थायी गैसों के लिए विनिर्देश : 1045 और द्रवणीय गैसों के लिए बी एस : 401, बी एस : 1287, बी एस : 1281 और स्थायी तथा उच्च दाब द्रवणीय गैसों के लिए डी जी बी ओ डी प्राय एन 4664 के अनुरूप।

#### ख. कन्टेनर

##### 1. भारतीय मूल:

(क) बी एस : 1500 के अनुरूप क्लोरीन टन कन्टेनर भाग 1 : श्रेणी 1 पात्र, मेसर्स अम्बिका सिलेण्डर मैन्युफैक्चरिंग (विनिर्माण) कम्पनी लिमिटेड, अहमदाबाद, भारत इंडी प्लेट्स डीजल्स लिमिटेड (भारत भारी प्लेट पात्र लिमिटेड) बिशाखापट्टनम, भारतीय शास्कर एवं सामान्य इंजीनियरिंग निगम, यमुनानगर (हरयाणा), कावेरी स्ट्रक्चरल्स (संरचनाएं), तिरुचुराप्ली, तारसन एण्ड ट्यूबरो लिमिटेड, साकी बिहार रोड, मुम्बई द्वारा विनिर्मित।

(ख) निम्न दाब द्रवणीय गैस सेवा के लिए टन कन्टेनर, बी एस : 1500 : भाग 1 : अर्प 1 पात्र के अनुरूप मेसर्स सेन्ट्रल इण्डिया मशीनरी मैन्युफैक्चरिंग कम्पनी (केन्द्रीय भारत मशीनरी विनिर्माण कम्पनी) द्वारा विनिर्मित—ब्यूरो बेरिटाज द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित।

(ग) निम्न दाब द्रवणीय गैस सेवा के लिए टन कन्टेनर, बी एस : 1515 के अनुरूप सर्वश्री लारसन तथा ट्यूबरो लिमिटेड, साकी बिहार रोड, मुम्बई द्वारा विनिर्मित और लायंड द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित।

##### 2. जापानी मूल:

सेवा कोटास कोयो कम्पनी लिमिटेड द्वारा विनिर्मित क्लोरीन टन कन्टेनर बी एस : 1500 के अनुरूप—कम्पनी के निजी निरीक्षकों या के० एच० के० या लायंड या ब्यूरो बेरिटाज द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित।

##### 3. ब्रिटेन मूल:

1968 के अनुरूप थॉम थम्पसन हामली ब्रिज लिमिटेड द्वारा विनिर्मित क्लोरीन टन कन्टेनर बी एस 1515 भाग 1 :—ऑसीन एक्सिडेंट एण्ड गारंटी कार्पोरेशन लिमिटेड (महात्मबुद्ध बुधटना एवं गारंटी निगम लिमिटेड) द्वारा निरीक्षित एवं प्रमाणित।

##### 4. अमरीकी मूल:

कोलंबियाना बायजर कम्पनी द्वारा विनिर्मित क्लोरीन टन कन्टेनर, डी ओ टी : 108 ए : 500 एक्स के अनुरूप—अमेरिका में उचित प्राधिकारी द्वारा निरीक्षित एवं प्रमाणित।

##### ग. बिलीन एसिटिवोन गैस सिलेण्डर:

##### 1. आस्ट्रियाई मूल:

मेसर्स जाम हीजर वरमस्स जे० बिन्टर्स सोह० आस्ट्रिया द्वारा बी एस : 401 विनिर्देश के अनुसार विनिर्मित और कायन्स 90-92 प्रतिगत संरक्ष पदार्थ ऐसे भारी हुई—ब्यूरो बेरिटाज द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित।

## 2. जापानी मूल :

मैगस कांटो कोट्मू योकी मेन्सुफैक्चरिंग (बिनिमिण) कम्पनी लिमिटेड और जापान कोयने सिलेण्डर कम्पनी द्वारा प्रायः एस० (भा० मा०) 7312 : 1974 के अनुसार विनिर्मित—90-92 प्रतिशत संरंघना के मोनोलिथिक संरंघ पदार्थ से भरा हुआ ब्यूरो बेरिटाज द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित।

## 3. भारतीय मूल:

भारत पम्प एण्ड कम्प्रेसर्स लिमिटेड (भारत पंप एवं संपीड़ित लिमिटेड) द्वारा प्रायः एस० (भा० मा०) : 7312 विनिर्देश पर विनिर्मित 90—92 प्रतिशत संरंघना के मोनोलिथिक संरंघ पदार्थ से भरा हुआ प्रायः एस० प्रायः द्वारा निरीक्षित एवं प्रमाणित।

## 4. इटालियन मूल:

मैसंस एक्सीरिया इ० द्यूबिफिमिओं हाइब्रेमक्रिया, इटली द्वारा विनिर्देश प्रायः सी० सी० : 8 के अनुसार विनिर्मित ; ग्रीवा चूड़ी बी एस : 341 के अनुरूप की 900 पी० एम० ब्राइड जी० के दाब से अन्यून दाब पर जांच की जाएगी और 90—92 प्रतिशत संरंघना वाले मिश्रिका मिनेटेक्स संरंघ मात्रा से भरी जाएगी और ब्यूरो बेरिटाज द्वारा प्रमाणित की जाएगी।

## 5. ब्रिटेन मूल:

डिजाइन सं० डी ए० 759 और विनिर्देश सं० डी ए 2 ए० के अनुसार ब्रिटेन में विनिर्मित सिलेण्डर, उचित संरंघ पदार्थ से भरे हुए ब्रिटेन फ्रांसीजन कम्पनी लिमिटेड, यू० के० द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित।

## 6. अमेरिकी मूल:

प्रेमर स्टील टैंक कम्पनी और कोयने इंटरनेशनल द्वारा विनिर्देश प्रायः सी० सी० : 8 के अनुसार ग्रीवा चूड़ी वाले बी एस : 341 के अनुरूप विनिर्मित सिलेण्डर—900 पी० एम० प्रायः जी० से अन्यून दाब पर भरा हुआ और कोयने 90—92 प्रतिशत मोनोलिथिक संरंघ पदार्थ से भरा हुआ—अमेरिका में उचित प्राधिकारी द्वारा निरीक्षित।

## 7. यूगोस्लावियाई मूल:

स्लावोन्स्को पाटिजन, स्लावोन्स्की ब्राड आफ यूगोस्लाविया द्वारा बी० एस० 401 द्वारा विनिर्मित और 92 प्रतिशत मोनोलिथिक संरंघ मात्रा के मोनोलिथिक संरंघ पदार्थ से भरे हुए, लायड द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित।

## ख. बाल्व

भा०मा० : 3224 के अनुरूप सिलेण्डर भारत में निम्नलिखित अनुमोदित विनिर्माताओं द्वारा विनिर्मित और भा०मा० सं० या मुख्य नियंत्रक द्वारा अनुमोदित उपयुक्त प्राधिकारी द्वारा निरीक्षित और प्रमाणित :

1	2
गेनान इंकरली एण्ड कम्पनी, बम्बई	द्रवणीय पेट्रोलियम गैस सिलेण्डर बाल्व,
भारतीय फ्रांसीजन लिमिटेड, कलकत्ता	उष्ण दाब गैस सिलेण्डर एसिटिलीन और द्रवणीय पेट्रोलियम गैस सिलेण्डर के लिये बाल्व,
कोसन मेटल प्राइवेट प्राइवेट लिमिटेड, बम्बई	द्रवणीय पेट्रोलियम गैस सिलेण्डर बाल्व,
मार्टिन बर्न लिमिटेड, कलकत्ता	द्रवित पेट्रोलियम गैस, सिलेण्डर बाल्व,
रमणीकलाल जीवन लाल किनारी बाला एण्ड कम्पनी, अहमदाबाद	क्लोरीन/अमोनिया सिलेण्डर बाल्व,
टैकनी बाल्व, कलकत्ता	क्लोरीन, अमोनिया, फिओन सल्फर डाईब्रक्माईड सिलेण्डर बाल्व और कन्टेनर के लिये संगलनीय प्लाज

1	2
वेनाज इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड, बम्बई	द्रवणीय पेट्रोलियम गैस/एसिटिलीन अमोनिया/आरगन/ब्यूटलीन/कार्बन डाईब्रक्माईड/क्लोरीन/इथिल क्लोराईड/इथीलिन/इथर लिन ब्रक्माईड/हाइड्रोजन मेप्रान/मिथिल ब्रोमाईड नाइट्रोजन/नाइट्रस ब्रक्माईड फ्लोरा कार्बन सिलेण्डर बाल्व

## अनुसूची-2

[नियम 3(2) देखें]

(क) अनुमोदित डिजाइन और विनिर्देश अथवा संकेत के अनुसार विनिर्मित सिलेण्डरों के संबंध में निरीक्षण प्राधिकारी से प्राप्त किए जाने वाले जांच और निरीक्षण प्रमाणपत्रों में निम्नलिखित विवरण रहेगा, अर्थात् :

1. निरीक्षण का स्थान और तारीख
2. . . . . गैस के लिये गैस सिलेण्डर
3. . . . . द्वारा विनिर्मित
4. . . . . में अवस्थित
5. . . . . के लिये विनिर्मित
6. . . . . में अवस्थित
7. मात्रा . . . . .
8. क्रमांक संख्या . . . . . से . . . . . तक
9. विनिर्देश जिनके अनुसार सिलेण्डर विनिर्मित किए गए हैं।
10. आकार . . . . . मि०मी० बाहरी व्यास मि०मी० . . . . . लंबी।
11. न्यूनतम दीक्षा की मोटाई . . . . .
12. . . . . विनिर्देश के अनुसार ग्रीवान्त चूड़ी
13. विनिर्माण की प्रक्रिया (स्पन प्रकार का या बिल्ट संवेधित या वेल्डिंग)
14. उष्मोपचार की रीति (सामा-धीकृत/गमि/टेम्पर/इत्यादि)
15. यथास्थिति, 15° सेंटीग्रेड या 65° सेंटीग्रेड पर कि०ग्रा०/से०मी०<sup>2</sup> में डिजाइन कार्यकरण दाब।
16. द्रवस्थैतिक जांच/द्रवस्थैतिक वृद्धि जांच दाब कि०ग्रा०/से०मी०<sup>2</sup>।
17. प्रत्येक सिलेण्डर के संबंध में द्रवस्थैतिक जांच/द्रवस्थैतिक वृद्धि जांच, जांच की तारीख महित
18. वार्षिक जांच दाब कि०ग्रा०/से०मी०<sup>2</sup> में।
19. वार्षिक जांच का परिणाम
20. प्रत्येक सिलेण्डर का खाली (टैयर) वजन और पानी की क्षमता।
21. सिलेण्डर के विनिर्माण में प्रयोग में लाए गए इस्पात के रासायनिक विश्लेषण और भौतिक गुण धर्म का अभिलेख।
22. विनिर्माता का पहचान चिह्न।
23. निरीक्षक का चिह्न।
24. सिलेण्डर के सोलडर पर लगाए गए चिह्न
25. निरीक्षण प्राधिकारी की मोहर तथा तारीख सहित हस्ताक्षर।

(ख) अनुमोदित डिजाइन और विनिर्देश अथवा संकेत के अनुसार विनिर्मित बाल्वों के संबंध में निरीक्षण प्राधिकारी से प्राप्त किए जाने वाले जांच और निरीक्षण प्रमाणपत्रों में निम्नलिखित विवरण रहेगा, अर्थात् :—

1. . . . . द्वारा विनिर्मित
2. . . . . में अवस्थित
3. . . . . के लिये विनिर्मित
4. . . . . में अवस्थित
5. मात्रा . . . . .
6. विनिर्देश . . . . .

## 7. निरीक्षण के परिणाम

- (क) बाल्व प्रवेश संबंधन
- (ख) बाल्व निर्गम संबंधन
- (ग) बाल्व निर्गम संख्यांक
- (घ) द्रवचालित दाब जांच
- (ङ) वातीय प्रूफ जांच
- (च) तनन सामर्थ्य
- (छ) दैर्घ्य वृद्धि प्रतिशत
- (ज) संघट्ट सामर्थ्य
- (झ) निरीक्षण के लिये प्रस्तुत मात्रा
- (ञ) स्वीकार की गई मात्रा
- (ट) अस्वीकार की गई मात्रा और अस्वीकृति के कारण
- (ठ) मिलेण्डरों की संख्या।

## 8. निरीक्षण प्राधिकारी के मोहर तथा तारीख सहित हस्ताक्षर।

## अनुसूची-3

[नियम 3(3) देखें]

सिलेण्डरों, बाल्वों और अन्य फिटिंगों को बनाने के इच्छुक व्यक्ति द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली विनिर्दिष्टियां

1. आवेदक का नाम और पूरा पता
2. क्या आवेदक ने किसी अनफायर्ड दाब बेसल बाल्व का विनिर्माण किया है, यदि हां तो, —
  - (1) तारीख जिससे ऐसे पात्र / बाल्वों का विनिर्माण किया गया
  - (2) किन्तु लिये दाब पात्र / बाल्वों का संश्लेषण हुआ और उनकी मशिकट सं०
  - (3) विनिर्मित दाब पात्र/बाल्वों का विवरण।
3. दाब पात्र/बाल्वों के विनिर्माण के लिये स्वीकृत किये जाने के लिए प्रतिस्थापित विनिर्देश/संकेत।
4. दाब पात्र/बाल्वों के विनिर्माण में लगे कामिकों की अर्हताओं और अनुभव को दृष्टि में रखते हुए आवेदक का संगठन ढांचा।
5. आवेदक द्वारा नियुक्त निरीक्षण कामिक का संगठन ढांचा।
6. कच्चे माल से प्रारम्भ कर तैयार पात्र/बाल्वों तक दाब पात्रों/बाल्वों के विनिर्माण की प्रक्रिया।
7. दाब पात्रों/बाल्वों के विनिर्माण के प्रत्येक सोपान पर की गई क्वालिटी नियंत्रण जांच / परीक्षण।
8. (1) रासायनिक विश्लेषण और यांत्रिक जांच के लिये अधिष्ठापित उपस्करों का व्योरा
- (2) जांच/परीक्षण के लिये दी गई टीम प्लेट/गैजों का व्योरा
- (3) परीक्षण और जांच उपस्कर की जांच करने के लिये उठाए गए कदम तथा ऐसी जांच की प्राप्ति।
9. अविश्वसनीय परीक्षा, जैसे, रेडियोग्राफी, गामा किरण, पराश्रव्य जांच इत्यादि के लिये उपलब्ध उपस्कर।
10. दाब पात्र/बाल्वों के विनिर्माण के लिये दिए गए यंत्रों की सूची।
11. स्वतन्त्र निरीक्षण प्राधिकारी का नाम तथा पता।
12. जांचों के अभिलेख तथा प्रमाणपत्र :
  - (1) निरीक्षण और प्रमाणन संगठन द्वारा की गई विभिन्न जांचों के अभिलेख का प्रोफार्मा; और
  - (2) स्वतन्त्र निरीक्षण प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए जांच और निरीक्षण प्रमाणपत्र का प्रोफार्मा।

## अनुसूची-4

[नियम 39(2) देखें]

सिलेण्डर जांच स्टेशनों के लिए अपेक्षित सुविधाएं

## 1. प्रबंध :

## 1.1. साधारण अपेक्षाएं :—

कामिक, उपस्कर, निरीक्षण प्रक्रिया अभिलेखन और संगठन पर्याप्त होंगे और परीक्षण स्टेशन को समत निरापद प्रचालन स्थितियों में प्रचालित किया जाएगा। प्रक्रिया और परीक्षण द्वारा यह सुनिश्चित किया जाएगा कि जो सिलेण्डर इन नियमों की अपेक्षाओं और उद्देश्यों की पूर्ति नहीं करते हैं, वे सामान्य सेवा के काम में वापिस न किए जाएं। समस्त कामिक अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी को समझेंगे और किसी भी कारणवश न्यूनतम निरीक्षण अपेक्षाओं में कमी नहीं आने दी जाएगी।

टिप्पण :—

जिम्मेदारी का क्षेत्र नीचे दशित विभिन्न तीन भागों में बांटा जाएगा। नियुक्त किए जाने वाले कामिकों की संख्या काम की मात्रा पर आधारित होगी।

## 1.2. प्रबंधक :—

परीक्षण स्टेशन के काम के लिए उच्चरदायी प्रबंधक, सुप्रशिक्षित होगा। उसकी अर्हताओं में, गैस सिलेण्डरों से संबंध खतरों की बाबत प्रशिक्षण, निरीक्षण का प्रयोजन, परीक्षण के ढंग, उपस्कर, परीक्षण अपेक्षाएं और परीक्षण परिणामों के अभिलेखन का समावेश होगा और उनमें यांत्रिक या रासायनिक इंजिनियरी में उपयुक्त तकनीकी अर्हता होगी। वह संकेत, विनिर्देशों और/अथवा सिलेण्डरों की जिनके लिए परीक्षण स्टेशन अनुमोदित किया गया है, लागू विनियमों का भी ज्ञाता होगा।

## 1.3. पर्यवेक्षक :—

पर्यवेक्षक में निम्नलिखित अर्हताएं होंगी, अर्थात् :—

- (i) गैस सिलेण्डरों की परीक्षा में कम से कम दो वर्ष का अनुभव;
- (ii) आयु कम से कम 21 वर्ष;
- (iii) इन नियमों, संकेतों, विनिर्देशों और/अथवा सिलेण्डरों की, जिनके लिए जांच स्टेशन अनुमोदित किया गया है, लागू विनियमों का ज्ञान।

## 1.4. प्रचालक :—

निरीक्षण और परीक्षण कार्य करने वाले कामिकों में उस कार्य से संबंधित वे अर्हताएं और अनुभव होंगे जिनके लिए वे नियुक्त किए गए हैं। गैस सिलेण्डर से संबंध खतरों और निरीक्षण के प्रयोजन और ढंग को समझने के लिए उन्हें प्रशिक्षण दिया जाएगा।

## 2. उपस्कर:

पृष्ठक 25

## 2.1. उपस्कर का प्रकार :—

जांच स्टेशनों पर सिलेण्डरों के निरीक्षण और परीक्षण के लिए इन नियमों के अधीन यथापेक्षित पर्याप्त उपस्कर रहेंगे। इनके अन्तर्गत निम्नलिखित हैं :—

- (i) उन सिलेण्डरों की जिनके परीक्षण के लिए परीक्षण स्टेशन प्राधिकृत है, लागू होने वाले इन नियमों, संकेतों, विनिर्देशों और/अथवा विनियमों का एक सेट। ये समस्त नियम, संकेत विनिर्देश और/अथवा विनियम अद्यतन रखे जाएंगे।
- (ii) संपीड़ित गैस सिलेण्डरों के द्रवस्थैतिक वृत्ति परीक्षण भा० मा० 5844 के अनुसार द्रवस्थैतिक परीक्षण साधित्र, जिसके अन्तर्गत दाबक उपस्कर दाब गेज और आयतनी मापक उपस्कर



- हैं। साधित में कम से कम दो 15 से० मी० (न्यूनतम) व्यास वाले कार्यकरण दाब गेज लगी होंगी।
- (iii) उपयुक्त दाब रेंज वाला न्यूनतम 15 से० मी० व्यास का अनुसंधान दाब गेज या उपयुक्त दाब रेंज वाला कुल-घार दाब गेज परीक्षण यन्त्र।
- (iv) सिलेण्डरों के आंतरिक हिस्से को भली प्रकार देखने के लिए प्रति निम्न बोस्टेज के लैम्प, और बाहरी सतहों की सूक्ष्म परीक्षा के लिए आवश्यक अन्य लैम्प।
- (v) सीधी कोरें, टेम्पलेटें, प्रकीर्ण औजार और माप गेजें।
- (vi) तेल उपस्कर, जहाँ आवश्यक है।
- (vii) सुसंगत कानूनी प्राधिकारी द्वारा मोहर लगाई हुई तेल मशीन के लिए मानक परीक्षण बाटों का एक सेट।
- (viii) सिलेण्डरों की धरा-उठाई के लिए पर्याप्त उपस्कर।
- (ix) पर्याप्त सिलेण्डर-अपवाहन उपस्कर।
- (x) सिलेण्डरों के आंतरिक भाग को शुष्क करने के लिए सुविधाएं।
- (xi) चिह्नकन व मोहर लगाने के उपस्कर।

## 2.2. शुद्धता :

उपस्कर की शुद्धता निम्नानुसार होगी :—

- (i) भा० मा० : 5844 आयतनी उपस्कर के अनुसार द्रवस्थैतिक परीक्षण साधित, जिसमें परीक्षण के अधीन सिलेण्डर के आयतन में, उसकी कुल धारिता के 1,20,000 अंश तक के स्थायी परिवर्तन को मापा जा सकता हो।
- (ii) तेल उपस्कर त्रुटि जो  $\pm 0.1$  प्रतिशत से अधिक नहीं है।
- (iii) कार्यकरण दाब गेज त्रुटि जो परीक्षण दाब के 1 प्रतिशत से अधिक नहीं है।
- (iv) अनुसंधान दाब गेज त्रुटि, जो पूर्ण स्तर विक्षेप के 0.25 प्रतिशत से अधिक नहीं है।

## 2.3. अनुसंधान :

उपस्करों के अनुसंधान के अंतरालों की अवधि निम्नलिखित से अधिक नहीं होगी, अर्थात् :—

- (i) कार्यकरण दाब गेज 3 सप्ताह
- (ii) अनुसंधान दाब गेज 6 मास
- (iii) तेल उपस्कर जांच, बाटों द्वारा सेवा के दौरान प्रतिदिन की जाए।
- (iv) परीक्षण बाट 2 वर्ष

## 3. कार्यकरण शर्तें :

परीक्षण स्टेशनों के लिए कार्यकरण शर्तें गैस सिलेण्डरों के शुद्ध और निरापद निरीक्षण तथा परीक्षण के लिए उपयोगी होंगी। परीक्षण स्टेशन निम्नलिखित शर्तों की पूर्ति करेंगे :—

- (i) गैस सिलेण्डरों की तत्काल परीक्षा के लिए अच्छी प्रकाश व्यवस्था होगी। अच्छा यह होगा कि वहाँ प्राकृतिक प्रकाश भी मिल सके।

- (ii) उसमें सिलेण्डरों की अवशिष्ट गैसों के निकलने के लिए पर्याप्त संवातन होगा।
- (iii) निरापद कार्यकरण के लिए उसमें पर्याप्त जगह होगी।
- (iv) वह साफ शुष्क स्थिति में रखा जाएगा।

## 4. सिलेण्डरों की परीक्षण के लिये शर्तें :

परीक्षण स्टेशन को परीक्षण के लिए भेजे जाने वाले सिलेण्डरों की अंतर्वस्तु निकाल दी जाएगी और तब उन पर "खाली" होने का लेबल लगा दिया जाएगा। इस लेबल के होते हुए भी, विनिर्माता के सम्मो में मौजूद सिलेण्डरों को छोड़कर अन्य समस्त सिलेण्डर के बारे में यह उपधारणा की जाएगी कि उनमें दाब के अधीन गैस है और तदनुसार निम्नलिखित पूर्ववर्धनियों बन्ती जाएगी :—

- (i) सिलेण्डर में की गैस की प्रकृति से संबद्ध खतरों को ध्यान में रखते हुए, सिलेण्डर की अंतर्वस्तु निरापद रूप में निकाली जाएगी। सिलेण्डर को, जिनमें विषैला या हानिकार पदार्थ भरा है या जो संक्षुब्ध हो चुके हैं, ऐसे परीक्षण स्टेशनों द्वारा ही खाली किया जाएगा जो कोई विशिष्ट गैस की धरा-उठाई करने के लिए ठीक से सज्जित और अनुभव प्राप्ति है। ऐसे सिलेण्डरों पर स्पष्टतः यह लेबल लगाया जाएगा कि वे संक्षुब्ध हो चुके हैं।
- (ii) वाल्व खोला जाएगा और यदि कोई गैस नहीं निकलती है और प्रवेश द्वार अवरोध नहीं दिखता है, तो वाल्व निर्गम द्वार में निम्न दाब नाइट्रोजन या अन्य अक्रिय गैस का घमन (ब्लो) किया जाएगा। नाइट्रोजन प्रदाय को हटाने के पश्चात् गैस का निकलना दर्शाएगा कि सिलेण्डर खाली है। जब कोई गैस नहीं निकलती है तब वाल्व अवरोध समझे जाएंगे। यदि सिलेण्डर में विषैला या हानिकार पदार्थ भरा है और यह शंका है कि वाल्व अवरोध है तो अनुमोदित साधित में गैस निर्मुक्त की जाएगी और वाल्व को इस ढंग से हटाया जाएगा कि गैस प्रचालक को कोई खतरा पहुंचाए बिना बाहर निकल जाए।
- (iii) यदि वाल्व अवरोध है तो उक्त (i) में बताया अनुसार सिलेण्डर की अंतर्वस्तु को निरापद ढंग से निर्मुक्त किया जाएगा। वाल्व गैस से भरे सिलेण्डरों पर कोई कार्य खुली हवा में किया जाएगा।

## टिप्पण :

वाल्व से, जिसमें स्पिंडल हटाया नहीं जा सकता है, व्यवहार करने का ढंग यह है कि वाल्व कार्य में से होकर स्पिंडल ग्रामन के नीचे गैस मार्ग में 1/16 इन्च 1.6 (मि० मी०) व्यास वाला छेक हाथ ड्रिल द्वारा किया जाएगा। विकल्पतः तेज धारी काम में लाई जा सकती है। गैस के बाहर निकलने के प्रथम संकेत पर ही, वेधन और धारा-कार्य बंद कर दिया जाना चाहिए। कर्तन औजार की ओर लगानार पानी का जेट छोड़ा जाए और प्रचालक सुरक्षा-वस्त्र पहने।

## 5. निरीक्षण और परीक्षण :

परीक्षण स्टेशन पर इन नियमों की अपेक्षाओं की पूर्णतः पूर्ति करने वाली प्रक्रियाओं को अपनाया जाएगा।

## अनुसूची - 5

[नियम 1(15) और 56 देखें]

क्रम सं०	अनुसूचित का प्ररूप	किस प्रयोजन के लिये मंजूर किया गया है	अनुसूचित अनुवत्त करने के लिए मरामत प्राधिकारी	फीम
1	2	3	4	5
				रु०
1. घ	संपीडित गैस में भरे या भरने के लिए आशयित सिलेण्डरों के आयात के लिए	मुख्य विस्फोटक नियंत्रक	प्रथम 100 सिलेण्डरों या उसके किमी भाग के लिए 100 सिलेण्डरों से अधिक किन्तु 500 से अनधिक सिलेण्डरों के लिए 500 से अधिक सिलेण्डरों पर प्रत्येक अतिरिक्त 500 सिलेण्डरों या उसके किसी भाग के लिये	100.00 200.00 200.00
2. ङ	सिलेण्डरों में संपीडित गैस भरने के लिये	मुख्य विस्फोटक नियंत्रक	संयंत्र में भरी प्रत्येक प्रकार की गैस के लिये	500.00
3. च	सिलेण्डरों में संपीडित गैस के भण्डारकरण के लिये	मुख्य विस्फोटक नियंत्रक	(1) विषैली गैसों के लिये (स्थायी तथा द्रवित) : 5 सिलेण्डरों से अधिक किन्तु 100 सिलेण्डरों से अनधिक 100 सिलेण्डरों से अधिक किन्तु 500 सिलेण्डरों से अनधिक 500 सिलेण्डरों से अधिक प्रत्येक 500 अतिरिक्त सिलेण्डरों या उसके किसी भाग के लिये (2) अविषैली और अज्वलनशील गैसों के लिये : (स्थायी साथ ही साथ द्रवित) 50 सिलेण्डरों से अधिक किन्तु 500 सिलेण्डरों से अनधिक 500 सिलेण्डरों से अधिक वाले प्रत्येक अतिरिक्त 500 सिलेण्डरों या उसके किसी भाग के लिये (3) अविषैली और अज्वलनशील स्थायी गैसों के लिए : 15 से अधिक किन्तु 200 सिलेण्डरों से अनधिक 200 से अधिक किन्तु 500 सिलेण्डरों से अनधिक 500 सिलेण्डरों से अधिक वाले प्रत्येक अतिरिक्त 500 सिलेण्डरों या उसके किसी भाग के लिए (4) एल०पी०जी० (निम्न दाब गैस) से अन्य अविषैली और अज्वलनशील द्रवणीय गैसों के लिये : 125 कि०ग्रा० से अधिक किन्तु 500 कि०ग्रा० से अनधिक 500 कि०ग्रा० से अधिक किन्तु 1000 कि०ग्रा० से अनधिक 1000 कि०ग्रा० से अधिक किन्तु 5000 कि०ग्रा० से अनधिक 5000 कि०ग्रा० से अधिक किन्तु 10,000 कि०ग्रा० से अनधिक 10,000 कि०ग्रा० से अधिक वाले प्रत्येक अतिरिक्त 5000 कि०ग्रा० और उसके किसी भाग के लिये	100.00 200.00 200.00 100.00 200.00 200.00 100.00 150.00 200.00 300.00 200.00

1	2	3	4	5	6
				(5) द्रवणीय पेट्रोलियम गैसों के लिए :	रु०
				100 कि०ग्रा० से अधिक किन्तु 500 कि०ग्रा० से	
				अनधिक	100.00
				500 कि०ग्रा० से अधिक किन्तु 1000 कि०ग्रा० से	
				अनधिक	150.00
				1000 कि०ग्रा० से अधिक किन्तु 5000 कि०ग्रा० से	
				अनधिक	200.00
				5000 कि०ग्रा० से अधिक किन्तु 10,000 कि०ग्रा० से	
				अनधिक	300.00
				10,000 कि०ग्रा० से अधिक वाले प्रत्येक अतिरिक्त 5000	
				कि०ग्रा० या उसके किसी भाग के लिये	200.00

## प्रत्येक - क

[नियम (29) (2) देखें]

संपीड़ित गैस से भरे सिलेण्डरों का बहन करने वाले पोत के मास्टर या पोत अधिकर्ता द्वारा पत्तन में प्रवेश करने के पूर्व की जाने वाली घोषणा  
पोत का नाम . . . . .

भरे सिलेण्डरों का विवरण	गैस का सही रासायनिक नाम और प्रकृति अर्थात् वह ज्वलनशील, संश्लारित या विषैली है	पोत में बहन की जाने वाली कुल मात्रा	पत्तन पर उतारी जाने वाली मात्रा	टिप्पणी
		गैस कि०ग्रा० में सिलेण्डरों की सं० या घन मीटरों में	गैस कि०ग्रा० में सिलेण्डरों की सं० या घन मीटरों में	

तारीख

पोत के मास्टर/अधिकर्ता के हस्ताक्षर

## प्रत्येक "ख"

(नियम 57 और 61 देखें)

सिलेण्डरों के आवात के लिए अनुमति के अनुबन्ध/उसमें संशोधन के लिए  
आवेदन

1. आवेदक का नाम  
आवेदक की आयु  
आवेदक का व्यवसाय  
आवेदक का पता

धारण की गई सञ्चरण-अनुमति का विवरण:

- (i) मुख्य विस्फोटक नियंत्रक द्वारा जारी की गई सञ्चरण अनुमति की सं० और तारीख

- (ii) \_\_\_\_\_ तक नवीकृत/वैध
- (iii) उक्त अनुमति के अनुसार सञ्चरण क्षमता

## 3. आयात किये जाने वाले सिलेण्डरों का विवरण:

- (i) सिलेण्डरों की संख्या
- (ii) सिलेण्डरों के विनिर्देश
- (iii) \_\_\_\_\_ के द्वारा विनिर्मित
- (iv) \_\_\_\_\_ द्वारा निरीक्षित और परीक्षित
- (v) सिलेण्डरों में लगे वाल्वों के विनिर्देश

\* (vi) \_\_\_\_\_ भरी है  
(गैस का सही रासायनिक नाम)

\* (vii) यदि स्थायी या विलीन एमिटिवीन गैस से भरी गई है तो  
15 सेटीग्रेड पर भरणावधि

\* (viii) यदि द्रव्यीय गैस से भरी गई है, तो भरण अनुपात

(ix) अंतिम द्रवचालित वृत्ति परीक्षण की तारीख

(x) सिलेण्डरों की धूर्णन संख्या

4. सिलेण्डरों का भण्डार कहां करने का प्रस्ताव है—

5. टिप्पणी

आवेदन की तारीख

आवेदक के हस्ताक्षर

आवेदक का डाक पता :

टिप्पण :—

\* 1. यदि खाकी सिलेण्डर आयात करने हैं तो \*से चिह्नित विनिर्देशों के अनुसार आवश्यक नहीं है।

2. सिलेण्डरों और वाल्वों के प्रत्येक लॉट के संबंध में विनिर्माता का पूर्णतः पूरित परीक्षण और निरीक्षण प्रमाणपत्र इस आवेदन के साथ संलग्न करें।

3. यदि सम्पूजन गैस भरे सिलेण्डरों का आयात किया जाता है तो मद सं० 3(vi), (vii), (viii) और (ix) के सम्बन्ध में भरण प्रमाणपत्र दें।

प्रकरण "ग"

(नियम 57, 61 और 62 देखें)

सिलेण्डरों में संपीड़ित गैस भरने और/अथवा उससे भरे सिलेण्डरों के भण्डारण के लिए अनुज्ञप्ति के अनुदान/संशोधन/नवीकरण के लिए आवेदन

यदि आवेदन प्रकरण (क) और (ख) में अनुज्ञप्ति के अनुदान के लिए है तो इस पत्र के दूसरी और सूची में दिए गए दस्तावेजों को इस आवेदन के साथ आवश्यक संलग्न करें।

इस स्तंभ में उत्तर लिखें।

1. आवेदक का नाम\*\*

आवेदक का व्यवसाय

आवेदक का पूरा डाक पता

2. जिस परिसर में संपीड़ित गैस का भण्डारण/भरण करना है उसकी अध स्थिति—

राज्य

जिला

नगर या ग्राम

निकटतम थाना

निकटतम रेल स्टेशन

3. भण्डारण/भरण के लिए प्रस्तावित संपीड़ित गैस की प्रकृति (कृपया बतायें गैस ज्वलनशील/संक्षारित या विषैली है)

4. भण्डारण/भरण के लिए प्रस्तावित संपीड़ित गैस का रासायनिक नाम

5. भण्डारण/भरण के लिए प्रस्तावित संपीड़ित गैस की मात्रा

6. परिसर में पहले ही भण्डारित भरण/की गई संपीड़ित गैस की मात्रा और उसका रासायनिक नाम

7. परिसरों के लिए धारित अनुज्ञप्ति सं०

और अनुज्ञप्तिधारी का पूरा नाम

मैं घोषणा करता हूँ कि ऊपर किए गए कथनों की मैंने जांच कर ली है और वह सही हैं और मैं उस अनुज्ञप्ति की समस्त शर्तों और शर्तों की पूर्ति करने के लिए बचन बद्ध हूँ जो मुझे अनुदान की जाएंगी।

आवेदन की तारीख

आवेदक के हस्ताक्षर और पता

\*\*यदि आवेदन कम्पनी की ओर से किया जाता है तो कम्पनी का नाम और पता तथा प्रबंधक या अधिकर्ता का नाम बताएं और आवेदन पर उसी के हस्ताक्षर होने चाहिए। प्रबंधक या अधिकर्ता के नाम में प्रत्येक परिवर्तन, गोप्य संसूचित किया जाए और उसके नमूना हस्ताक्षर अनुज्ञप्ति प्राधिकारी के पास फाइल किए जाएं।

प्रकरण (क) और (ख) में अनुज्ञप्ति के लिए आवेदन के साथ प्रस्तुत करने के लिए अपेक्षित दस्तावेज

(i) नियम 55 के अधीन अनुसंधान विनिर्देशों और रेखांक की 4 प्रतियां (बिना संशोधन के अनुज्ञप्ति के नवीकरण के लिए आवश्यक नहीं);

(ii) अनुज्ञप्ति तथा उसमें सम्बद्ध अनुसंधान रेखांक और विनिर्देश (अनुज्ञप्ति के प्रथम अनुदान के लिए आवश्यक नहीं);

(iii) अनुज्ञप्ति के अनुदान, संशोधन या नवीकरण के लिए अपेक्षित फॉर्म की रकम, जो नियम 72 में विहित ढंग से संदलत की गई है।

प्रकरण "घ"

(नियम 57 और 58 देखें)

गन्तु-मार्ग द्वारा गैस सिलेण्डरों के आयात के लिए अनुज्ञप्ति

संख्या

फीस

श्री को निम्नलिखित विवरण के सिलेण्डरों का किसी एक समय में पतन पर की परीक्षण के लिए आयात करने के लिए अनुज्ञप्ति, भारतीय विस्फोटक अधिनियम, 1884 और उनमें अंतर्गत बनाए गए नियमों के उपबंधों और अनुज्ञप्ति के पीछे दी गई शर्तों के अधीन रहने हुए अनुज्ञप्ति अनुदान की जाती है।

यह अनुज्ञप्ति 97 तक प्रवृत्त रहेगी।

तारीख

अनुज्ञापन अधिकारी

सिलेण्डरों का विवरण

1. सिलेण्डरों की संख्या

2. सिलेण्डरों के विनिर्देश

3. द्वारा विनिर्मित

4. द्वारा निर्दिष्ट और परीक्षित

5. सिलेण्डरों में लगे वाल्वों के विनिर्देश

6. भरी हुई है

(गैस का मही गैसायनिक नाम)

7. यदि गैसीय गैस या विरल गैस टिलिन से भरी है तो 15° सेन्टीग्रेड पर भरण अनुदान।

8. यदि द्रवणीय गैस से भरी है तो भरण अनुदान।

9. अंतिम द्रवचालित वृत्ति परीक्षण की तारीख।

10. सिलेण्डरों की धूर्णन संख्या।

यदि सिलेण्डर अनुज्ञप्ति में दिए गए विवरण के अनुरूप नहीं है या जिन नियमों और शर्तों के अधीन यह अनुज्ञप्ति अनुदान की गई है, उनमें से किसी का उल्लंघन होने पर, अनुज्ञप्ति रद्द की जा सकती है और अनुज्ञप्तिधारी विस्फोटक अधिनियम, 1884 के धारा 5(3)(क), (ख) और (ग) में दिए अनुसार दण्डनीय भी होगा।

### अनुज्ञप्ति क शर्तें

1. इस अनुज्ञप्ति में दी गई अवधि समाप्ति के पश्चात् यह अनुज्ञप्ति शून्य हो जाएगी।
2. भरे सिलेण्डर खाली होने के पश्चात् अनुज्ञापन प्राधिकारी की पूर्ण सहमति के बिना पुनः नहीं भरे जाएंगे।
3. भरे सिलेण्डरों का आयात के पलन से प्राधिकृत परिवारों को शीघ्र हटाने के लिए अनुज्ञप्तिधारी पूर्ण व्यवस्था करेगा।

### प्रकरण "ड"

(नियम 57 और 58 देखें)

### सिलेण्डरों में संपीड़ित गैस भरने के लिए अनुज्ञप्ति

अनुज्ञप्ति सं० ..... फॉर्म ..... रूप

श्री.....को, नीचे वर्णित अनुज्ञप्ति और रेखांक सं०.....में दर्शाए गए परिमर में, भारतीय विस्फोटक अधिनियम, 1884 (1884 का 1) और उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबन्धों तथा इस अनुज्ञप्ति की अन्य शर्तों के अधीन रहते हुए, सिलेण्डरों में संपीड़ित गैस भरने के लिए अनुज्ञप्ति अनुदान की जाती है।

यह अनुज्ञप्ति 31 मार्च, 1977 तक प्रवृत्त रहेगी।  
तारीख.....1977 शुद्ध विस्फोटक निबंधक

### अनुज्ञप्त परिवार का विवरण और अवस्थिति

अनुज्ञप्ति परिवार जिसकी लेआउट सीमाएं और अन्य विवरण संलग्न अनुमोदित रेखांक में दिखाया गया है,.....में अवस्थित है और जिसमें.....है।

(क) उच्चतम/संयोजित/विपरीत गैसों के भरण के लिए.....

(ख) विपरीत गैसों के भरण के लिए.....

### (गैस का नाम निर्दिष्ट करें)

और (प्लेट संख्या) (गली का नाम) (गांव या नगर) (पुलिस थाना) (जिला) में स्थित है।

### नवीकरण के पृष्ठांकन के लिए स्थान

भारतीय विस्फोटक अधिनियम, 1884 या उसके अधीन बनाए गए गैस सिलेण्डर नियम, 1977 के उपबन्धों या इस अनुज्ञप्ति की शर्तों का उल्लंघन न होने की दशा में यह अनुज्ञप्ति, फॉर्म में कोई छूट दिए बिना तीन वर्ष तक नवीकृत की जा सकती है।	नवीकरण की अनुज्ञप्ति की समाप्ति की तारीख	अनुज्ञापन प्राधिकारी के हस्ताक्षर और कार्यालय का मुद्रा

यदि अनुज्ञप्त परिवार इसमें उपाययुक्त विवरण और शर्तों के अनुरूप नहीं पाया जाता है और जिन नियमों और शर्तों के अधीन यह अनुज्ञप्ति अनुदान की गई है, उनमें से किसी का उल्लंघन होता है तो यह अनुज्ञप्ति रद्द की जा सकेगी, और अनुज्ञप्तिधारी को कारावास से, जिनकी अवधि दो वर्ष तक की हो सकेगी या जुर्माने से, जो तीन हजार रुपये तक का हो सकता है, या दोनों में, दण्डनीय भी होगा।

### शर्तें

1. अनुज्ञप्त परिवारों का प्रयोग, सिलेण्डरों में संपीड़ित गैस भरने और उसे वहाँ अस्थायी रूप से रखने और इससे संबंध प्रयोजनों के निवाय अन्य प्रयोजनों के लिए नहीं किया जाएगा।

2. किसी भी सिलेण्डर के संपीड़ित गैस तब तक नहीं भरी जाएगी जब तक कि—

- (i) भरण के लिए ऐसे सिलेण्डर को मुख्य नियंत्रक ने लिखित में अनुमोदित नहीं कर दिया है; और
- (ii) सिलेण्डर की परीक्षा तथा परीक्षण सुसंगत नियमों के अधीन अपेक्षित रूप से नहीं कर ली गई है।

3. भरण के पूर्व, प्रत्येक सिलेण्डर की उसके बाल्व और अन्य फिटिंगों सहित, यह सुनिश्चित करने के लिए सावधानीपूर्वक परीक्षा की जाएगी कि वह नियमों के सुसंगत उपबन्धों के पूर्णतः अनुरूप है, और भरण के लिए प्रेषित करने के पूर्व उसे पूर्णतः खाली कर दिया जाएगा।

4. किसी भी सिलेण्डर में कोई संपीड़ित गैस, नियमों के अधीन विहित अभिकल्पित जांच दाब और अनुपात से अधिक नहीं भरी जाएगी।

5. यदि सिलेण्डर के बाल्व और अन्य फिटिंगों को बदलना आवश्यक हो जाता है तो सिलेण्डर पर स्थापित टेपर बजत पर तब तक रखा जाएगा और कोई परिवर्तन होने पर आवश्यक मुधार किया जाएगा।

6. किसी भी ऐसे सिलेण्डर में जो नियमों में विहित अनुचित रंग में पेंट नहीं किया गया है, संपीड़ित गैस नहीं भरी जाएगी।

7. किसी गैस के लिए संपीड़ित और भरण उपकरण किसी अन्य गैस के लिए संपीड़ित और भरण उपकरण से पूर्णतः अलग और असम्बद्ध होगा।

8. किसी भी सिलेण्डर में, इस अनुज्ञप्ति पर विनिर्दिष्ट: पृष्ठांकित रोल और अन्य शर्तों के अधीन के निवाय सुयोजित और सुयोज्य के बीच कोई संपीड़ित गैस भरी नहीं जाएगी।

9. उच्चतम/संयोजित गैसों के संपीड़ित और सिलेण्डरों के लिए उपयोग में लाए जाने वाले परिवार में अधिष्ठापित समस्त विद्युत उपकरण, जैसे, मोटर, स्विच, स्टार्टर इत्यादि, भा० भा० 2148 के अनुरूप अग्निमह रचना के होंगे।

10. ऐसा कोई प्रकाश, जिससे उच्चतम/संयोजित वाष्प या गैस प्रज्वलित हो सकती है, किसी भी समय सिलेण्डरों में संपीड़ित गैस के भरण के दौरान परिवार में नहीं रखा जाएगा और ऐसे भरण में लगा कोई व्यक्ति धूम्रपान नहीं करेगा।

11. अनुज्ञप्त परिवार का प्रबंध करने वाला या उस पर उसके संबंध में निवाचित प्रत्येक व्यक्ति, ऐसा कोई कार्य नहीं करेगा जिससे आग लग सकती है या विस्फोट हो सकता है और जो व्यक्तिगत रूप से आवश्यक नहीं है तथा वह अपनी सर्वोत्तम योग्यता के अनुसार किसी अन्य व्यक्ति को भी ऐसा कार्य करने से निवारित करेगा।

12. प्रत्येक अनुज्ञप्त परिवार के लिए अनुज्ञप्तिधारी कम से कम दो मुवाय्य फॉर्म टाइप के या शुष्क रासायनिक टाइप के 9 किलोग्राम क्षमता के अग्निशामकों की जो आग लगने पर सुविधाजनक स्थानों पर तुरन्त उपयोग में लाये जा सकें, व्यवस्था करेगा। ऐसे अग्निशामक यंत्रों की, उनकी उपयोग्यता की दृष्टि से, निवृत्तकालिक जांच की जाएगी।

13. समस्त भरण सक्रिया, महत्व व्यक्ति के प्रत्यक्ष पर्यवेक्षण के अधीन की जाएगी।



14. द्रविण पेट्रोलियम गैस के संगोष्ठन और भरण के लिए उपयोग में लाए जाने वाले अनुज्ञापन परिसर के आगे और एक सुरक्षाक्षेत्र होगा जो किसी भी सार्वजनिक स्थान, मार्ग या आवागमन की सम्पत्ति से स्पष्टतः 10 मीटर की दूरी पर होगा।

15. अनुज्ञापन परिसर अञ्चलनशील सामग्री से बनाया जाएगा और पर्याप्ततः संवर्धित होगा।

16. अनुज्ञापन परिसर के भीतर होने वाली दुर्घटना, प्राग या विस्फोट की, जिससे जनजीवन की या जीवन या संपत्ति को गंभीर क्षति होती है, रिपोर्ट निकटतम मजिस्ट्रेट को या निकटतम पुलिस थाने के भारसाधक अधिकारी को तथा तार से मुख्य विस्फोटक नियंत्रक को दी जाएगी। (तार का पता : "विस्फोटक, तारपुर")

17. नियम 77 में सूचीबद्ध किसी भी अधिकारी को सभी द्युक्तियुक्त समयों पर अनुज्ञापन परिसर में निर्वाह रूप से प्रवेश करने दिया जाएगा और ऐसे अधिकारी को, यह सुनिश्चित करने के लिए कि इन नियमों और इस अनुज्ञापन की शर्तों का सम्पूर्ण रूप से अनुपालन हो रहा है, हर सुविधा प्रदान की जाएगी।

### "प्रयोग 'ब'"

(नियम 57 और 58 देखें)

सिलेण्डरों में संपीड़ित गैस रखने की अनुमति

अनुज्ञापन संख्यांक ..... फीस ..... रुपए  
श्री ..... की केवल संपीड़ित गैस से भरे सिलेण्डरों को नीचे वर्णित और रेखांक सं ..... में दिखाए गए अनुज्ञापन परिसरों में रखने के लिए, भारतीय विस्फोटक अधिनियम, 1884 (1884 का 4) और उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबन्धों तथा इस अनुज्ञापन की अन्य शर्तों के अधीन रहते हुए, अनुज्ञापन प्रदान की जाती है।

यह अनुज्ञापन 31 मार्च, 197 ..... तक प्रवृत्त रहेगी।  
तारीख ..... मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

अनुज्ञापन परिसर का विवरण तथा अवस्थिति

अनुज्ञापन परिसर, जिसकी लेआउट सीमाएं और अन्य विवरण संलग्न अनुमोदित रेखांक में दिखाया गया है, ..... में अवस्थित है और जिसमें निम्नलिखित सम्मिलित ..... है।

(क) अञ्चलनशील/संशारित/विचैली गैसों में रखने के लिए

(ख) अविचैली गैसों को रखने के लिए

(गैस का नाम ब्रिनिदिष्ट करें)

और

(प्लॉट संख्या) ..... (गली का नाम) (गांव या नगर) ..... (पुलिस थाना) ..... में स्थित है।  
(जिला) .....

नवीकरण के पृष्ठांकन के लिए स्थान

भारतीय विस्फोटक अधिनियम, 1884 या उसके अधीन बनाए गए गैस सिलेण्डर नियम, 1977 के उपबन्धों का या इस अनुज्ञापन की शर्तों का उल्लंघन न होने की दशा में इस अनुज्ञापन फीस में कोई छूट दिए बिना तीन वर्ष तक नवीकरण की जा सकती है	नवीकरण की समाप्ति की तारीख	अनुज्ञापन प्राधिकारी के हस्ताक्षर और कार्यालय की मुद्रा
.....	.....	.....

यदि अनुज्ञापन परिसर इसमें उपाबद्ध विवरणी और शर्तों के अनुस्यू नहीं पाया जाता है और जिन नियमों और शर्तों के अधीन यह अनुमति प्रदान की गई है, उसमें से किसी का उल्लंघन होता है तो यह अनुमति रद्द की जा सकेगी और अनुज्ञापनधारी को कारावास से, जिसकी अवधि दो वर्ष तक की हो सकेगी या जुर्माने से, जो तीन हजार रुपए तक का हो सकेगा या दोनों से, वण्डनीय भी होगा।

शर्तें

1. संपीड़ित गैस से भरे सिलेण्डरों को रखने के विषय, अनुज्ञापन परिसर किसी अन्य प्रयोजन के लिए उपयोग में नहीं लाए जाएंगे।

2. संपीड़ित गैस से भरे सिलेण्डरों का भण्डारण, भण्डारण शोध में ही जो कि उपयुक्त अञ्चलनशील सामग्री से बना होगा, किया जाएगा परन्तु यदि केवल अञ्चलनशील गैस से भरे सिलेण्डरों का भण्डारण किया जाता है तो कीम, गहतीय, (रेफर), कालम, खिड़कियां और दरवाजे लकड़ी के हो सकेंगे।

3. भण्डारण शोध आउण्ड लेवल पर तथा छत में या उसके निकट पर्याप्ततः संवर्धित होगा। यदि भण्डारण शोध निम्न वायु गैस सिलेण्डरों को रखने के लिए प्रयोग में लाया जाता है तो संवर्धन में बढ़िया तांबे या अन्य असंक्षारक धातु की तार की दोहरी जाली का प्रबंध किया जाएगा जिसमें प्रति सेंटीमीटर (लम्बाई में) 11 ग्रंथ हों।

4. एक ही शोध में, यथासंभव, विभिन्न प्रकार की गैसों का भण्डारण नहीं किया जाएगा। यदि एक ही शोध में विभिन्न प्रकार की गैसों को भण्डारण किया जाता है तो सिलेण्डरों को उनमें भरी गैसों के प्रकृति के आधार पर, एक साथ समूह रखा जा सकता है, अर्थात्, अञ्चलनशील गैस सिलेण्डरों और आक्सीकारक गैसों से भरे सिलेण्डरों को परस्पर अलग अलग रखने के लिए उनके बीच या तो एक मीटर स्थान रिक्त छोड़ दिया जाएगा या अग्निरोधी विभाजक दीवाल बना दी जाएगी और विचैली गैसों से भरे सिलेण्डरों तथा अविचैली गैसों से भरे सिलेण्डरों को इसी प्रकार अलग करने के लिए उनके बीच एक विभाजक दीवाल बना दी जाएगी।

5. किसी भवन, सार्वजनिक स्थान, सार्वजनिक मार्ग या आसपास में बनाई जाने वाली संपत्ति और द्रविण पेट्रोलियम गैस सिलेण्डरों के भण्डारण के लिए उपयोग में लाए जाने वाले भण्डारण शोध के बीच निम्नलिखित स्पष्ट दूरी सदैव बनाए रखी जाएगी, अर्थात् :—

सिलेण्डरों में संपीड़ित गैस की मात्रा कि०घ्रा०	रखी जाने वाली न्यूनतम स्पष्ट दूरी मीटर
0—100	—
100—1000	3
1001—4000	5
4001—8000	7
8001—12000	9
12001—30000	12
30000 से अधिक	15

परन्तु निम्नलिखित शर्तों में मुख्य नियंत्रक उक्त दूरियों को कम कर सकता है, अर्थात् :—

- (1) जब परवा दीवाल की ब्यावस्था की गई हो या अन्य विशिष्ट पूर्वावधानियां बरती गई हों, अथवा
- (2) जहां ऐसी विशिष्ट परिस्थितियां हों जो मुख्य नियंत्रक की राय में इस प्रकार की कमी करने के लिये न्यायोचित है।

6. उक्त शर्त 5 में किसी बात के होते हुए भी, 100 कि०ग्रा० से अधिक किन्तु 300 कि०ग्रा० से अनधिक द्रवित पेट्रोलियम गैस से भरे सिलेण्डर भवन के किसी भाग में या उससे संलग्न भण्डारण शोध में रखे जा सकते हैं परन्तु यह तब जबकि उसे एक मजबूत विमाजक भवन से अलग रखा जाए और उसमें प्रवेश करने का एक मात्र साधन बाहर से हो। ऐसा भण्डारण शोध किसी जीने के नीचे या शेष भवनों के लिये प्रवेश या निकास द्वार के पास अवस्थिति नहीं होगा।

7. द्रवित पेट्रोलियम गैस सिलेण्डरों के भण्डारण के लिये उपयोग में लाया जाने वाला शोध, अप्राधिकृत, व्यक्तियों की शोध में प्रवेश करने से रोकने के लिये, उपयुक्त काटे से बंद दिया जायगा।

8. पतली दीवार वाले सिलेण्डर क्षैतिज स्थिति में चट्टे लगाकर नहीं रखे जाएंगे परन्तु द्रवित पेट्रोलियम गैस सिलेण्डरों के मामले में, निम्नलिखित चट्टा विधि अनुज्ञात की जा सकती है, अर्थात् :—

- (1) यदि सीधी स्थिति में भण्डारण किया जाना है तो चट्टा तीन से अधिक ऊंचा नहीं होगा, प्रथम
- (2) यदि क्षैतिज स्थिति में भण्डारण किया जाना है तो भरे सिलेण्डरों के मामले में 5 और खाली सिलेण्डरों के मामले में 7 से अधिक ऊंचा चट्टा नहीं लगाया जाएगा ;
- (3) सिलेण्डरों का ढेर, छोरों पर अवरोधों के प्रयोग द्वारा स्थिर रखा जाएगा।

(4) प्रवेश और सिलेण्डरों की उठाघराई के लिए इकहरी या दोहरी पंक्तियों के बट्टों के बीच बट्टों तथा बीवारों के बीच न्यूनतम 60 सें०मी० चौड़ा मार्ग (गैंगवे) रखा जाएगा।

9. भण्डारण शोध में गैस(सों) का सही रासायनिक नाम सुस्पष्टतः दर्शाया जाएगा।

10. भण्डारण शोध एक सक्षम व्यक्ति के भार-साधन में रहेगा।

11. यदि अनुज्ञप्ति परिसर के भीतर कोई दुर्घटना, भाग या विस्फोट हो जाता है जिससे जनजीवन की हानि होती है या जीवन या संपत्ति को गंभीर क्षति पहुँचती है तो उसकी रिपोर्ट निकटतम मजिस्ट्रेट को या निकटतम पुलिस थाने के भारसाधक अधिकारी को तथा तार से मुख्य विस्फोटक नियंत्रक को दी जाएगी।

(तार का पता : “विस्फोटक, नागपुर”)।

12. यदि गैस सिलेण्डरों के भण्डारण करने वाले किसी व्यक्ति से, गैस सिलेण्डरों के भण्डारण शोध में कोई ऐसी अभिवृद्धि परिवर्तन या मरम्मत करने के लिए लिखित रूप में कहा जाए, जो निरीक्षक प्राधिकारी की राय में परिसरों की सुरक्षा के लिए आवश्यक है तो यह उक्त अभिवृद्धि, परिवर्तन या मरम्मत सूचना की प्राप्ति की तारीख से, कम से कम एक मास की ऐसी किसी अवधि के भीतर जो सूचना में विनिर्दिष्ट की जाए, कर देगा।

13. सूर्यस्त और सूर्योदय के बीच न तो उज्ज्वलशील गैसों के भण्डारण के लिए उपयोग में लाया जाने वाला कोई भी शोध खोला जाएगा और न गैस सिलेण्डरों की धरा-उठाई अनुज्ञात की जाएगी। यह कार्य उस वक्ता में किया जा सकेगा जब कि केवल अनुमोदित विद्युत प्रकाश का प्रयोग किया जाए।

14. भण्डारण शोध और इससे घिरे क्षेत्र को, सदैव समस्त उज्ज्वलशील सामग्री, रही वनस्पति और कूड़ा कचरे से दूर रखा जाएगा।

548 GI/79—4

15. (क) अग्निसह विद्युत प्रकाश और फिटिंगों के सिवाय कोई अग्नि, भट्ठी या अन्य ताप या प्रकाश-स्त्रोत, भण्डारण शोध के भीतर, जहाँ 5 के अधीन बनाये रखे जाने वाले प्रेषित सुरक्षा क्षेत्र के भीतर, अनुज्ञात नहीं किए जाएंगे।

(ख) कोई भी व्यक्ति भण्डारण शोध में धूम्रपान नहीं करेगा या माचिस प्यूज या अन्य चिनगारी उत्पन्न करने वाले साधन को परिसर में नहीं ले जाएगा। “धूम्रपान मना है” के हिव्दी, अंग्रेजी और प्रादेशिक भाषा में सुस्पष्ट साइन बोर्ड भण्डारण शोध के बाहर प्रमुख स्थानों पर लगाए जाएंगे या टंगे जाएंगे।

16. प्रत्येक अनुज्ञप्त परिसर के लिए अनुज्ञप्तिधारी कम से कम दो सुवर्ण फोम टाइप या शुष्क रासायनिक टाइप के 9 किलोग्राम क्षमता के अग्निशमककों की, जो भाग लगने पर सुविधाजनक स्थानों पर तुरंत उपयोग में लाये जा सकें, व्यवस्था करेगा। ऐसे अग्निशमक यंत्रों की उनकी उपयोग्यता की दृष्टि से, नियतकालिक जांच की जाएगी।

17. नियम 78 में सूचीबद्ध किसी भी अधिकारी को सभी युक्तियुक्त समयों पर अनुज्ञप्त परिसर में निर्बाध रूप से प्रवेश करने दिया जाएगा और ऐसे अधिकारी को यह सुनिश्चित करने के लिए कि इन नियमों और इस अनुज्ञप्ति की शर्तों का सम्पूर्ण रूप से पालन हो रहा है, हर सुविधा प्रदान की जाएगी।

[सं० 2(ii)/76-एम०आई०]

रमेश नाथ चोपड़ा, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 1st September, 1979

**G.S.R. 523(E).**—In exercise of the powers conferred by section 17 of the Indian Explosives Act, 1884 (4 of 1884), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the late Department of Labour No. M-1272 dated the 28th September, 1938, namely :—

In the said notification —

(i) for the words “the gaseous or liquefied state”, the words “the gaseous, liquefied or dissolved state” shall be substituted ;

(ii) the proviso shall be omitted.

[F. No. 2(11)/76-MI]

Whereas by the notification of the Government of India, in the Department of Labour No. M-1272(1), dated the 28th September, 1938, issued under section 17 of the Indian Explosives Act, 1884, (4 of 1884), any gas when contained in any metal container in a gaseous, liquefied or dissolved state, has been declared to be an explosive within the meaning of the said Act, the following draft rules which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sections 5, 7 and 8 of the said Act and in supersession of the Gas Cylinders Rules, 1940, is hereby published as required by sub-section (1) of section 18 of the said Act for the information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of 45 days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any objections or suggestions which may be received from any person in respect of the said draft before the date so specified will be taken into consideration by the Central Government.

## DRAFTS GAS CYLINDERS RULES 1977

## CHAPTER I—PRELIMINARY

1. Short title and commencement.—These rules may be called the Gas Cylinders Rules, 1979.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires :

- (i) "Act" means the Indian Explosives Act, 1884 (4 of 1884) ;
- (ii) "Chief Controller" means the Chief Controller of Explosives, Government of India ;
- (iii) "competent person" means a person recognised by the Chief Controller to be a competent person, or a person who holds a certificate of competency for the job in respect of which competency is required from an institution recognised by the Chief Controller in this behalf ;
- (iv) "compressed gas" means any permanent gas, liquefiable gas or gas dissolved in liquid under pressure or gas mixture which in a closed gas cylinder exercises a pressure either exceeding 2.5 Kgf/cm<sup>2</sup> abs. (1.5 Kgf gauge) at +15°C or a pressure exceeding 3 Kgf/cm<sup>2</sup> abs. (2 Kgf/cm<sup>2</sup> gauge) at +50°C or both ;  
 Explanation :—Hydrogen fluoride falls within the scope of compressed gas although its vapour pressure at 50°C is 1.7 to 1.8 atmospheric gauge ;
- (v) "Conservator" in relation to a port includes any person acting under the authority of the officer or body of persons appointed to be Conservator of that port under section 7 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908) ;
- (vi) "Controller" (of explosives) includes the Deputy Chief Controller of Explosives, Deputy Controller of Explosives and Assistant Controller of Explosives ;
- (vii) "Critical temperature" means the temperature above which gas cannot be liquefied by the application of pressure alone ;
- (viii) "dissolved acetylene cylinder" means a cylinder having a valve and with or without safety devices, containing a porous mass, a solvent for the storage of dissolved acetylene and at least sufficient acetylene to saturate the solvent at atmospheric pressure and at a temperature of +15°C.  
 Explanation :—Acetone or any other solvent used shall not be capable of chemical reaction with the acetylene gas or with the porous substance or with the metal of the cylinder or valve ;
- (ix) "dissolved gas" means a gas which under pressure is dissolved in a fluid solvent appropriate to the particular gas as for example, acetylene in acetone or ammonia in water ;
- (x) "district authority" means —
  - (a) a Commissioner of Police or Deputy Commissioner of Police in any town having a Commissioner of Police ; and
  - (b) in any other place, the District Magistrate ;
- (xi) "District Magistrate" includes an Additional District Magistrate, and in the States of Punjab and Haryana and in the Karaikal, Mahe and Yanam areas of the Union territory of Pondicherry, also includes a Sub-Divisional Magistrate ;
- (xii) "filling pressure" means the maximum permissible gauge pressure, converted to +15°C, at which a gas cylinder for permanent gas or gas dissolved under pressure can be filled ;
- (xiii) "filling ratio" means the ratio of the weight of a liquefiable gas introduced in the cylinder to the weight of the water the cylinders will hold at 15°C ;
- (xiv) "flammable gas" means any gas if either a mixture of 13% or less (by volume) with air forms a flammable mixture or the flammable range with air is greater than 12% regardless of the lower limit

and these limits shall be determined at atmospheric temperature and pressure.

Explanation.—"Flammability range" means the difference between the minimum and maximum percentage by volume of the gas in mixture with air that forms a flammable mixture ;

- (xv) "Form" means a form set forth in Schedule V ;
- (xvi) "Gas Cylinder" (or cylinder) means any closed metal container intended for the storage or transport of compressed gas, designed not to be fitted to a special transport or under-carriage, and having a volume exceeding 500 ml. but not exceeding 1000 litres ;
- (xvii) "high pressure liquefiable gas" means a liquefiable gas having a critical temperature above 0°C, but not higher than +70°C ;
- (xviii) "hydrostatic stretch test" means subjecting the cylinder to a hydrostatic pressure equal to the test pressure of the cylinder and recording the permanent stretch undergone by the cylinder ;
- (xix) "hydrostatic test" means the test by which a cylinder is subjected to a hydrostatic pressure equal to the test pressure of the cylinder ;
- (xx) "import" means bringing into India by land, sea or air ;
- (xxi) "inspecting authority" means a person having qualifications and wide experience in the field of design, manufacture and testing of gas cylinders and recognised by the Chief Controller as authority for inspection and certification of gas cylinders ;
- (xxii) "installation" means any premises wherein any place has been specially prepared for the manufacture (filling) of storage of compressed gas in cylinder ;
- (xxiii) "liquefiable gas" means a gas that may be liquefied by pressure above 0°C, but will be completely vaporised when in equilibrium with normal atmospheric pressure (760 mm.hg) at 30°C ;
- (xxiv) "low pressure liquefiable gas" means a liquefiable gas having critical temperature higher than 70°C ;
- (xxv) "manufacture of gas" means filling of a cylinder with any compressed gas and also includes transfer of compressed gas from one cylinder to any other cylinder ;
- (xxvi) "permanent gas" means a gas whose critical temperature does not exceed 0°C that is to say a gas which cannot be liquefied under any pressure at a temperature above 0°C ;
- (xxvii) "Schedule" means the Schedule annexed to these rules ;
- (xxviii) "tare weight" in relation to,
  - (1) acetylene cylinder means the weight of the cylinder together with any fittings, permanently attached and includes the weight of valve, any safety device, porous mass, requisite quantity of solvent for dissolving acetylene, and the weight of acetylene gas saturating the solvent at atmospheric pressure and temperature of 15°C.
  - (2) liquefiable gas cylinder means the weight of the cylinder together with any fittings permanently attached thereto and includes the weight of valve.
  - (3) permanent gas cylinder means the weight of the cylinder together with any fittings permanently attached thereto.
- (xxix) "test pressure" means the internal pressure required for the hydrostatic test or hydrostatic stretch test of the cylinder, as follows :—
  - (1) For permanent and high pressure liquefiable gases. It should be calculated from the following :  

$$Ph = 200.t.Re$$

$$1.25 (Do - t)$$
 where  

$$Ph = \text{Test pressure in Kgf/Cm}^2.$$



$t$  = Minimum calculated wall thickness of the cylinder shall in mm.

$R_e$  = Minimum specified yield strength of the material of cylinder. It is limited to 75 percent of the minimum value of tensile strength in the case of normalised cylinder and 85 percent of the minimum value of the tensile strength for quenched and tempered cylinder, provided that the value of test pressure shall not exceed 80 per cent of the yield strength.

(2) For low pressure liquefiable gas.—One and a half times the saturated vapour pressure of the gas at 65°C.

(xxx) "transport" means the moving of a cylinder filled with any compressed gas from one place to another ;

(xxxi) "water capacity" means the volume of water in litres, a cylinder will hold at 15°C ;

(xxxii) "working pressure for low pressure liquefiable gas" means the saturated vapour pressure at 65°C.

Explanation.—For the values of saturated vapour pressure of different gases see IS : 3710 ;

(xxxiii) "working pressure for permanent gas" means the internal pressure of the gas in the cylinder at a temperature of 15°C ;

(xxxiv) "yield strength" means the stress corresponding to a permanent strain of 0.2 per cent of the original gauge length in a tensile test. For practical purposes it may be taken as a stress at which elongation first occurs in the test piece without the increase of load in a tensile test.

## CHAPTER II

### GENERAL PROVISIONS

#### 3. Filling possession, import and transport of cylinders :

(1) No person shall fill any cylinder with any compressed gas or import, possess or transport any cylinder so filled or intended to be filled with such gas unless :—

(a) such cylinder and its valve have been constructed to a type and standard specified in Schedule I ;

(b) the test and inspection certificates issued by the inspecting authority in respect of cylinder and its valve are made available to the Chief Controller and prior approval of the said authority is obtained.

(2) The test and inspection certificates required to be obtained from the inspecting authority in respect of cylinders and valves inspected and certified by it in accordance with the approved design and specification or code shall give the information included in Schedule II.

(3) Any person desiring to fabricate cylinders, valves and other fittings shall submit to the Chief Controller the particulars set forth in Schedule III.

(4) Notwithstanding anything contained in sub-rule (1), cylinders of specifications not conforming to the specifications specified in Schedule I and imported into India for filling and shipment to the country of origin or supply to a foreign going vessel touching Indian port, could be filled with such gas, provided :—

(a) the cylinder has passed the hydraulic test or hydrostatic stretch test, as the case may be, within the period specified in these rules and the pressure applied during the test shall be the test pressure marked on the cylinder.

(b) the cylinder is not filled with :—

(i) any liquefiable gas in excess of the filling ratio specified in IS : 3710 ;

(ii) any permanent gas at a pressure in excess of the pressure for which the cylinder is designed :

(c) a separate record of the cylinder tested and filled is maintained at the filling station ;

(d) the filled cylinders are removed from the filling station and shipped off as expeditiously as possible.

#### 4. VALVES :—

(1) Valves fitted to gas cylinders shall comply in all respects with the following specifications namely :—

(a) in respect of Industrial gas cylinders IS : 3224 ;

(b) in respect of Medical gas cylinders IS : 3745 ; or IS : 3224 for cylinders of more than 5 litre water capacity ;

(c) in respect of cylinders used with breathing apparatus, IS : 7302 as amended from time to time.

Provided that the Chief Controller may, if he is of opinion that it is necessary so to do in the public interest permit the use of valves not conforming to any of the specifications.

(2) Valves fitted to Carbon-di-oxide cylinders shall be provided in the body with a safety release consisting of softened copper disc so arranged as to burst at a pressure between 183 and 200 kg/CM<sup>2</sup>.

(3) Valves for cylinders containing flammable gases not listed in IS : 3224 shall have outlets provided with left handed screw threads for the pipes or other connections.

(4) All other valves shall have outlets with right handed screw threads.

(5) The valves shall be attached to the cylinder neck by screwing and not by making any permanent attachment or inserting adapter in between.

(6) The design of spindle operated valves shall be such that when fitted to the cylinders it shall not be possible to withdraw the spindle under normal operating conditions.

#### 5. SAFETY RELIEF DEVICES :

(1) Cylinders manufactured in India, if fitted with safety relief devices in their bodies, shall have such safety devices manufactured and maintained in accordance with IS : 5903.

(2) Cylinders containing obnoxious or poisonous gases shall not be provided with any safety device.

Explanation :—For the purposes of this sub-rule, "obnoxious or poisonous gases" includes Carbon monoxide, Hydro-Cyanic Acid, Hydro Chloride, Hydrogen Bromide, Hydrogen Fluoride, Sulphur Dioxide, Chlorine, Methyl Bromide, Nitrogen tetroxide, Nitrosyl Chloride, Town gas Hydrogen Sulphide, Carbonyl Chloride (Phosgene), Cyanogen, Cyanogen Chloride, Fluorine and Carbon oxychloride.

(3) Cylinders manufactured in foreign countries, approved for use in this country, if fitted with safety relief devices shall have these devices fully maintained in accordance with the requirements of the specifications to which they were originally made.

#### MARKINGS ON CYLINDERS :

(1) Marking generally :

(a) Every gas cylinder shall be clearly and permanently marked in accordance with the following conditions by stamping, engraving or similar processes :

(i) on the shoulder of the cylinder which shall be reinforced by forging or other means, or

(ii) on such a part which is inseparably bound with the cylinder and which is not or only negligibly affected by the stresses due to the gas pressure within it.

(b) The name plate shall not be affixed to the cylinder by soldering if there is a risk of corrosion or embrittlement.

- (c) In conjunction with the original marking, space shall be provided for stamping the test date obtained at the periodic inspection.
- (d) Markings shall be so carried out and the letters and numerals used shall be of such shape and size that the marking is clear and easily readable and does not give place for misreading.
- (2) Marking on permanent and liquefiable gas cylinders :
- (a) Every cylinder shall be marked with the following markings, namely :—
- manufacturer's owner's and inspector's markings and rotation number; (these markings shall be registered with the Chief Controller);
  - specification to which the cylinder has been made ;
  - a symbol to indicate the nature of heat treatment (such as normalising, quenching or tempering), given to the cylinder during manufacture or after repairs;
  - the date of the last hydrostatic test or hydrostatic stretch or test, as the case may be, with the code mark denoting the person and place where the test was carried out and year of next test due. The code mark shall be registered with the Chief Controller. In the case of liquefied petroleum gas cylinders, the month and the year of test shall be given as an additional marking in a neck ring or on a shoulder place;
  - working pressure and test pressure;
  - tare weight;
- Explanation :—In the case of liquefiable gas cylinders, tare weight shall include the weight of valve fitted to the cylinder. The weight of the valve shall be indicated separately.
- (vii) water capacity.
- (b) All the markings, except the manufacturer's markings, which may be on the base, shall be stamped on the neck end of the cylinder.

7. Markings on valve :—Valves fitted to the cylinder shall be clearly and durably marked in accordance with the following provisions by stamping, engraving or similar processes :

- the specification of the valves;
- year and quarter of manufacture;
- manufacturer's symbol;
- working pressure;
- the name or chemical symbol of the gas for which the valve is to be used;
- the type of screw threads on the outlet, namely left handed (L.H.) or right handed (R.H.);
- Inspector's stamp;
- where dip tubes are provided, special indications shall be given by a clear and durable marking on the valve or on a badge fixed between the valve and the cylinder. The total length in mm. of the tube shall also be indicated.

8. Identification colours : (1) Every person filling any cylinder with any compressed gas shall, before it is stored or despatched, see that the cylinder is painted with the appropriate identification colours specified in IS : 4379 for industrial cylinders and IS : 3933 for medical cylinders.

(2) Cylinders used for new gases and gas mixtures for which identification colours are not provided in sub-rule (1)

shall be painted with the colours indicated in the following table, namely :—

Name of the gas contained in the cylinders.	Colour of the cylinder shell	Colour of band at neck end of cylinder
Non-flammable and non-toxic	White	—
Non-flammable but toxic	White	Yellow IS Standard Colour No. 356.
Flammable but non-toxic other than LPG	White	Red IS Standard colour No. 537.
Flammable and toxic	White	Red and Yellow (IS standard colour No. 537 and 356).

Explanation :—Cylinders intended for gas mixtures can be marked with the words "Gas Mixture" or "Mixed Gas". In addition, the cylinders shall be marked with the names (symbols if necessary) of the components of the mixture by stamping if the cylinders are intended for the permanent use of the particular gas mixture, or by painting, if the cylinders are intended for the casual use of the particular gas mixture.

(3) No person shall in any way interfere with or change the colour painted a gas cylinder :

Provided that nothing in this sub-rule shall be deemed to prohibit the re-painting of a cylinder with the identification colour painted on it when it is required for the maintenance of the cylinder or when a cylinder is converted from one gas service to another gas service in accordance with these rules.

## 9. LABELLING OF CYLINDERS :

- Every cylinder shall be labelled with the name of the gas and the name and address of the person by whom the cylinder was filled with gas.
- A warning in the following terms shall be attached to every cylinder containing permanent or liquefied gas.

"Warning"

Gas Cylinders Rules, 1977

- Do not change the colour of this cylinder.
- This cylinder should not be filled with any gas other than the one it now contains.
- No flammable material should be stored in the immediate vicinity of this cylinder or in the same room in which it is kept.
- No oil or similar lubricant should be used on the valves or other fittings of this cylinder.
- Please look for the next date of test, which is marked on the cylinder, and if this date is over, do not accept the cylinder.

## 10. RESTRICTION ON DELIVERY OR DESPATCH OF CYLINDERS :

- No person shall deliver or despatch any cylinder filled with any compressed gas to any other person in India who is not the holder of a licence to possess such compressed gas cylinders or his authorised agent unless he is exempted under these rules to possess such compressed gas cylinders without a licence.
- The gas cylinders delivered or despatched by a person under sub-rule (1) shall be of the type for which he is licensed and shall not exceed the quantity which the person to whom it is delivered or despatched is authorised to possess under these rules.



- (3) Nothing in sub-rules (1) and (2) shall apply to the delivery or despatch of gas cylinder to the defence forces of the Union, port authorities or Railway administration.

11. Repairing of seamless gas cylinders during use; No person shall repair or cause to repair any leakage in a seamless gas cylinder.

12. Repairing of welded/brazed cylinders :

- (1) Welded or brazed cylinder showing leaks at any place other than the welded or brazed seams shall not be repaired and shall be rendered unserviceable.
- (2) In the case of cylinders having welded/brazed seam, repairing of minor defects, such as small weld cracks, pin holes, blow holes, undercuts in welding leaks at the weld (shown in periodical hydrostatic test) may be allowed provided—
  - (i) the defects have been removed by grinding, chipping, gouging or other approved methods ;
  - (ii) the repairing is carried out by a certified welder at the premises of a manufacturer of cylinders recognised by the Chief Controller under the supervision of a competent person by —
    - (a) welding if the original seams were welded ;
    - (b) brazing, if the original seams were brazed ;
  - (iii) the cylinder is properly heat-treated after the repairs ;
  - (iv) the welded or brazed seams of the cylinder are radiographed if the cylinder was originally required to be radiographed after its manufacture ;
  - (v) after repairs and heat-treatment, the cylinder is subjected to the same pneumatic and hydrostatic test or hydrostatic stretch test as was done at the time of manufacture.
- (3) Welded or brazed cylinder, before repairing, shall be thoroughly cleaned and gas-freed or otherwise prepared for safely carrying out hot work and certified in writing, by a competent person, to have been so prepared. The certificate shall be preserved for a period of three months and produced to the Chief Controller on demand.
- (4) No person shall refill any cylinder which has been repaired under sub-rule (2) with any gas unless a full report on the repairs and test carried out on the cylinder, accompanied by the repair's certificate of testing are furnished to the Chief Controller and his permission is obtained, for its refilling.

13. Prohibition of Employment of Children and Intoxicated persons.—No child under the age of eighteen years and no person who is in a state of intoxication shall be employed in loading or unloading or transport of any compressed gas cylinder or in any premises licensed under these rules.

14. Prohibition of smoking, Fires, Lights and Dangerous substances.—(1) No person shall smoke and no fires, other than blow-pipe flames for repairs, or no articles or substances of flammable nature or liable to spontaneous ignition or to cause or communicate fire or explosion shall be allowed at any time in proximity to a place where any cylinder for non-flammable gases is being filled, stored or handled.

(2) No person in or near any place where cylinders containing flammable gases are filled, stored or handled shall have in his possession any matches, fuses or other appliances for producing ignition or explosion.

15. General Precautions.—(1) Cylinders together with their valves and specified other fittings and the identification colours under these rules shall always be maintained in good condition.

(2) No oil or similar lubricant shall be used on any valves or other fittings of any cylinder.

(3) Save as provided in rules 12 and 41, no cylinder shall be subjected to any heat treatment or exposed to a high temperature or sun or stored with any other flammable or explosive material.

(4) Every cylinder containing compressed gas shall have its valve securely closed so as to prevent leakage. Valves fitted to the cylinders containing Liquefied Petroleum Gas and highly toxic gases like Boron trifluoride, Carbon monoxide, Flourine, Hydrogen Chloride, Cyanogen Chloride, Chlorine trifluoride, Hydrogen Cyanide, Hydrogen Fluoride, Hydrogen Sulphide, Methyl Bromide, Nitrogen tetroxide, Chlorine, Ammonia or Sulphur Dioxide shall be provided with security nut on the outlet to act as a secondary means of safeguard against leakage of gas.

(5) If a leak in the valve cannot be rectified by tightening the gland nut or the spindle, the cylinder shall be removed to an open space where it is least dangerous to life and property and the filler shall be informed.

16. Special Precautions Against Accidents.—(1) No person shall commit or attempt to commit any act which may tend to cause a fire or explosion in or about any place where gas under pressure in a cylinder is stored, handled or transported.

(2) Every person storing compressed gas cylinders and every person in charge of or engaged in the storage handling and transport of such gas cylinders, shall at all times.

- (a) comply with the provisions of these rules and the conditions of any licence relating thereto.
- (b) observe all precautions for the prevention of accident by fire or explosion ; and
- (c) prevent any person from committing any act referred to in sub-rule (1).

17. Competent person to be incharge of operations.—Every person holding, or acting under a licence granted under these rules, shall, whenever cylinders are filled, loaded, unloaded, examined or tested, depute a competent and experienced person to be present and to conduct any of the said operations in according with the provisions of these rules.

18. Handling and Use.—(1) Cylinders shall be adequately supported during handling.

(2) Trolleys and cradles of adequate strength shall, as far as possible, be used when moving the cylinders.

(3) The cylinders shall be handled carefully and not be allowed to fall upon one another or otherwise subjected to any undue shock.

(4) Sliding, dropping or playing with cylinders is prohibited.

(5) Liquefied Petroleum Gas cylinders and cylinders containing liquefiable gases shall always be kept in an upright position and shall be so placed that they cannot be knocked over.

(6) Cylinders used in horizontal position shall be so secured that they cannot roll.

(7) Open flames, lights, lighting of fires, welding and smoking shall be prohibited in close proximity to any cylinder containing flammable gases except those while in use for welding, cutting or heating.

(8) Working places shall not be classified as storage places for the purpose of licensing.

19. Restrictions on Filling.—(1) Welded cylinder shall not be used for filling any permanent high pressure liquefiable gas or highly toxic gases like Boron trichloride, Carbonyl Chloride (Phosgene), Chlorine trifluoride Cyanogen, Cyanogen Chloride, Hydrogen Cyanide, Hydrogen fluoride, Hydrogen Sulphide.

(2) No cylinder which has once been used for storage and transportation of coal gas shall be used for filling with any other gas.

(3) No cylinder shall contain any gas that is capable of combining chemically so as to endanger its serviceability.

20. Storage of Cylinders.—(1) Cylinders shall be stored in a cool, dry, well ventilated place under cover, away from boilers, open flames, steam pipes or any potential sources of heat and such place of storage shall be easily accessible.

(2) The storage room or shed shall be of fire resistant construction.

(3) Thin wall cylinders such as liquefied petroleum gas cylinders and dissolved gas cylinders shall not be stacked in a horizontal position.

(4) Cylinders containing flammable gases and toxic gases shall be kept separated from each other and from cylinders containing other types of gases by an adequate distance or by a suitable partition wall.

(5) Cylinders shall not be stored under conditions which will cause them to corrode.

(6) Cylinders shall not be stored along with any combustible material.

(7) Empty cylinders shall be segregated from the filled ones and care shall be taken that all the valves are tightly shut.

21. Electrical Installations.—In premises for filling and storing flammable gases in cylinders all electric meters, distribution boards, switches, fuses, plugs and sockets, electric fixed lamps, portable hand lamps and motors, shall be of flame-proof construction conforming to appropriate Indian standard specifications or such other specifications as are approved by the Chief Controller and shall be effectively earthed.

22. Purity of Gas.—(1) Compressed gases shall be free from impurities which are likely to corrode the metal of the cylinder or form an explosive substance with it or cause the gases to decompose or explode.

(2) The gases shall be as dry as is possible and in no instance shall the aqueous phase separate when a liquefied gas is cooled to 0°C.

(3) Before filling any cylinder with gases like carbon monoxide, coal gas, hydrogen or methane, the gas shall be free from hydrogen sulphide and other sulphurous impurities as far as practicable. The moisture shall be less than 0.02 g/m<sup>3</sup> of gas at normal temperature and pressure.

23. Cylinder subjected to the action of fire.—A cylinder exposed to fire shall not be used unless it has undergone proper examination and hydraulic/hydrostatic stretch test. If deleterious structural changes in the material due to the action of heat of the fire is apprehended to have taken place, the cylinder shall have to be subjected to proper heat treatment, followed by hydrostatic test or hydrostatic stretch test, as the case may be, before the cylinder is taken into use.

24. Ownership of cylinder.—A cylinder filled with a compressed gas shall not be transported unless it was charged by or with the consent of the owner of the cylinder.

25. Retesting of cylinder.—A cylinder for which prescribed periodical re-test has become due shall not be charged and transported until such re-test has been properly made.

26. Owner's Record.—The owner of a cylinder shall keep for the life of each cylinder, a record containing the following information regarding each cylinder, namely :—

- (i) Cylinder manufacturer's name and the rotation number ;
- (ii) The specification number to which the cylinder is manufactured ;
- (iii) Date of original hydrostatic test/hydrostatic stretch test ;

(iv) Cylinder manufacturer's test and inspection certificates.

(v) Number and date of letter of approval granted by the Chief Controller.

27. Conversion of Cylinders.—Gas cylinders designed and approved for filling with a particular gas shall not be used for filling with any other gas unless specific approval is obtained from the Chief Controller.

## CHAPTER III

### IMPORTATION OF CYLINDERS

#### PART I—GENERAL

28. Licence for Import of Gas Cylinders.—No person shall import any cylinder filled or intended to be filled with any compressed gas except under and in accordance with the conditions of a licence granted under these rules.

#### PART II

##### IMPORTATION BY SEA

29. Declaration by the Master of ship or ship's agent.—(1) The master of every ship carrying cylinders filled with compressed gas for importation into India, or the agent for such ship, shall give, the conservator of the Port not less than 48 hours' notice of its intended arrival at the port.

(2) The master of every ship carrying such cylinders shall deliver to the pilot, before entering any port, a written declaration under his signature in Form A ;

Provided that if the agent for such ship delivers to the Conservator of the Port a written declaration referred to in sub-rule—(1) under his signature, no such declaration shall be made by the master of the ship.

(3) Every declaration delivered to a pilot under sub-rule (2) shall be made over by him without delay to the Conservator of the Port and all declarations received by the Conservator of the Port shall be forwarded by him, with all convenient despatch, to the Customs Collector of the Port.

30. Production of licence for Import.—Every person desiring to import cylinders filled with any compressed gas or intended to be so filled shall produce personally or through his agent, before the Customs Collector his licence for the import of such gas cylinders.

31. Permission of the Customs Collector.—(1) No imported cylinder shall be landed except with the permission of the Customs Collector.

(2) If the Customs Collector is satisfied that the gas cylinders can lawfully be imported, he shall permit it to be landed.

(3) Nothing in this rule shall affect the power of the Customs Collector to detain the gas cylinders under any other law for the time being in force.

#### PART III

##### IMPORTATION BY LAND

32. Importation by land.—No gas cylinder filled with any compressed gas, shall be imported by land save with the previous sanction in each case, of the Central Government and under such conditions and restrictions as it may impose.

#### PART IV

##### IMPORTATION BY AIR

33. Importation by Air.—No cylinder filled with any compressed gas shall be imported by air save with the previous sanction in each case of the International Airport Authority of India.

## CHAPTER IV

## TRANSPORT OF CYLINDERS

34. Transport of Cylinders by Vehicles.—(1) Cylinders filled with any compressed gas shall not be transported by a bicycle or any other two-wheeled mechanically propelled vehicle.

(2) Cylinders shall be so transported as not to project in the horizontal plane beyond the sides or ends of the vehicle which they are transported.

(3) There shall be no sharp projections on the inside of the vehicle.

(4) Cylinders shall be adequately secured to prevent their falling off the vehicle and being subjected to rough handling, excessive shocks or local stresses.

(5) Cylinders transported in vehicles shall be blocked or braced and be so secured to prevent movement, striking each other or falling down.

(6) Cylinders filled with any compressed gas shall not be transported along with any other article of a highly flammable or corrosive nature.

35. Restriction on Transport.—(1) Cylinders containing flammable gases shall not be transported along with the cylinders containing any other type of compressed gas.

(2) Cylinders containing toxic or corrosive gas shall not be transported along with food-stuffs.

36. Loading and Unloading for Transport.—(1) No lifting magnet shall be used in loading or unloading of cylinders filled with any compressed gas.

(2) When any such operation is carried on by means of a crane or a fork-lift truck, a proper cradle with chains or wire rope slings shall be used.

37. Protection of valves during transport.—(1) Every cylinder containing compressed gas shall, when transported, have its valve protected against damage in the manner provided in sub-rules (2) and (3) unless it is securely packed in a box or crate.

(2) Where the design of the cylinder does not provide for the valve lying wholly below the level of the body of the cylinder, a stout metal cap, metal cover or a protective metal ring or grill of a design approved by the Chief Controller shall be provided, the design being such that the cap or cover or ring or grill is nowhere in close proximity to any part of the valve or valve body.

(3) Where metal caps or metal covers are provided to protect valves fitted to cylinders other than those containing highly toxic gases like Hydrogen Cyanide Phosgene, Cyanogen, Cyanogen Chloride, it shall be provided with a vent of such size so as to prevent any gas pressure inside the cap of cover.

(4) Cylinders containing highly toxic gases like Hydrogen Cyanide, Phosgene, Cyanogen, Cyanogen Chloride gases, shall have their valves protected with gas-tight metal caps or covers.

(5) Nothing in sub-rules (1), (2) and (3) applies to cylinders containing oxygen or nitrous oxide for medical purposes having a water capacity not exceeding 5 litres.

38. Leaky cylinders.—(1) No person shall tender or transport any leaky cylinder.

(2) Any cylinder containing a flammable or toxic gas, which develops a leak during transport shall promptly be removed to an isolated open place away from any source of ignition and the person responsible for transportation shall immediately contact the filler or the consignor as the case may be, for necessary advice.

## CHAPTER V

## EXAMINATION AND TESTING OF CYLINDERS

39. Periodicity of examination and testing of cylinders.—

(1) No person shall fill any cylinder with any compressed gas unless the cylinder has been examined and subjected to hydrostatic test or hydrostatic stretch test, as the case may be, and other tests set forth in this Chapter within such period as is specified in the Code issued by Indian Standards Institution or as approved in writing by the Chief Controller.

(2) Any testing station desiring to obtain recognition for periodical testing and examination of cylinders shall provide the facilities set forth in Schedule IV.

40. Condition of cylinders for testing.—Cylinders for testing shall be first emptied of their contents. The cylinder contents shall be released in a safe manner keeping in mind the dangers associated with the nature of the gas in the cylinder. Cylinders which contain or may have been contaminated by, poisonous or obnoxious substances shall be emptied by test stations properly equipped and sufficiently experienced to handle the particular gas.

41. Inspection of cylinders before carrying out hydrostatic/hydrostatic stretch test.—(1) Prior to carrying out hydrostatic/hydrostatic stretch test, every cylinder shall be thoroughly cleaned by steam cleaning or washing out with approved solvents. Where the interior of the cylinder is affected by rust or other foreign matter it shall be cleaned by one of the following methods namely :—

(a) Approved blasting, rotary wire brushing ;

(b) Burn out treatment carried out in a furnace at a temperature not exceeding 300°C for a period of not exceeding one hour after which all free rusts and any other foreign matter shall be removed by steam cleaning or washing with approved solvents.

(2) The cylinders after cleaning shall be visually examined externally and as far as practicable internally for surface defects in accordance with the Codex of Practice issued by the Indian Standards Institution or any other Code approved in writing by the Chief Controller.

42. Hydrostatic/hydrostatic stretch test.—(1) For cylinders used for permanent gases, high pressure liquefiable gases and all corrosive gases :—

(i) The cylinders shall be subjected to hydrostatic stretch test in accordance with IS : 5844. The test pressure applied to the cylinder shall be retained for a period of not less than 30 seconds.

(ii) The permanent stretch suffered by the cylinder due to application of test pressure shall not exceed the following limits, namely :—

- |  |  |
|--|--|
| (a) In the case of cylinders below 20 litres water capacity for non-corrosive gases. | 10% of the total stretch suffered during the test,   |
| (b) In other cases   | 10% of the total stretch suffered during the test or 1/5000th of the original volume of the cylinder, whichever is less. |

(2) For cylinders for low pressure non-corrosive liquefiable gases.—(1) The cylinder shall be subjected to hydrostatic test in accordance with IS : 5844 by non-jacket method except that the volumetric changes during the test need not be measured.

(2) The test pressure shall be retained for a period of not less than 30 seconds. Any reduction in pressure noticed during this retention period or any leakage, visible bulge or deformation shall be treated as a case of failure in the test.



(3) As soon as the test is completed, the cylinder shall be thoroughly dried internally and shall be clearly stamped on the neck end with marks and figures indicating the person by whom the test has been carried out and the date of test. Code mark of the person by whom the test has been carried out shall be registered with the Chief Controller.

43. Condemning of cylinders.—(1) Any cylinder which fails to pass periodic examination or test or which loses in its tare weight by over 5 per cent or which for any other defect is found to be unsafe for use shall be destroyed by flattening it as a whole or after being cut into pieces in such a manner that the pieces cannot again be joined together by welding or otherwise to form a cylinder.

(2) All markings on the cylinder shall be defaced before it is destroyed.

(3) History sheets of such cylinders shall be closed and kept on record for a period of one year. Reports of the details of such closed history cards shall be sent to the Chief Controller, in writing, on the 1st of January, April, July and October every year.

(4) A cylinder which has been used for the generation of any gas or for any purpose other than storage, transportation and use of compressed gas shall be deemed to have been condemned and unsuitable for such use as a cylinder within the meaning of these rules.

44. Records of test.—Full record of cylinders examined and tested at any testing station shall be maintained giving the following particulars, namely :—

- (a) Name of the manufacturer and the owner of the cylinder.
- (b) Rotation Number.
- (c) The specification to which the cylinder conforms.
- (d) Date of original hydrostatic/hydrostatic stretch test.
- (e) Test reports and certificates furnished by the manufacturer, if available.
- (f) Test pressure.
- (g) Maximum working pressure.
- (h) Water capacity.
- (i) Tare weight.
- (j) Variation if any, in the tare weight marked on the cylinder and actual tare weight.
- (k) Condition of cylinder shell.
- (l) Name of gas.
- (m) Type of valve fitted, and
- (n) Remarks, if any.

The above particulars shall form the history card for each cylinder and all changes from time to time shall be indicated therein.

## CHAPTER VI

### DISSOLVED ACETYLENE GAS CYLINDERS

45. Additional requirements for dissolved acetylene cylinders.—Dissolved Acetylene gas cylinders shall comply with the following additional provisions, namely :—

- (i) The porous substance shall fill as completely as possible the cylinder into which the acetylene is compressed.
- (ii) The porosity of the substance shall not exceed 92 per cent and in no case shall be less than 75 per cent.
- (iii) Any solvent used shall not be capable of chemical reaction with the acetylene gas or with the porous substance or with the metal of the cylinder.

- (iv) If acetone is used as a solvent it shall comply with the requirements of IS : 170. The quantity of acetone including the gas in solution shall be such that the cylinder meets the requirements of additional tests specified in IS : 7312.

The maximum amount of acetone filled in a cylinder shall be proportionate to the porosity of the porous mass and the volumetric capacity of the cylinders in the following scale :

Porosity percent	Maximum Acetone content in percent of water capacity of cylinder by volume	
	For cylinders having nominal water capacity not exceeding 9 litres.	For cylinders having nominal water capacity exceeding 9 litres.
Over 75 upto and including 80	34.8	36.2
Over 80 upto and including 83	37.1	38.6
Over 83 upto and including 87	38.5	40.0
Over 87 upto and including 90	38.5	42.0
Over 90 upto and including 92	41.8	43.4

- (v) The valves of the cylinders shall not contain more than 80 per cent copper in their composition.
- (vi) The pressure in the cylinder shall not exceed 16 Kgf/Cm<sup>2</sup> at a temperature of 15°C.
- (vii) Every cylinder shall before being filled with porous mass be tested by hydrostatic pressure to a pressure of not less than 60 Kgf/Cm<sup>2</sup>. This pressure may be reduced to 53 Kgf/Cm<sup>2</sup> if the cylinder is fitted with fusible plug. No cylinder which shows a permanent stretch in excess of 7½ per cent of the total stretch suffered during hydrostatic stretch test shall be allowed.
- (viii) The safety relief devices if fitted, shall operate at a pressure not less than 53 Kgf/Cm<sup>2</sup> or at a temperature of 105°C.
- (ix) Every cylinder shall have permanently and conspicuously marked upon it or upon a brassplate soldered to it the name of the manufacturer and the words "Acetylene properly compressed into porous substance" and shall bear the following markings, namely :—
  - (a) Serial number and identification of manufacturers ;
  - (b) Number of the standard ;
  - (c) Test pressure ;
  - (d) The date of hydrostatic stretch test with code mark of the place where the test was carried out ;
  - (e) Date of filling of porous mass ;
  - (f) Water capacity ;
  - (g) A symbol to indicate the nature of heat treatment ;
  - (h) Identification of porous mass ;
  - (i) Tare weight.
  - (j) Inspector's official mark ; and
  - (k) Maximum gas capacity.

46. Restriction on filling of dissolved acetylene cylinders.—No person shall charge with acetylene any cylinder unless he is in possession of full particulars and the previous history of such cylinder and has otherwise assured himself that the cylinder complies with the requirements of these rules.

47. Examination of dissolved acetylene cylinders before filling.—Whenever a cylinder is charged with acetylene, it shall be subjected to a thorough visual examinations, if the history of the cylinder shows that it has not been subjected to such an examination within the previous two years and at the same time the valves will be removed and the conditions of the porous substance at the neck of the cylinder ascertained. This period of periodical examination shall be one year in case the cylinders are filled with loose porous mass.

48. Licence for compression of acetylene.—The compression of the acetylene shall be carried out only on such premises as are licensed by the Chief Controller.

49. Record of dissolved acetylene cylinders.—Each firm charging acetylene in cylinders shall keep a record of every cylinder charged by it. This record shall give the following information, namely :—

- (a) the date of each charging of the cylinder ;
- (b) the dates upon which solvent has been added ;
- (c) the dates upon which the cylinder has been thoroughly examined as provided in rule 47, the results of each such examination and the name of the person carrying out such examination; and in the case of cylinders first issued by the firm, the tare weight of the cylinder including porous substance and acetone or other solvent, the nature of the solvent and the maximum pressure allowed in the cylinder.

The record shall be open for the inspection of the Chief Controller and the Controller of Explosives.

50. Labelling of dissolved acetylene cylinders.—A warning label attached to every dissolved acetylene cylinder shall, in addition to the particulars given in sub-rule (2) of rule 9 bear the following additional particulars, namely :—

- (a) date of last filling of gas in the cylinder ; and
- (b) weight of gas filled.

## CHAPTER VII

### FILLING AND POSSESSION

51. Licence for filling and Possession.—(1) No person shall fill and cylinder with compressed gas and no cylinders filled with compressed gas shall be possessed by any one except under and in accordance with the conditions of a licence granted under these rules.

(2) The licensee shall be responsible for all operations connected with the filling and possession of cylinders in the licensed premises.

52. No licence needed for filling and possession in certain cases.—Notwithstanding anything contained in rule 51, no licence shall be necessary for :—

- (a) filling a small quantity of compressed gas from one cylinder to another for the purpose of any experiment or test or for breathing;
- (b) possession of any cylinder filled with a compressed gas by a carrier or other person for the purpose of transport in accordance with the provisions of these rules.
- (c) possession of cylinder filled with :—
  - (i) liquefied petroleum gas when the total quantity of gas does not exceed 100 kg. at any one time;
  - (ii) any other flammable but non-toxic gas when the total number of cylinders containing such gas does not exceed 15 or the total weight of gas does not exceed 125 kg. whichever is less, at any one time;
  - (iii) any non-flammable non-toxic gas when the total number of such cylinders does not exceed 50 at any one time;
  - (iv) any toxic gas when the total quantity of such cylinders does not exceed 5 at any one time.

53. Restriction on filling.—No person shall fill any cylinder with any compressed gas unless such a cylinder and its valve or other fittings :—

- (a) are of approved type and standard as per rule 3 and has been specifically approved for filling by the Chief Controller;
- (b) have passed the examination and test specified in rule 41 and 42;
- (c) conform to the provisions of rules 4, 5, 6, 7 and 8.

54. Working pressure and filling ratios.—(1) The working or internal pressure in any cylinder charged with a permanent

gas shall not exceed two-third of the test pressure.

(2) Cylinders charged with liquefiable gases shall not be filled in excess of the filling ratios specified in IS : 3710.

55. Prior approval of specification and plans of premises proposed to be licensed.—(1) Every person desiring to obtain a licence to fill and store any compressed gas in any cylinder shall submit to the Chief Controller :—

- (i) specifications and plans drawn to scale in triplicate clearly indicating :—
  - (a) the manner in which the provisions prescribed in these rules will be complied with ;
  - (b) the premises proposed to be licensed, the area of which shall be distinctly coloured or otherwise marked;
  - (c) the surrounding area lying within 100 metres of the edge of all facilities which are proposed to be licensed.
- (ii) A scrutiny fee of Rs. 50 paid in the manner prescribed in rule 72.

(2) If the Chief Controller after scrutiny of the specifications and plans and after making such inquiries as he deems fit, is satisfied that compressed gas will be filled and stored in the premises proposed to be licensed, according to the provisions of these rules, he shall return to the applicant one copy each of all the specifications and plans signed by him conveying his sanction subject to such conditions as he may specify.

56. Grant of Licence.—A licence under these rules may be granted by the Chief Controller on payment of the fees specified in Schedule V.

57. Application for Licence.—A person wishing to obtain or renew a licence under these rules shall submit an application, in writing, to the Chief Controller—

- (a) in form 'B', if the application is in respect of a licence in Form 'D'; and
- (b) in Form 'C', if the application is in respect of a licence in Form 'E' or Form 'F'.

58. Period for which Licences may be Granted or renewed.—

(1) A licence in Form 'D' for the import of cylinders filled or intended to be filled with compressed gas may be granted for such period as the Chief Controller may deem necessary subject to a maximum of one year.

(2) A licence in Form 'E' or Form 'F' for filling and storage of compressed gas respectively granted or renewed under these rules shall remain in force until the 31st day of March of the year upto which the licence is granted or renewed subject to a maximum of three years.

(3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), the Chief Controller, where he is satisfied that a licence is required for a specific work which is not likely to last upto the 31st day of March of the year upto which the licence is granted or renewed may grant or renew a licence for such a period as is necessary.

59. Particulars of Licence.—(1) Every licence granted under these rules shall be subject to the conditions specified therein and shall contain all the particulars which are contained in the form specified under these rules.

(2) One copy of the plan or plans for the licensed premises, signed in token of approval by the Chief Controller, shall be attached to the licence which shall form part of such a licence, and an identical copy shall be filed for record in the office of the Chief Controller.

60. Prior approval necessary for alteration in the Licensed premises.—(1) No alteration shall be carried out in the licensed premises until the plan or plans showing such alterations has been approved in writing by the Chief Controller.



(2) A person wishing to carry out any alteration in the licensed premises shall submit to the Chief Controller—

(i) three copies of a properly drawn plan of the licensed premises showing in distinct colour or colours the proposed alterations and the reasons therefor;

(ii) a scrutiny fee of Rs. 10 paid in the manner prescribed in rule 72.

(3) If the Chief Controller, after scrutiny of the plan showing the proposed alteration and after making such enquiries as he deems fit, is satisfied that the proposed alteration may be carried out, he shall return to the licensee one copy of the plan signed by him and conveying his sanction subject to such condition or conditions as he may specify.

(4) The holder of the licence shall apply to the Chief Controller for the amendment of the licence as soon as the sanctioned alteration has been carried out.

(5) No additions or alterations carried out in the licensed premises sanctioned by the Chief Controller shall be brought into use unless the licence is received by the licensee duly amended.

61. Amendment of Licence.—(1) Any licence granted under these rules may be amended by the Chief Controller.

(2) The fee for amendment of a licence shall be Rs. 10 plus the amount, if any, by which the fee that would have been payable if the licence had originally been issued in the amended form exceeds the fee originally paid for the licence.

(3) A licensee who desires to have his licence amended shall submit to the Chief Controller—

(i) an application duly filled in and signed in Form 'B' if the licence has been granted for the import of compressed gas cylinders and in form 'C' if the licence is granted to fill and store any compressed gas in cylinders;

(ii) the licence sought to be amended together with the approved plans attached to it;

(iii) where any alterations in the licensed premises have been carried out, three copies of the properly drawn plans showing the alterations sanctioned under rule 60 by the Chief Controller;

(iv) fees for the amendment of the licence as specified in sub-rule (2).

62. Renewal of Licence.—(1) A licence may be renewed by the Chief Controller.

(2) Every licence granted in form 'E' and Form 'F' under these rules, may be renewable for three financial years where there has been no contravention of the provisions of the Act or any rules framed thereunder or of any condition of the licence so renewed.

(3) Where a licence which has been renewed for more than one year is surrendered before its expiry, the renewal fee paid for the unexpired portion of the licence shall be refunded to the licensee provided that no refund of renewal fee shall be made for any financial year during which the Chief Controller receives the renewed licence for surrender.

(4) Every application for the renewal of a licence shall be accompanied by the licence which is to be renewed together with approved plans attached to the licence, and the renewal fee.

(5) Every application for the renewal of a licence shall be made so as to reach the licensing authority at least thirty days before the date on which it expires, and if the application is so made, the licence shall be deemed to be in force until such date as the Chief Controller renews the licence or until an intimation that the renewal of the licence is refused has been communicated to the applicant.

(6) Where the renewal of a licence is refused, the fee paid shall be refunded to the licensee after deducting therefrom the proportionate fee for the period beginning from the date from which the licence was to be renewed upto the date on which renewal thereof is refused.

(7) The same fee shall be charged for the renewal of a licence for each financial year as for the grant thereof:

Provided that—

(i) if the application with accompaniments required under sub-rule (4) is not received within the time specified in sub-rule (5), the licence shall be renewed only on payment of a fee amounting to twice the fee ordinarily payable;

(ii) if such an application with accompaniments is received by the Chief Controller after the date of expiry but not later than thirty days from the date of expiry, the licence may, without prejudice to any other action that may be taken in this behalf, be renewed on payment of twice the fee ordinarily payable.

Provided further that in the case of an application for the renewal of a licence for a period of more than one financial year at a time, the fee prescribed under the first proviso, if payable, shall be paid only for the first financial year of renewal.

(8) No licence shall be renewed if the application for renewal is received by the Chief Controller after thirty days of the date of its expiry.

63. Refusal of Licence.—(1) The Chief Controller shall, while refusing to grant, amend, renew or transfer a licence, record his reasons for such refusal in writing.

(2) A copy of the order containing the reasons for such refusal shall be given to the applicant on payment of a fee Rs. 5 paid in the manner prescribed in rule 72.

64. Suspension and Cancellation of Licence.—(1) Every licence granted under these rules shall be liable to be suspended or cancelled by an order of the Chief Controller for any contravention of the Act or of any rules framed thereunder or of any condition contained in such licence, or by an order of the Central Government if at any time the continuance of the licence in the hands of the licensee is deemed objectionable, provided that—

(i) before suspending or cancelling a licence under this rule, the holder of the licence shall be given an opportunity of being heard;

(ii) the maximum period of suspension shall not exceed three months; and

(iii) the suspension of a licence shall not debar the holder of the licence from applying for its renewal in accordance with the provisions of rule 62.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-rule (1) an opportunity of being heard may not be given to the holder of a licence before his licence is suspended or cancelled in cases—

(i) where the licence is suspended by the Chief Controller as an interim measure for violation of any of the provisions of the Act or these rules, or of any condition contained in such licence or in his opinion such violation is likely to cause imminent danger to the public;

Provided that where a licence is so suspended, the Chief Controller shall give the holder of the licence an opportunity of being heard before the order of suspension is confirmed;

(ii) where the licence is suspended or cancelled by the Central Government, if that Government considers that in the public interest or in the interest of the security of the State such opportunity should not be given.

(3) The Chief Controller or the Central Government suspending or cancelling a licence under, sub-rule (1), shall record its reasons for so doing in writing.

65. Procedure on Expiration, Suspension or Cancellation of Licence.—A person licensed to fill or store compressed gas shall, on the expiration, suspension or cancellation of his licence, forthwith give notice to the Chief Controller of the nature and quantity of compressed gas in his possession and shall comply with any directions which the Chief Controller may give in regard to its disposal.

66. APPEAL : (1) An appeal shall lie against any order refusing to grant, amend or renew a licence or cancelling or suspending a licence to—

(i) the Central Government, where the order is passed by the Chief Controller;

(ii) the Chief Controller, if the order is passed by a Controller of Explosives,

(2) Every appeal shall be in writing and shall be accompanied by a copy of the order appealed against and shall be presented within sixty days of the order passed, if preferred to the Central Government, and within thirty days, if preferred to the Chief Controller of Explosives.

67. PROCEDURE ON DEATH OR DISABILITY OF LICENSEE : (1) If a licensee dies or becomes insolvent or mentally incapable or is otherwise disabled, the person carrying on the business of such licensee shall not be liable to any penalty of confiscation under the Act or these rules for exercising the powers granted to the licensee during such time as may reasonably be required to allow him to make an application for a new licence in his own name for the unexpired portion of the original licence in respect of the year in which the licensee dies or becomes insolvent or mentally incapable or is otherwise disabled :

Provided that nothing in this sub-rule shall be deemed to authorise the exercise of any power under this sub-rule by any person after the expiry of the period of the licence.

(2) A fee of rupees five shall be charged for a new licence for the unexpired portion of the original licence granted to any person applying for it under this rule and the fee shall be paid in the manner prescribed in rule 72.

68. LOSS OF LICENCE : Where a licence granted under these rules is lost or accidentally destroyed, a duplicate may be granted on submission of a copy of the plan or plans identical with those attached to the licence and on payment of a fee of Rs. 10 paid in the manner prescribed in rule 72.

69. PRODUCTION OF LICENCE ON DEMAND (1) Every person holding or acting under a licence granted under these rules shall produce it, or an authenticated copy of it, at the place to which the licence applies, when called upon to do so by any of the officers specified in rule 77.

(2) Copies of any licence may, for the purposes of this rule, be authenticated by the authority which granted the licence—

(a) on payment of a fee of Rs. 5 in the manner prescribed in rule 77 for each authenticated copy ; and

(b) on the submission of a copy or copies of the plans identical with the approved plan or plans attached to the licence.

70. PROCEDURE ON REPORTS OF INFRINGEMENT : The District Authority shall inform the Chief Controller of the action taken by him on any reports of infringement of the Act or of these rules which the Chief Controller may make to him.

71. EXECUTIVE CONTROL OVER AUTHORITIES : Every authority, other than the Central Government, acting under this Chapter shall perform its duties subject to the control of the Central Government :

Provided that nothing in this rule shall be deemed to affect the powers of executive control of the Chief Controller over the officers subordinate to him.

72. PAYMENT OF FEE : All fees payable under these rules shall be paid through crossed demand draft drawn on any Nationalised Bank in favour of the Accounts Officer, Pay and Accounts Office, Department of Explosives, Nagpur. In case, however, the amount does not exceed Rs. 100 (Rs. one hundred) the payment may be made by cash, money order, postal order or cheque drawn on a local Bank.

73. POWER TO EXEMPT : If the Chief Controller is satisfied that in respect of any cylinder or class of cylinders or any mode of conveyance any of the requirements of these rules may be safely suspended or modified he may, by written order, authorise such suspension or modification for such period and under such condition as he may think fit. Any such order may be revoked at any time.

## CHAPTER IX

### ACCIDENTS AND INQUIRIES

NOTICE OF ACCIDENTS : (1) The notice of an accident required to be given under sub-section (1) of section 8 of the Act shall be given forthwith—

(i) to the Chief Controller by Express telegram (Telegraphic Address—Explosives, Nagpur) followed within 24 hours by a letter giving particulars of the occurrence ; and

(ii) to the officer in-charge of the nearest Police Station by the quickest route.

(2) Pending the visit of the Chief Controller, or his representative, or until instruction is received from the Chief Controller that he does not wish to make any further investigation or inquiry, all wreckage and debris shall be left untouched except in so far as its removal may be necessary for the rescue of the persons injured and recovery of the bodies of any persons killed by the accident or in the case of railways, for the restoration of through communication.

75. INQUIRY INTO ACCIDENTS : (1) Whenever a District Magistrate, a Commissioner of Police or a Magistrate subordinate to a District Magistrate (hereafter in this rule referred to as the Magistrate) holds an inquiry under sub-section (1) of section 9 of the Act, he shall adjoin such an inquiry unless the Chief Controller or an officer nominated by him is present to watch the proceedings or the Magistrate has received written information from the Chief Controller that he does not wish to send a representative.

(2) The Magistrate shall, at least 14 days before holding an adjourned inquiry, send to the Chief Controller notice in writing of the time and place of holding the adjourned inquiry.

(3) Where an accident has been attended with loss of human life, the Magistrate, may before the inquiry is adjourned under sub-rule (1) take evidence to identify any bodies and may order the interment thereof.

(4) The Chief Controller or his representative shall be at liberty at any such inquiry to examine any witness.

(5) Where evidence is given at an enquiry of any neglect as having caused or contributed to the explosion or accident or of any defect in or about or in connection with any installation or any vehicle appearing to the Magistrate or Jury to require a remedy and the Chief Controller or the officer nominated by him is not present at the enquiry, the Magistrate shall send to the Chief Controller notice in writing of the neglect or defect.

### 76. INQUIRY INTO MORE SERIOUS ACCIDENTS :

(1) Whenever an inquiry is held under section 9A of the Act, the persons holding such inquiry shall hold the same in open Court in such manner and under such conditions as they may think most effectual for ascertaining the causes and circumstances of the accident, and enabling them to make the report under this rule :

Provided that where the Central Government so directs the inquiry may be held in camera.

(2) Persons attending as witnesses before the enquiry Court shall be allowed such expenses as would be allowed to witness attending before a Civil Court subordinate to the High Court having jurisdiction in the place where the inquiry is held and in case of any dispute as to the amount to be allowed, the question shall be referred to the local Magistrate who, on a request made by the enquiry officer, shall ascertain and certify the proper amount of such expenses.

(3) All expenses incurred in or about an inquiry or investigation under this rule shall be deemed to be part of the expenses of the Department of Explosives in carrying the Indian Explosives Act, 1884, into execution.

## CHAPTER X

### POWERS

77. POWERS OF INSPECTION, SEARCH, SEIZURE, DETENTION AND REMOVAL : (1) Any of the officers

specified in the first column of the Table below may exercise the powers specified in sub-section (1) of section 7 of the Act in the areas specified in the corresponding entry in the second column of that Table.

TABLE

Officers	Areas
1. The Chief Controller, Deputy Chief Controllers, Controllers, Deputy Controllers and Assistant Controllers of Explosives.	The whole of India
2. All District Magistrates	Their respective districts
3. All Magistrates subordinate to the District Magistrate.	Their respective Jurisdiction.
4. The Commissioner of Police and all Police Officers of rank not below that of an Inspector.	In Presidency town or their suburbs.
5. All Police Officers of rank not below that of Sub-Inspector	The respective area over which their authority extends.

Provided that the powers of removal and destruction under clause (d) of sub-section (1) of section 7 of the said Act shall not be exercised by any Magistrate or Police Officer except under and in accordance with the instructions of the Chief Controller, Deputy Chief Controller, Controller or Deputy Controller or Assistant Controller of Explosives.

(2) Every facility shall be afforded to the officers specified in sub-rule (1) to ascertain that these rules are being duly observed.

## SCHEDULE I

[See rule 3(1)]

## TYPE AND STANDARDS OF CYLINDERS AND VALVES

## A. CYLINDERS :

## 1. Austrian Origin :

Seamless Steel cylinders manufactured by M/s. Jos. Heiser of Austria—inspected and certified by Bureau Veritas conforming to specifications BS : 399, BS : 400, BS : 1045, Home Office 'S' and 'T', DOT : 3A : 1800 and above, DOT : 3AA : 1800 and above for permanent gases and BS : 401, BS : 1287, BS : 1288, DOT : 3A/DOT : 3AA for liquefiable gases

## 2. Czechoslovakian Origin :

Seamless Steel Cylinders manufactured by M/s. Vitkovicke Zelezarny Klementa Gottwalda of Czechoslovakia inspected and certified by Inspekta Praha conforming to specifications BS : 399 for permanent gases and BS : 401, BS : 1287 for liquefiable gases and CSN specification with steel conforming to CSN : 13—142.6 for permanent high pressure liquefiable gases and with steel conforming to 11-353.1 for low pressure liquefiable gases.

## 3. Hungarian Origin :

Steel Cylinders manufactured by Csepel Steel and Metal works, Budapest—inspected and certified by Boiler Commissionary Chief Department of Government Supervision for Energetics and Security of Technical Energy, Budapest conforming to specification MSZ-2665-53 with Chrome Alloy Steel designated as Cr. 135 having 200 mm. nominal diameter, with 5 mm. minimum wall thickness for permanent and liquefiable gases.

## 4. Indian Origin :

Welded Steel cylinders manufactured by Shri Ambica Cylinder Manufacturing Co., Ahmedabad, Apperjay Structural Ltd., Rajbandh, Distt. Burdwan (West Bengal), Bharat

Pumps & Compressors Ltd., Naini, Allahabad, Gannon Dunkerley & Co. Ltd., Bombay, Hindustan General Industries Ltd., Nangloi, Delhi-41, Hyderabad Allwyn Metal Works Ltd., Hyderabad, Ideal Engineers, Hyderabad Pvt. Ltd., Hyderabad, Indian Gas Cylinders, Faridabad, Kosan Metal Products Pvt. Ltd., Bombay, Martin Burn Ltd., Calcutta—inspected and certified by ISI or any other appropriate authority approved by the Chief Controller, conforming to IS : B196, IS : 7142, IS : 7680 & IS : 7681 specifications for low pressure liquefiable gas service.

(b) Seamless manganese steel cylinders for permanent and high pressure liquefiable gases conforming to IS : 7285 manufactured by Bharat Pumps & Compressors Ltd., Naini, Allahabad—inspected and certified by ISI.

## 5. Italian Origin :

Steel cylinders manufactured by M/s. Acciaieria E. Tubificio Di Brescia—inspected and certified by Bureau Veritas conforming to specifications DOT : 3AA : 1800 and above for permanent gases and DOT : 3AA for liquefiable gases

(a) Steel cylinders manufactured by M/s. Showa Katsuo Kogyo Co., Ltd.—inspected and certified by Company's own Inspector or KHK or Lloyd's or Bureau Veritas conforming to specifications BS : 399, BS 400, BS : 1045, Home 'S' & 'T' DOT : 3A : 1800 and above, DOT : 3AA : 1800 and above, JIS : B : 8241 : 1968 relating to Manganese steel for permanent gases and BS : 401, BS : 1287, BS : 1288, DOT : 13A/DOT : 3AA for liquefiable gases.

(b) Steel cylinders manufactured by M/s. Sumikin Kiko Co., Ltd.,/Sumitomo Metal Industries Ltd., or Nihon Katsuo Yoki—inspected and certified by KHK or Lloyd's or Bureau Veritas conforming to specifications BS : 399, BS : 400, BS : 1045, Home Office 'S' & 'T', DOT : 3A : 1800 and above, DOT : 3AA : 1800 and above, JIS : B : 8241 : 1968 relating to Manganese Steel for permanent gases and BS : 401, BS : 1287, BS : 1288, DOT : 3A/DOT : 3AA. for liquefiable gases.

(c) Steel cylinders manufactured by M/s. Totsukaka High Pressure Gas Cylinder Co., Tokyo, Japan, Kanto Katsuo Yoki Manufacturing Co. Ltd., Japan and Tokai High pressure Cylinder Co. Ltd., Japan—inspected and certified by KHK or Lloyd's or Bureau conforming to specifications DOT : 3A : 1800 and above and DOT : 3AA : 1800 and above for permanent gases and DOT : 3A/DOT : 3AA for liquefiable gases.

## 7. Polish Origin :

Steel cylinders manufactured by M/s. Huta Milowice of Poland made to PN-69222 conforming to the requirements of BS : 1045 inspected and certified by Polish Government Inspecting Authority for permanent gases and conforming to BSS : 1288 inspected and certified by Lloyds or Bureau Veritas for liquefiable gases.

## 8. Russian Origin :

Steel cylinders manufactured by approved manufacturers in U.S.S.R.—inspected and certified by appropriate authority conforming to specifications GOST : 949-57 and GOST : 949-73 for permanent and liquefiable gases.

## 9. U. K. Origin :

(a) Steel cylinders manufactured by M/s. Chesterfield Tube Co. Ltd., of U.K.—inspected and certified by Company's own Inspector or Lloyd's conforming to specification BSS : 399, BS : 400, BS : 1045, Home Office 'S' & 'T', for permanent gases and BS : 401, BS : 1287, BS : 1288 for liquefiable gases.

(b) Aluminium Alloy cylinders manufactured by M/s. Luxfer Limited—inspected and certified by National Vulcan Engineering Insurance Group Ltd., conforming to specifications HOAL-3 as per drawings No. 102017/ZAD/591, 102034/ZAD/583, 152048/ZAD/585, 152068/ZAD/586 and 176012/ZAD/2038.



## 10. USA Origin :

Steel cylinders manufactured in U.S.A.—inspected and certified by appropriate authority, conforming to specifications DOT : 3A : 3AA for permanent and liquefiable gases.

## 11. West German Origin :

Steel cylinders manufactured by Mannesmann of West Germany—inspected and certified by Lloyd's or Bureau Veritas conforming to specifications BS : 1045, Home Office 'S' & 'T', for permanent gases and BS : 401, BS : 1287, BS : 1288 for liquefiable gases.

## 12. Yugoslavian Origin :

Steel cylinders manufactured by Slavonski Partizan, Slavonski Brod of Yugoslavia—inspected and certified by Yugoslavian State Authority viz. Steam Boiler Inspection Authority or Lloyd's conforming to specifications BS : 1045, for permanent gases and BS : 401, BS : 1287, BS : 1288 for liquefiable gases and DGVO DIN 4664 for permanent and high pressure liquefiable gases.

## B. Containers :

## 1. Indian Origin :

(a) Chlorine Tonne Containers conforming to BS : 1500 : Part I : Class I Vessels, manufactured by S/s Shri Ambica Cylinder Manufacturing Co. Ltd., Ahmedabad Bharat Heavy Plates—Vessels Ltd., Visakhapatnam, Indian Sugar & General Engineering Corporation, Yamunanagar (Haryana), Kaveri Structural, Tiruchirappalli, Larsen & Toubro Ltd., Saki Vihar Road, Bombay, Anup Engineering Co. Ltd., Ahmedabad, inspected and certified by Lloyd's.

(b) Tonne containers for Low Pressure Liquefiable gas service conforming to BS : 1500 : Part I : Class I Vessel, manufactured by M/s. Central India Machinery Manufacturing Co., inspected and certified by Bureau Veritas.

(c) Tonne containers for Low Pressure Liquefiable gas service conforming to BS : 1515, manufactured by S/s Larsen & Toubro Ltd., Saki Vihar, Bombay and inspected and certified by Lloyd's.

## 2. Japanese Origin :

Chlorine Tonne containers conforming to BS : 1500 manufactured by Showa Kotsu Kogyo Co. Ltd.—inspected and certified by Company's own Inspector or KHK or Lloyd's or Bureau Veritas.

## 3. U. K. Origin :

Chlorine Tonne containers conforming to BS : 1515 : Part I : 1965 manufactured by Jhon Thompson Horseley Bridge Ltd.—inspected and certified by the Ocean Accident and Guarantee Corporation Ltd.,

## 4. U. S. A. Origin :

Chlorine Tonne containers conforming to DOT : 106A : 500-X manufactured by Columbiana Boiler Co.—inspected and certified by appropriate authority in U.S.A.

## C. Dissolved Acetylene Gas Cylinders :

## 1. Austrian Origin :

Cylinders manufactured by M/s. Jos Haiser Vormals J. Winters Sohn, Austria to BS : 401 specification and filled with Coyne 90-92 per cent porous mass—inspected and certified by Bureau Veritas.

## 2. Japanese Origin :

Cylinders manufactured by M/s. Kanto Kotsu Yoki manufacturing Co. Ltd., and Japan Coyne Cylinder Co. to IS : 7312 : 1974 filled with monolithic porous mass of 90-92 per cent porosity inspected and certified by Bureau Veritas.

## 3. Indian Origin :

Cylinders manufactured by Bharat Pumps and Compressors Ltd., to IS : 7312 specification filled with Monolithic Porous Mass 90-92 per cent porosity inspected and certified by I.S.I.

## 4. Italian Origin :

Cylinders manufactured by M/s. Acciaieria E. Tubificio Di Brescia, Italy according to ICC : 8 specification having neck thread conforming to BS : 341—shell tested at a pressure not less than 900 p.s.i.g. and filled with Silica Sintex porous mass of 90—92 per cent porosity inspected and certified by Bureau Veritas.

## 5. U. K. Origin :

Cylinders manufactured in U. K. to design No. DA. 759 and specification No. DA2A filled with appropriate porous mass—inspected and certified by British Oxygen Co. Ltd., U. K.

## 6. U.S.A. Origin :

Cylinders manufactured by Pressed Steel Tank Company and Coyne International to ICC : 8 specification having neck thread conforming to BS : 341—shall tested at a pressure not less than 900 psig and filled with Coyne 90-92 per cent monolithic porous mass—inspected and certified by appropriate authority in U.S.A.

## 7. Yugoslavian Origin :

Cylinders manufactured by Slavonski Partizan, Slavonski Brod of Yugoslavia to BS : 401 and filled with Silica Sintex 92 per cent monolithic porous mass—inspected and certified by Lloyd's

## D. Valves :

Valves Conforming to is : 3224 Specification Manufactured by the following Approved Manufacturers in India—Inspected and Certified by I.S.I. or Appropriate Authority as Approved by the Chief Controller.

Gannon Dunkerley and Company, Bombay. Liquefied Petroleum Gas cylinder valves.

Indian Oxygen Limited, Calcutta. Valves for high pressure gas cylinders, acetylene and Liquefied Petroleum Gas cylinders

Kosan Metal Products Private Limited, Bombay. Liquefied Petroleum Gas, Chlorine and Refrigerant cylinder valves..

Martin Burn Limited, Calcutta. Liquefied Petroleum Gas cylinder valves

Ramniklal Jivanlal Kinariwala and Company, Ahmedabad. Chlorine/Ammonia cylinder valves

Tekno valves, Calcutta Chlorine/Ammonia/Freon sulphur Dioxide cylinder valves and fusible plugs for container.

Vanaz Engineers Private Limited, Bombay. Liquefied Petroleum Gas/Actylene/Ammonia/Aceton/Butadiene/Carbon-Dioxide/Chlorine/Ethyl Chloride/Ethylene/Ethylene oxide/Hydrogen/Maftron/Methyl Bromide/Nitrogen/Nitrous oxide/Oxygen/Sulphur Dioxide/Fluoro Carbon Cylinder valves.

## SCHEDULE II

[See rule 3 (2)]

(A) The test and inspection certificates to be obtained from the Inspecting Authority in respect of cylinders manufactured in accordance with the approved design and specification or Code shall include the following particulars, namely :—

1. Place and date of inspection.
2. Gas Cylinders for.....gas.

3. Manufactured by.....
4. Location at.....
5. Manufactured for.....
6. Location for.....
7. Quantity.....
8. Serial Nos. from.....to.....inclusive.
9. Specification to which the cylinders are manufactured.
10. Size.....mm. outside diameter mm.....long.
11. Minimum wall thickness.....
12. Neck end threading as per.....specification.
13. Process of manufacture (whether spun type, or billet pierced or welded).
14. Method of heat treatment (normalised/quenched/tampered etc.)
15. Design working pressure in Kg./Cm or at 15°C or 65°C as the case may be.
16. Hydrostatic test/Hydrostatic stretch test pressure in Kg/Cm<sup>2</sup>.
17. Record of Hydrostatic test/Hydrostatic stretch test with date of test, in respect of each cylinder.
18. Pneumatic test pressure in Kg/Cm<sup>2</sup>.
19. Result of pneumatic test.
20. Tare weight and water capacity of each cylinder.
21. Record of chemical analysis and physical properties of the steel used in the manufacture of cylinders.
22. Manufacturer's identification marks.
23. Inspector's mark.
24. Markings stamped on the shoulder of the cylinders.
25. Dated signature with stamp of the inspecting authority.

(B) The test and inspection certificates to be obtained from the Inspecting Authority in respect of valves manufactured in accordance with the approved design and specification or Code shall include the following particulars, namely—

1. Manufactured by—
2. Location at—
3. Manufactured for—
4. Location at—
5. Quantity—
6. Specification—
7. Results of inspection—
  - (a) Valve inlet connection.
  - (b) Valve outlet connection.
  - (c) Valve outlet number.
  - (d) Hydraulic Pressure Test.
  - (e) Pneumatic Proof test.
  - (f) Tensile strength.
  - (g) Elongation per cent.
  - (h) Impact strength.
  - (i) Quantity offered for inspection.
  - (j) Quantity passed.
  - (k) Quantity rejected and reasons for rejection.
  - (l) Quantity of cylinder.
8. Dated signature with stamp of the inspecting authority.

### SCHEDULE III

[See rule 3(3)]

#### PARTICULARS TO BE SUBMITTED BY PERSON DESIRING TO FABRICATE CYLINDERS, VALVES AND OTHER FITTINGS :

1. Applicant's name and full address.
2. Whether the applicant has manufactured any unfired pressure vessel/valve—If yes—
  - (i) Date from which such vessels/valves were manufactured.
  - (ii) For whom the pressure vessels/valves were fabricated and their approximate numbers.
  - (iii) Details of the pressure vessels/valves manufactured.
3. Specification/Codes proposed to be adopted for the manufacture of pressure vessels/valves.
4. Organisational set-up of the applicant with specific reference to qualifications and experience of the personnel engaged in the manufacture of pressure vessels/valves.
5. Organisational set-up of the inspecting personnel engaged by the applicant.
6. Process of manufacture of pressure vessels/valves, beginning with raw material and ending with the finished vessels/valves.
7. Quality control checks/tests carried out at each stage of manufacture of pressure vessels/valves.
8. (i) Details of the equipment installed for chemical analysis and mechanical tests.  
(ii) Details of templates/gauges provided to check/test.  
(i) Details of templates/gauges provided to check/test, checking equipment and frequency of such checking.
9. Equipment available for carrying out non-destructive examination such as radiography, Gamma ray, ultrasonic tests, etc.
10. List of machinery provided for manufacturing pressure vessels/valves.
11. Name and address of the independent inspecting authority.
12. Records and certificates of tests :
  - (i) proforma of records for various tests carried out by the inspecting and certifying organisation, and
  - (ii) Proforma of test and inspection certificate issued by the independent inspecting authority.

### SCHEDULE IV

[See rule 39 (2)]

#### FACILITIES REQUIRED FOR CYLINDER TESTING STATIONS :

##### 1. MANAGEMENT :

###### 1.1 General requirements—

Personnel, equipment, inspection procedures, recording and organisation shall be adequate and the test station will be operated to give consignment safe operating conditions. The procedures and testing shall ensure that cylinders which fail to meet the requirements and intent of these rules are not returned into normal service. All personnel shall fully recognise their individual responsibilities and that the minimum inspectional requirement shall not be lowered for any reason whatsoever.

Note.—The area of responsibility shall be divided into three separate functions as indicated below. The numbers of personnel employed shall however, be related to the quantum of work.

###### 1.2. Manager —

The Manager responsible for the working of the test station shall be properly qualified; his qualifications shall include



training on the dangers associated with gas cylinders, purpose of inspection, test methods, equipment, test requirements, and recording of test results, and he shall have appropriate technical qualification in Mechanical or Chemical Engineering. He shall also be conversant with the Codes, specifications and/or Regulations applying to the cylinders for which the test station is approved.

### 1.3 Supervisor—

The Supervisor shall possess the following qualifications, namely—

- (i) have at least two years experience in the examination of gas cylinder ;
- (ii) be at least 21 years of age ;
- (iii) be conversant with these rules, Codes, Specifications and/or Regulations applying to the cylinders for which the test station is approved.

### 1.4 Operate—

Personnel conducting inspections and tests shall have qualifications and experience suitable for the work on which they are engaged. They shall be trained to understand the dangers associated with gas cylinders and the purpose and method of inspection.

### 2. Equipment—

#### 2.1 Type of equipment—

The test station shall have adequate equipment to carry out inspection and testing of cylinders as required under these rules. It shall contain—

- (i) One set of these rules, Codes, Specifications and/or Regulations applying to the cylinders which the test station is authorised to test. All these rules, Codes Specifications and/or Regulations shall be maintained with all current amendments.
- (ii) Hydrostatic test apparatus comprising pressurizing equipment, pressure gauges and volumetric measuring equipment in accordance with IS : 5844 Hydrostatic stretch Testing of Compressed gas Cylinders. The apparatus shall be equipped with at least two 15 cm. diameter (minimum) working pressure gauges.
- (iii) Dead-weight pressure gauge tester of appropriate pressure range or a calibrated pressure gauge of 15 cm. in minimum diameter covering the appropriate pressure range.
- (iv) Extra-low voltage lamps to permit adequate internal viewing of cylinders and other lamps necessary for closed examination of external surfaces.
- (v) Straightedges, templates, miscellaneous tools and gauges for measurement.
- (vi) Weighing equipment, where applicable.
- (vii) One set of standard test weights for the weighing machine, stamped by the relevant statutory Authority.
- (viii) Adequate cylinder handling equipment.
- (ix) Adequate cylinder draining equipment.
- (x) Facilities for internal drying of cylinders.
- (xi) Marking and stamping equipment.

### 2.2. Accuracy—

The accuracy of equipment shall be follows :—

- (i) Hydrostatic test apparatus in accordance with IS : 5844. Volumetric equipment shall be capable of measuring a permanent change in volume of the cylinder under test of the order of 1/20,000 of its total capacity.
- (ii) Weighing equipment error not greater than  $\pm 0.1$  per cent.
- (iii) Working pressure gauge error not greater than 1 per cent of the test pressure.
- (iv) Calibrated pressure gauge error not greater than 0.25 per cent of the full scale deflection.

### 2.3 Calibration—

Calibration of equipment shall be carried out at periods not exceeding the following:

- (i) Working pressure gauges—3 weeks.
- (ii) Calibrated pressure gauge—6 months.
- (iii) Weighing equipment—checked by test weight daily when in service.
- (iv) Test weights—2 years.

### 3. Working Conditions—

Working conditions for the test stations shall be conducive to accurate and safe inspection and testing of gas cylinders. The test station shall comply with the following conditions:—

- (i) It shall have good lighting to permit ready external examination of gas cylinders, preferably including natural lighting.
- (ii) It shall have adequate ventilation to remove residual gases from cylinders.
- (iii) It shall provide sufficient space to permit safe working.
- (iv) It shall be maintained in a clean dry condition.

### 4. Condition of Cylinders for Test :

Cylinders forwarded to the test station for testing shall have first been emptied of their contents and then labelled as 'empty'. Irrespective of this label all cylinders other than cylinders at the manufacturers works shall be presumed to contain gas under pressure and the following precautions shall accordingly be observed. :

- (i) The cylinder contents shall be released in a safe manner keeping in mind dangers associated with the nature of the gas in the cylinder. Cylinders which contain or may have been contaminated by poisonous or obnoxious substances shall be emptied only by test stations properly equipped and experienced to handle the particular gas. Such cylinders shall be clearly labelled that they have been contaminated.
- (ii) The valve shall be opened and if no gas escapes and the port is not visibly blocked, a charge of low pressure nitrogen or other inert gas shall be blown into the valve outlet. Discharge of gas after removal of the nitrogen supply indicated the cylinder is empty. When no gas discharges, the valves shall be treated as "obstructed". Where a cylinder has contained poisonous or obnoxious substances, and the valve is suspected of being obstructed, the gas shall be released within an approved appliance and the valves shall be removed in such a manner that the gas escapes without danger to the operator.
- (iii) Should the valve be obstructed the contents of the cylinder shall be released in a safe manner as stated in (i) above. Work on cylinders containing combustible gases shall be carried out in the open air.

Note :—A suitable method of dealing with a valve in which the spindle cannot be removed is to drill a 1/16th in (1.6 mm) diameter hole with a hand drill through the valve body to the gas passage below the spindle seating. Alternatively, a fine-tooth hacksaw may be used. Drilling or sawing must be stopped immediately upon the first sign of escaping gas. A continuous jet of water must be directed on to the cutting tools and the operator must wear protective clothing.

### 5. Inspection and Test—

The test station shall adopt procedures which fully comply with requirements of these rules.

**SCHEDULE V**  
[See rule 2(xv) and 56]

Serial Number	Form of licence	Purpose for which granted	Authority empowered to grant licence		Fees
1.	D	To import cylinders filled or intended to be filled with compressed gas.	Chief Controller of Explosives	For the first 100 nos. cylinders or part thereof. Exceeding 100 nos. but not exceeding 500 nos. cylinders.  Exceeding 500 nos. of cylinders Rs. 200/- for every additional 500 nos. of cylinders or part thereof.	100.00 200.00
2.	E	To fill compressed gas in cylinders.	Chief Controller of Explosives.	For each type of a gas filled in the plant.	500.00
3.	F	To store compressed gas in cylinders.	Chief Controller of Explosives.	(i) For toxic gases (permanent as well as liquefied) Exceeding 5 nos. but not exceeding 100 nos. cylinders.  Exceeding 100 nos. but not exceeding 500 nos. cylinders.  Exceeding 500 nos. of cylinders, Rs. 200/- for every additional 500 nos. of cylinders or part thereof.  (ii) For non-toxic and non-flammable gases : (Permanent as well as liquefied). Exceeding 50 nos. but not exceeding 500 nos. of cylinders.  Exceeding 500 nos. of cylinders Rs. 200/- for every additional 500 nos. of cylinders or part thereof.  (iii) For non-toxic and flammable permanent gases : Exceeding 15 but not exceeding 200 cylinders. Exceeding 200 but not exceeding 500 nos. of cylinders.  Exceeding 500 nos. of cylinders, Rs. 200/- for every additional 500 nos. of cylinders or part thereof.  (iv) For non-toxic and flammable liquefiable gases other than LPG : Exceeding 125 Kg. but not exceeding 500 kg. Exceeding 500 kg. but not exceeding 1000 kg. Exceeding 1000 kg. but not exceeding 5000 kg. Exceeding 5000 kg. but not exceeding 10,000 kg.  Exceeding 10,000 kg. Rs. 200/- for every additional 5000 kg. or part thereof.  (v) For Liquefied Petroleum Gases : Exceeding 100 kg. but not exceeding 500 kg. Exceeding 500 kg. but not exceeding 1000 kg. Exceeding 1000 kg. but not exceeding 5000 kg. Exceeding 5000 kg. but not exceeding 10,000 kg.  Exceeding 10,000 kg. Rs. 200/- for every additional 5000 kg. or part thereof.	100.00 200.00  100.00  200.00 100.00 200.00 300.00

## FORM A

[See rule 29 (2)]

Declaration to be made by the master of a ship carrying cylinders filled with compressed gas before entering a port or by the ship's agent.

Name of the Ship.....

Description of filled cylinders	True chemical name and nature of the gas i.e. whether flammable, corrosive or toxic	Total quantity carried in the ship		Quantity to be landed at port		Remarks
		No. of cylinders	Kg. or M <sup>3</sup> of gas	No. of cylinders	Kg. or M <sup>3</sup> of gas	

Dated the ..... day of 197....

Signature of Master/Agent of Ship

## FORM B

(See rule 57 and 61)

Application for the grant/amendment of a licence to import cylinders :

## 1. Applicant's name :

Applicant's age :

Applicant's Calling :

Applicant's Address :

## 2. Particulars of storage licence held by :

(i) Number and date of storage licence issued by Chief Controller of Explosives.

(ii) Renewed/valid upto

(iii) Capacity of storage as per above licence.

## 3. Description of the cylinders to be imported :

(i) Number of cylinders ;

(ii) Specification of cylinder ;

(iii) Manufactured by :

(iv) Inspected and tested by :

(v) Specification of the valves fitted to the cylinders.

\*(vi) Filled with.....  
(True chemical name of the gas)

\*(vii) Filling pressure at 15°C if filled with permanent gas or dissolved acetylene.

\*(viii) Filling ratio, if filled with a liquefiable gas.

(ix) Date of last hydraulic stretch test.

(x) Rotation numbers of cylinders.

4. Cylinders proposed to be stored at.....

5. Remarks.

Signature of applicant

Postal address of the applicant.

Date of application

Note :—1. Particulars marked with \* are not required to be furnished if empty cylinders are desired to be imported.

2. Manufacturers test and inspection certificates complete in all respects pertaining to each lot of cylinders and valves shall accompany this application.

3. In case cylinders are desired to be imported duly filled with gas, fillers certificates in respect of items 3(vi), (vii), (viii) and (ix) shall be furnished.

## FORM C

[See rules 57, 61 and 63]

Application for the grant/amendment/renewal of a licence to fill and/or store compressed gas in cylinders

Documents listed overleaf must be enclosed with this application, if it for the grant of a licence in form 'E' and 'F'

The replies to be given in this column.

1. Applicant's name \*\* . . . . .
- ,, Calling . . . . .
- ,, Full postal address . . . . .
2. Situation of the premises where compressed gas is to be stored/filled.
  - State . . . . .
  - District . . . . .
  - Town or village . . . . .
  - Nearest police station . . . . .
  - Nearest Rly. Station . . . . .
3. Nature of the compressed gas proposed to be stored/filled  
(Please state whether flammable, corrosive or toxic).
4. Chemical name of compressed gas proposed to be stored/filled . . . . .
5. Quantity of the compressed gas proposed to be stored/filled . . . . .
6. Quantity and chemical name of the compressed gas already stored/filled  
in the premises . . . . .
7. Number of the licence held for the premises and the full name of the  
holder of the licence . . . . .

I hereby declare that the statements made above have been checked up by me and are true and I undertake to abide by the norms and conditions of the licence which will be granted to me.

Date of application

Signature and designation of the applicant

\*\*Where the application is made on behalf of a Company, the name and address of the Company and the name of the Manager or Agent should be given and the application should be signed by him. Every change in the name of the Manager or Agent shall be forthwith intimated to and his specimen signature filled with licensing authority.

**DOCUMENTS REQUIRED TO BE SUBMITTED WITH  
THIS APPLICATION FOR A LICENCE IN FORM 'E'  
AND 'F'**

- (i) Four copies of specification and plans approved under rule 55.

(NOT REQUIRED FOR RENEWAL OF A  
LICENCE WITHOUT AMENDMENTS)

- (ii) Licence together with approved plans and specifications attached thereto.

(NOT REQUIRED FOR THE FIRST GRANT OF A  
LICENCE).

- (iii) Requisite amount of fee for the grant, amendment or renewal of a licence paid in the manner specified in Rule 72.

## FORM D

(See rules 57 and 58)

## LICENCE TO IMPORT GAS CYLINDERS BY SEA

No. \_\_\_\_\_ Fee Rs. \_\_\_\_\_

Licence is hereby granted to M/s. ....  
to import by sea at any one time cylinders  
of the description given below at the port.....for  
consignment to.....subject to the pro-  
visions of the Indian Explosives Act, 1884 and the rules  
framed thereunder and to the conditions on the back of this  
licence.

This licence shall remain in force till the 197.....  
Date.....

## LICENSING AUTHORITY

## DESCRIPTION OF THE CYLINDERS

1. Number of cylinders.
2. Specification of cylinders.

3. Manufactured by :

4. Inspected and tested by :

5. Specifications of the valves fitted to the cylinders ,

6. Filled with.....  
(True chemical name of the gas)

7. Filling pressure at 15°C, if filled with permanent gas  
or dissolved acetylene.

8. Filling ratio, if filled with a liquefiable gas.

9. Dated of last hydraulic stretch test.

10. Rotation numbers of cylinders.

The licence liable to be cancelled if the cylinders do not conform to the description given in the body of the licence and for contravention of any of the rules and conditions under which this licence is granted and the holder of the licence is also punishable as provided for under section 5(3) (a), (b) and (c) of the Explosives Act, 1884.

## CONDITIONS OF LICENCE

1. This licence shall become void after the expiry of the period mentioned therein.

2. Filled cylinders on becoming empty shall not be refilled with any gas except after obtaining prior concurrence of the licensing authority.

3. The licensee shall make prior arrangements for expeditious removal of the filled cylinders from the port of importation to an authorised premises.

## FORM E

(See rule 57 and 58)

Licence to fill compressed gas in cylinders

Licence No. \_\_\_\_\_ Fee Rs. \_\_\_\_\_

Licence is hereby granted to .....  
valid only for the filling of cylinders with compressed gas  
in the licensed premises described below and shown in the

and is situated at .....  
(Plot Number) (Name of Street) (Village or  
Town) (Police Station) (District)



## SPACE FOR ENDORSEMENT OF RENEWALS

This licence shall be renewable without any concession in fee for three years in the absence of contraventions of Indian Explosives Act, 1884 or Gas Cylinders Rules, 1977 framed thereunder or of the conditions of this Licence

This licence is liable to be cancelled if the licensing premises are not found conforming to the description and conditions attached hereto and contravention of any of the rules and conditions under which this licence is granted and the holder of this licence is also punishable with imprisonment for the term which may extend to two years or with fine which may extend to three thousand rupees, or with both

## CONDITIONS

1. The licensed premises shall not be used for any purpose other than for keeping of compressed gas filled in cylinders.

2. Compressed gas cylinders shall be stored only in the storage shed which shall be constructed of suitable non-flammable materials provided that, when only non-flammable gas filled in cylinder is stored, the beams, rafters, columns, windows and doors may be of wood.

3. The storage shed shall be adequately ventilated near the ground level and near or in the roof. In case the storage shed is used for keeping L.P. gas cylinder, the ventilators shall be provided with two thicknesses of fine copper or other non-corroding metal wire gauze of mesh not less than 11 to the linear centimetre.

4. As far as possible, different types of gases should not be stored in the same shed. Where different types of gas cylinders are stored in the same shed, cylinders may be grouped together depending on the nature of the gas contained therein e.g. flammable gas cylinders shall be separated from cylinders containing oxidising gases by an intervening space of one metre or by a fire resisting partition wall in between them and cylinders containing toxic gases shall be segregated from the cylinders containing non-toxic gases by a suitable partition wall.

5. The following distances shall be kept clear at all times between any building, public place, public road or any adjoining property which may be built upon and the storage shed used for the storage of liquefied petroleum gas cylinder —

Quantity of compressed gas in cylinders	Minimum distance to be kept clear	Metres
Kg.		
0 — 100		—
101 — 1000		3
1001 — 4000		5
4001 — 8000		7
8001 — 12000		9
12001 — 30000		12
over — 30000		15

Provided that the distances specified above may be reduced by the Chief Controller (i) where screen walls are provided or other special precautions taken, or (ii) where there are special circumstances which in the opinion of the Chief Controller would justify such reduction.

6. Notwithstanding anything contained in condition 5 above, cylinders containing liquefied petroleum gas exceeding

100 kg., but not exceeding 300 kg. may be kept in a storage shed forming part of, or attached to a building, provided that it is separated therefrom by a substantial partition and the only means of access to it is from outside air, such a storage shed shall not be situated under any staircase, or near other entrances to, or exits from the rest of the building or other buildings.

7. A shed used for storage of liquefied petroleum gas cylinders shall be surrounded by a suitable fence to prevent unauthorised persons from having access to the shed.

8. Thin wall cylinders shall not be stacked in an horizontal position, provided that in case of liquefied petroleum gas cylinders, the following method of stacking may be permitted :—

- if stored vertically, shall not be stacked more than 3 high ; or
- if stored horizontally shall not be stacked more than 5 high in the case of full cylinders and 7 high in the case of empty cylinder ;
- the pile of the cylinders shall be kept stable by using chocks at the ends ;
- at least 60 centimetre wide gangway, to permit access and manoeuvring of cylinders, shall be left between stacks of single or double rows between stacks and walls.

9. True chemical name(s) of the gas(es) shall be prominently displayed in the storage shed.

10. The storage shed shall be in the charge of a competent person.

11. Any accident, fire or explosion within the licensed premises which is attended with loss of life or serious injury to person or property shall be immediately reported to the nearest Magistrate or to the Officer-in-Charge of the nearest Police Station and by telegram to the Chief Controller of Explosives.

(Telegraphic address—"EXPLOSIVES", NAGPUR).

12. Any person storing gas cylinders, when called upon by a notice in writing, to execute any additions, alterations or repairs to the gas cylinders storage shed, which in the opinion of the inspecting authority, are necessary for the safety of the premises, shall execute the said additions, alterations or repairs within such period not being less than one month from the date of receipt of the notice, as may be specified in the notice.

13. No shed used for storage of flammable gases shall be opened and no handling of the gas cylinders shall be permitted between the hours of sunset and sunrise, except where approved electric lighting is exclusively used.

14. The storage shed and the area surrounding it shall at all times be kept clean and free from all flammable materials waste vegetation and rubbish.

15. (a) No fire, furnace or other source of heat or light other than flameproof electric light and fittings shall be allowed in the storage shed and within the safety zone required to be maintained under condition 5.

(b) No person shall smoke in the storage shed or carry matches, fuses or other appliances for producing ignition in the premises. Conspicuous 'No Smoking' signs in Hindi, English and the regional language shall be pasted or hung up at prominent places outside the storage shed.

16. The licensee shall provide at the licensed premises a minimum of two portable from type ordinary chemical type fire extinguishers of 9 kg. each which shall be kept ready at a convenient location for immediate use in the event of any fire. Such, fire extinguishers shall be periodically checked for their serviceability.

17. Free access to the licensed premises shall be given at all reasonable times to any of the officers listed in rule 77, and every facility shall be afforded to such officer for ascertaining that the rules and the conditions of this licence are duly observed.

[F. No. 2(11)/76-MI]  
R. N. CHOPRA, Jt. Secy.